फाल्गुन माह, कृष्ण पक्ष, 21 वर्ष, अंक 57, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | मंगलवार 22 मार्च 2022 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

धामी होंगे उत्तराखंड के नए सीएम

भाजपा के प्रदेश कार्यालय में विधानमंडल दल की बैठक में नए मुख्यमंत्री के रूप में पुष्कर सिंह धामी के नाम पर मुहर लग गई

देहरादूनः आखिरकार लंबे इंतजार के बाद उत्तराखंड के नए मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा हो गई है। भाजपा के प्रदेश कार्यालय में विधानमंडल दल की बैठक में नए मुख्यमंत्री के रूप में पुष्कर सिंह धामी के नाम पर मुहर लग गई है। यह बैठक पार्टी के केंद्रीय पर्यवेक्षक और रक्षामंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई। इसमें विदेश राज्यमंत्री मीनाक्षी लेखी भी केंद्रीय पर्यवेक्षक के रूप में मौजूद थीं। इनके साथ प्रदेश प्रभारी एवं संसदीय कार्य मंत्री प्रहलाद जोशी के अलावा भाजपा के सभी 47 विधायक, लोकसभा के 5 और राज्यसभा के 2 सांसद भी मौजूद थे। सभी विधायकों ने पुष्कर सिंह धामी को दोबारा सर्वसम्मति से प्रदेश का नया मुख्यमंत्री चुन लिया। शाम पांच बजे प्रदेश भाजपा कार्यालय में विधानमंडल दल की बैठक शुरू हुई। केंद्रीय पर्यवेक्षक राजनाथ सिंह ने सबसे पहले सभी विधायकों से बात की। इसके बाद धामी को प्रदेश के नए मुख्यमंत्री के रूप में चुन लिया गया। धामी के नाम पर मुहर लगने के बाद पत्रकारों से बातचीत में इसकी जानकारी केंद्रीय पर्यवेक्षक राजनाथ सिंह ने दी। कई दिनों से दिल्ली के केंद्रीय नेताओं के बीच उत्तराखंड के नए मुख्यमंत्री के नाम पर मंथन चल रहा था। यह मंथन होली के पहले भी केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के बीच हुई थी। होली के बाद प्रदेश के कार्यवाहक मुख्यमंत्री सहित राज्य के अन्य वरिष्ठ नेताओं की गृहमंत्री अमित शाह के साथ बैठक हुई थी। दिल्ली से लेकर देहरादून तक कई दौर की बैठक के बाद अंततः पुष्कर सिंह धामी को ही नया मुख्यमंत्री चुन लिया गया। पिछले विधानसभा का कार्यकाल 24 मार्च तक है। इसलिए 24 मार्च से पहले मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण होने की पूरी संभावना है। उत्तराखंड के पांचवीं विधानसभा के लिए हुए चुनाव में सभी 70 सीटों पर एक साथ 14 फरवरी को मतदान हुआ था। चुनाव का नतीजा 10 मार्च को आया था। इसमें भारतीय जनता पार्टी ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की थी। इस चुनाव में भाजपा ने 70 में से 47 सीटें जीतीं हैं। कांग्रेस को 19 सीटों पर जीत मिली है। 2 सीटों पर बसपा को जीत मिली है और 2 सीट पर निर्दलीय उम्मीदवारों ने चुनाव जीता है।

दूसरी बार संभालेंगे कमान

देहरादूनः जुलाई 2021 से पहले उत्तराखंड की इस मजबूत शख्सियत पुष्कर सिंह धामी को बहुत कम लोग जानते थे। लेकिन इसके बाद धामी प्रदेश के सबसे चर्चित चेहरों में शामिल हो गए। 45 वर्षीय धामी को अचानक भाजपा ने प्रदेश का 11वां मुख्यमंत्री घोषित किया था। तब खुद धामी को भी इस घोषणा ने आश्चर्यचकित कर दिया था। अब विधानसभा-2022 के हुए चुनाव के बाद आज विधानमंडल दल की बैठक में उन्हें दोबारा से मुख्यमंत्री चुन लिया गया।

बहुत ही साधारण परिवार से हैं पुष्कर सिंह धामी

सीएम पुष्कर सिंह ने एक बार खुद कहा था, 'मेरे जैसे छोटे कार्यकर्ता ने कभी सोचा भी नहीं था कि पार्टी मेरे कंधों पर इतनी बड़ी जिम्मेदारी डाल देगी। भारतीय जनता पार्टी की यही खूबसूरती है। यहां पार्टी का छोटे से छोटे कार्यकर्ता भी शीर्ष पदों पर पहुंच जाता है। तीन जुलाई 2021 को मुख्यमंत्री की शपथ लेते ही धामी के नाम एक रिकॉर्ड और दर्ज हो गया। वह उत्तराखंड के सबसे युवा मुख्यमंत्री बने थे। साथ ही विधायक के बाद सीधे मुख्यमंत्री बनाए गए थे'।

धामी का राजनीतिक तक का सफरः पुष्कर सिंह धामी बहुत ही साधारण परिवार से हैं। उनके पिता सैनिक थे। यदि उत्तराखंड की राजनीति में धामी के सफर की शुरूआत देखें तो 2001 में प्रदेश के मुख्यमंत्री बने और वर्तमान में महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी के धामी ओएसडी थे। तभी से इन्होंने उत्तराखंड की राजनीति में कदम रखा। वैसे तो छात्र जीवन से ही धामी राजनीति के गुर सीखने लगे थे। इनका जन्म 16 सितंबर 1975 को पिथौरागढ़ जनपद के डीडीहाट तहसील के टुंडी गांव में हुआ है। इनकी शुरूआती शिक्षा गांव के ही स्कूल में हुई। इनके जन्म के कुछ समय बाद इनका परिवार खटीमा आ गया था। इन्होंने 12वीं तक की पढ़ाई खटीमा में ही की। उच्च शिक्षा के लिए धामी लखनऊ चले गए।

न्यूज फ्लैश

नई दिल्लीः आम आदमी पार्टी के हिमाचल प्रदेश के चुनाव प्रभारी और दिल्ली के कैबिनेट मंत्री सत्येंद्र जैन की मौजूदगी में कांग्रेस की हिमाचल शाखा का एक बड़ा हिस्सा आप में शामिल हो गया। कांग्रेस नेता मनीष ठाकुर, केजरीवाल मॉडल ऑफ गवर्नेंस से प्रेरित अपने सभी साथियों समेत आम आदमी पार्टी में शामिल हुए। इस अवसर पर सत्येंद्र जैन ने कहा कि पार्टी को पूरे हिमाचल प्रदेश से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है और लोग बदलाव के लिए मतदान करने के लिए तैयार हैं। सत्येंद्र जैन ने प्रदेश यूथ कांग्रेस के अध्यक्ष मनीष ठाकुर सहित 23 अन्य युवा नेताओं को पार्टी की सदस्यता दिलाई। मंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा, एक हफ्ते पहले आम आदमी पार्टी ने फैसला किया था कि वह हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव में सभी 68 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। मैंने यह घोषणा राज्य की राजधानी शिमला में की थी। इस घोषणा के बाद, हमें पूरे राज्य से जबरदस्त और शानदार प्रतिक्रिया मिली है। हिमाचल प्रदेश के कई युवा और जागरूक नेता आज आम आदमी पार्टी में शामिल होने के लिए आगे आए हैं।

भारत की विदेश नीति की दुनियाभर में हो रही प्रशंसा-विदेश सचिव

नई दिल्लीः विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला ने सोमवार को कहा कि पूरी दुनिया में भारत की विदेश नीति की प्रशंसा होती है। उनका यह बयान पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान की भारत की विदेश नीति की प्रशंसा किए संबंध में आया है। इमरान खान के कथन पर टिप्पणी करते हुए विदेश सचिव कहा कि केवल एक व्यक्ति की बात नहीं है। पूरी दुनिया में प्रधानमंत्री मोदी द्वारा विदेश नीति के संबंध में की गई पहलों की प्रशंसा हो रही है। उल्लेखनीय है कि पड़ोसी देश के प्रधानमंत्री ने भारत की स्वतंत्र विदेश नीति की प्रशंसा करते हुए रविवार को कहा था कि इसके लिए वह भारत को दाद देते हैं।

भारत एक ओर क्वाड में अमेरिका का सहयोगी देश है और वहीं दूसरी ओर स्वतंत्र विदेश नीति पर अमल करते हुए अंतराष्ट्रीय प्रतिबंधों के बावजूद रूस से तेल खरीद रहा है।

चीन में उड़ते विमान में लगी आग, 132 लोगों में किसी के बचने की उम्मीद नहीं

बीजिंगः चीन के दक्षिण पश्चिमी हिस्से में गुआंग्शी की पहाड़ियों के बीच 132 लोगों को लेकर जा रहा विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस बोइंग 737 विमान में उड़ान के दौरान जिस समय आग लगी, वह 30 हजार फुट की ऊंचाई पर था। बचाव कार्य में लगे लोगों ने बताया कि दुर्घटना इतनी भयावह थी कि विमान में सवार किसी भी यात्री के बचने की उम्मीद नहीं है। चाइना ईस्टर्न एयरलाइंस का एक विमान दक्षिण चीन में कुनमिंग से ग्वांगझू जा रहा था। बोइंग ने दक्षिण पश्चिम युन्नान प्रांत के कुनमिंग चांगशुई एयरपोर्ट से दोपहर करीब 1.15 बजे उड़ान भरी थी। यह दक्षिण चीन के गुआंगडोंग प्रांत के ग्वांगझू एयरपोर्ट पर दोपहर 3.07 पर उतरने वाला था। दुर्घटनाग्रस्त बोइंग की यात्री क्षमता 162 लोगों की है। इसमें 12 सीटें बिजनेस क्लास की और 150 सीटें इकानॉमी क्लास की हैं। विमान में 123 यात्री और चालक दल के नौ सदस्य यात्रा कर रहे थे। पहाड़ों के बीच उड़ान के दौरान विमान में अचानक आग लग गयी। जिस समय यह दुर्घटना हुई, विमान 30 हजार फुट की ऊंचाई पर 523 मील प्रति घंटे की रफ्तार से उड़ान भर रहा था। विमान की उड़ान पर नजर रखने वाली वेबसाइट के अनुसार उड़ान के दौरान डेढ़ मिनट के अंदर इस भीषण दुर्घटना ने मूर्त रूप ले लिया।

'सेना में भर्ती प्रक्रिया सिर्फ रुकी है, बंद नहीं हुई'

नई दिल्लीः भारतीय सेना में भर्ती को लेकर बवाल मचा हुआ है। संसद में भी इसे लेकर विपक्ष सरकार पर हमलावर रहा। सोमवार को राज्यसभा में एक सवाल के उत्तर में बोलते हुए रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट ने कहा कि भारतीय सेना में भर्ती मुख्य रूप से कोविड-19 महामारी के प्रसार को रोकने के लिए स्थगित की गई है। उन्होंने कहा कि भले ही कोरोनावायरस संक्रमण धीमा हो गया है, लेकिन यह अभी खत्म नहीं हुआ है। भारतीय सेना में भर्ती के लिए युवाओं की बड़ी भीड़ आती है। इस उद्देश्य के लिए बड़े भर्ती मेलों का आयोजन नहीं किया जा रहा है। अजय भट्ट ने यह भी कहा कि सरकार ने इसे रोका नहीं है। रक्षा राज्यमंत्री अजय भट्ट ने यह जवाब राजस्थान से सांसद हनुमान बेनीवाल के सवाल के लिखित जवाब में दिया। कोरोना के कारण राजस्थान सहित पूरे देश में सभी रिक्रूटमेंट और जोनल रिक्रूटमेंट जोन ऑफिस ने भर्ती रैलियों पर अगले आदेश तक रोक लगा रखी है।

केंद्रीय गृह मंत्री शाह बुधवार को जाएंगे लखनऊ

नई दिल्लीः केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बुधवार यानी 23 मार्च को लखनऊ जाएंगे, जहां 24 मार्च को उत्तर प्रदेश भारतीय जनता पार्टी विधायक दल के नेता का चुनाव किया जाएगा। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शाह को उत्तर प्रदेश का पर्यवेक्षक नियुक्त किया है।

भाजपा सूत्रों के अनुसार अमित शाह 23 मार्च को लखनऊ जाएंगे, जहां उनकी उपस्थिति में 24 मार्च को भाजपा विधायक दल का नेता चुना जाएगा। तत्पश्चात 25 मार्च को उत्तर प्रदेश के नए मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण होगा।

ईडब्ल्यूएस आरक्षण पात्रता: याचिका पर अप्रैल में सुप्रीम सुनवाई

नई दिल्लीः सुप्रीम कोर्ट ने आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों (ईडब्ल्यूएस) के आरक्षण की पात्रता निर्धारित करने के लिए आठ लाख रुपये की वार्षिक आय के मानदंड को चुनौती देनेवाली याचिका पर अप्रैल में सुनवाई करेगा। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच ने ये आदेश दिया। 7 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट ने नीट पीजी काउंसलिंग के लिए 27 फीसदी ओबीसी आरक्षण को मंजूरी दी थी। कोर्ट ने 10 फीसदी ईडब्ल्यूएस आरक्षण भी लागू रखने का आदेश दिया था। पहले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से पूछा था कि वो आर्थिक रूप से ईडब्ल्यूएस के आरक्षण की पात्रता निर्धारित करने के लिए आठ लाख रुपये की वार्षिक आय के मानदंड को अपनाने के लिए क्या कवायद की। कोर्ट ने केंद्र से पूछा था कि ओबीसी और ईडब्ल्यूएस श्रेणियों के लिए समान मानदंड कैसे अपनाया जा सकता है जब ईडब्ल्यूएस आरक्षण में कोई सामाजिक और शैक्षिक पिछड़ापन नहीं है। कोर्ट ने केंद्र सरकार से पूछा था कि आपके पास कुछ जन-सांख्यिकीय या सामाजिक-आर्थिक डाटा होना चाहिए।

रद्द किए गए कृषि कानून से 86% किसान संगठन खुश थे

ये किसान संगठन करीब 3 करोड़ किसानों का प्रतिनिधित्व कर रहे थेः सुप्रीम कोर्ट की पैनल रिपोर्ट

नई दिल्लीः केंद्र सरकार की तीन कृषि कानूनों को लेकर सुप्रीम कोर्ट की पैनल ने एक बड़ा दावा किया है। पैनल की रिपोर्ट में कहा गया है कि 86% किसान संगठन सरकार के कृषि कानून से खुश थे। ये किसान संगठन करीब 3 करोड़ किसानों का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। इसके बावजूद इन कानूनों के विरोध में कुछ किसानों के प्रदर्शन को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले साल गुरु नानक देव की जयंती 19 नवंबर को इन कानूनों को रद्द करने का ऐलान किया था।

सुप्रीम कोर्ट ने जनवरी 2021 में बनाई थी कमेटीः सुप्रीम कोर्ट ने एक याचिका पर सुनवाई करते हुए जनवरी 2021 में तीनों कृषि कानूनों की जमीनी सच्चाई जानने के लिए एक कमेटी बनाई थी। इस कमेटी में कृषि अर्थशास्त्री अशोक गुलाटी, शेतकारी संगठनों से जुड़े अनिल धनवत और प्रमोद कुमार जोशी को शामिल किया था। रिपोर्ट के मुताबिक कमेटी ने मार्च 2021 में अपनी रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में सुप्रीम कोर्ट को सौंपी थी। रिपोर्ट में सरकार को कृषि कानून से जुड़े सुझाव भी दिए गए हैं।

कमेटी की रिपोर्ट में और क्या-क्या है सुप्रीम कोर्ट की कमेटी ने अपनी रिपोर्ट में कहा है फसल खरीदी और अन्य विवाद सुलझाने के लिए एक वैकल्पिक व्यवस्था की जरूरत है। कमेटी ने सुझाव दिया कि इसके लिए किसान अदालत जैसा निकाय बनाया जा सकता है।

'महिला कामगारों को सुरक्षित माहौल देने के लिए किए कई उपाय'

नई दिल्लीः केंद्र सरकार का कहना है कि महिला कामगारों को सुरक्षित एवं निश्चिंत कार्य माहौल मुहैया कराने के लिए सरकार की ओर से लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध और प्रतितोष) अधिनियम -2013 लाया गया था। यह अधिनियम प्रत्येक नियोक्ता व संगठन को 10 से अधिक कामगार होने पर लैंगिक उत्पीड़न शिकायत प्राप्त करने हेतु आंतरिक समिति का गठन करने के लिए बाध्य करता है। लोकसभा में एक प्रश्न के उत्तर में श्रम एवं रोजगार मंत्री भूपेंद्र यादव ने बताया कि राज्य सरकार प्रत्येक जिले में स्थानीय समिति का गठन कर सकती है और सरकारी नियमों का पालन नहीं करने वाले नियोक्ताओं पर शिकायत प्राप्त कर कार्रवाई कर सकती है। उन्होंने बताया कि कोविड-19 महामारी के दौरान सरकार ने महिला उत्पीड़न जैसी समस्याओं से निपटने के लिए कई उपाय किए हैं। सरकार ने सुनिश्चित किया है कि एकल केंद्र, महिला हेल्पलाइन, उज्जवला होम्स, स्वाधार गृह, बाल देखरेख संस्थाएं, चाइल्ड लाइन (1098), आकस्मिक अनुक्रिया सहायता प्रणाली (112) इस दौरान महिलाओं को सहायता के लिए उपलब्ध रहे।

'नफरत नहीं सच उजागर करती है 'द कश्मीर फाइल्स'

नई दिल्लीः द कश्मीर फाइल्स फिल्म पर मचे घमासान के बीच ग्लोबल कश्मीरी पंडित डायसपोरा के सदस्यों ने नरसंहार की जांच के साथ-साथ दोषियों को फांसी की मांग की है। सोमवार को आईडब्लूपीसी में आयोजित प्रेसवार्ता में ग्लोबल कश्मीरी पंडित डायसपोरा के पदाधिकारियों ने कहा कि यह साल 1990 में कश्मीर में हुए कश्मीरी पंडितों के नरसंहार के 700 भुक्त भोगियों के सच्चे अनुभवों पर बनी फिल्म है । ये किसी समुदाय से नफरत नहीं बल्कि आतंकवाद किस कदर एक समुदाय को खत्म कर देता है उसकी कहानी है। इस फिल्म को हिन्दू-मुस्लिम के बीच दरार पैदा करने के मुद्दे के रूप में न देखा जाए । ग्लोबल कश्मीरी पंडित डायसपोरा की संयुक्त राज्य अमेरिका की ह्यूस्टन इकाई के प्रमुख डॉ सुरेंद्र कौल ने बताया कि 32 साल में उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री के लगभग सभी फिल्म निमार्ताओं को कश्मीरी पंडितों के नरसंहार पर फिल्म बनाने को कहा लेकिन कोई भी इस विषय को छूने तक को तैयार नहीं था । विवेक अग्निहोत्री और पल्लवी जोशी ने बहुत हिम्मत दिखायी और जो सच्चाई आज तक छुपा कर रखी गयी थी उसे दुनिया के सामने लाए। सच्चाई को पूरी दुनिया देख रही है और भारत में ये सफलता के सभी रिकॉर्ड तोड़ रही है। भारतीय इकाई के अध्यक्ष उत्पल कौल ने कहा कि द कश्मीर फाइल्स सौ फीसदी सच पर आधारित है । पांच लाख कश्मीरी पंडित देश भर में पिकनिक मनाने के लिए अपना घर छोड़ कर नहीं निकले थे। उन्होंने सोनिया गांधी और राहुल गांधी को ये फिल्म देखने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा नेहरू परिवार को भी अपने समुदाय की तकलीफ का पता चलना चाहिए।

दिल्ली में 24 घंटें साफ पानी देने और यमुना की सफाई का काम की समीक्षा बैठक

नई दिल्लीः केजरीवाल सरकार दिल्ली के हर घर को 24 घंटे नल से साफ पानी देने, सभी अनाधिकृत कालोनियों के घरों को सीवर लाइन से जोड़ने और यमुना की सफाई करने को लेकर बेहद गंभीरता से काम कर रही है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आज दिल्ली सचिवालय में दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारियों के साथ बैठक कर इन परियोजनाओं की समीक्षा की। समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इन योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट का जायजा लिया और अधिकारियों को सभी योजनाओं में तेजी लाने और समय सीमा के अंदर काम पूरा करने के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि हर घर को नल से 24 घंटे साफ पानी देना, यमुना की सफाई, अनाधिकृत कालोनियों को सीवर लाइन से कनेक्ट करना सीएम अरविंद केजरीवाल की महत्वाकांक्षी योजनाओं में शामिल है।

केजरीवाल सरकार जलापूर्ति बढ़ाने के लिए कर रही गंभीरता से कामः दिल्ली सरकार ने जलापूर्ति बढ़ाने के लिए पूरी गंभीरता के साथ काम कर रही है। दिल्ली में मौजूदा समय में करीब 986 एमजीडी पानी की आपूर्ति की जा रही है। इसे और बढ़ाने पर बल दिया जा रहा है। दिल्ली में मार्च 2021 तक करीब 920 एमजीडी पानी की आपूर्ति की जा रही थी। पिछले एक वर्ष में दिल्ली सरकार ने इसे बढ़ाकर 986 एमजीडी कर दिया है। दिल्ली सरकार ने इसे चरणबद्ध तरीके से बढ़ाने पर जोर दे रही है।

खबर संक्षेप

सामान खरीदने बाजार आए व्यक्ति को मारपीट कर लूट लिए दस हजार

मऊआइमा। सब्जी खरीदने बाजार आए व्यक्ति को मारा पीटा गया और जान से मारने की धमकी देते हुए दस हजार रुपये लूट लिया गया। पुलिस ने चार के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कर लिया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रतापगढ़ के थाना रानीगंज के ग्राम शाहपुर निवासी माशूक अहमद पुत्र मुश्ताक अहमद का आरोप है कि वह सामान खरीदने मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम तिलई बाजार आया था। तभी कतिपय लोग अनायास उसे घेर कर मारने लगे और जान से मारने की धमकी देते हुए दस हजार रुपये लूट लिए । माशूक अहमद ने मऊआइमा थाने में मऊआइमा के ग्राम जयसिंहपुर निवासी चन्दन सिंह ,ग्राम खजुरहा निवासी विशाल ,प्रदीप ,मोहम्मद जैद के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है।

जसरा में ट्रैक्टर ने बाइक सवार को सामने से मारी टक्कर, मौत

अखंड भारत संदेश

जसरा। जसरा के एक गांव में देर रात सामने से आ रहे बाइक सवार को ट्रैक्टर ने जोरदार टक्कर मार दिया। जोरदार टक्कर से युवक की मौके पर ही मौत हो गई। ट्रैक्टर चालक ट्रैक्टर छोड़कर मौके से फरार हो गया। सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं ट्रैक्टर को थाने उठा ले गये। घूरपुर थाना क्षेत्र के पचखरा गांव निवासी आशीष कुमार सोनकर 24 वर्ष पुत्र सूबेदार सोनकर रविवार की रात लगभग साढ़े दस बजे अपने किसी परिचित को तातारगंज गांव छोड़ने गया था। परिचित को छोड़ने के बाद मोटर साइकिल से वापस अपने घर पचखरा की ओर आ रहा था। जैसे ही वह पचखरा गांव के पास स्थित एक पुलिया पर पहुंचा तो जसरा से चिल्ला की ओर जा रहा तेज रफ्तार ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर बाइक सवार को सामने से टक्कर मार दिया, जिससे युवक की मौके पर

शव पहुंचने पर लोगों की भीड़ के बीच परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल तथा इन्सेट में मृतक की फाइल फोटो

ही मौत हो गई। इधर ट्रैक्टर चालक ट्रैक्टर ट्राली छोड़कर मौके से फरार हो गया। वहीं जैसे ही गांव में दुर्घटना की सूचना परिजनों को मिली, परिजन भागकर मौके पर पहुंच गए। आशीष की मौत से पूरे परिवार का रो रोकर बुरा हाल हो गया है। सूचना पर दलबल के साथ मौके पर पहुंचे थानाध्यक्ष घूरपुर धीरेंद्र सिंह शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए प्रयागराज भेज दिया। चौकीइंचार्ज गौहनिया गौरव सिंह ट्रैक्टर ट्राली को थाने उठा ले गये।मृत युवक का विवाह ढाई वर्ष पहले हनुमानगंज के काशी सरपती गांव में हुआ था। वहीं गांव में आशीष की मौत से सन्नाटा पसरा हुआ है।

पत्नी का रो रोकर बुरा हाल :

आशीष उर्फ सचिन सोनकर की पत्नी करिस्मा को जैसे ही पति के मौत की सूचना मिली वह बेहोश होकर गिर गई। आस पास की महिलाओं ने किसी तरह उसे होश में ले आयीं तो वह दहाड़े मार मारकर रोने लगी।

आशीष को है एक नन्हा सा बेटा :

युवक आशीष उर्फ सचिन का डेढ़ वर्ष का एक बेटा रुद्र है। वह मां को रोता देख वह भी रो रहा था। पड़ोस की महिलाएं रुद्र को गोदी में उठाकर चुप करा रही थीं।

आशीष चार भाइयों में था सबसे बड़ा :

आशीष उर्फ सचिन सोनकर चार भाइयों में सबसे बड़ा भाई था। तीनों भाई बड़े भाई की मौत से गमजदा रहे।

घटना स्थल पर लगी लोगों की भीड़ तथा इन्सेट में मृतक की फाइल फोटो

युवक ने लगाई फांसी, हुई मौत

पसना। कोरांव थानान्तर्गत पसना गांव के लवकुश उर्फ हनी (22 वर्ष)पुत्र प्रेमशंकर पटेल ने आज दोपहर अपने घर के निचले हिस्से में स्थित अपनी खाद की दुकान में पंखे से लटक कर अपनी जान दे दी। प्राप्त जानकारी अनुसार पसना गांव के प्रेमशंकर पटेल खाद एवं गल्ले के व्यापारी हैं, प्रेमशंकर आज सुबह दुकान पर अपने लड़के को बैठाकर किसी कार्यवश सुबह शहर चले गये थे।दोपहर 1 बजे के लगभग वे जब वापस घर आये तो देखा कि दुकान का फाटक बंद है,पीछे का दरवाजा भी बंद होने पर उन्होंने रोशनदान से देखा तो वह पंखे के सहारे लटक रहा था।उनके शोर मचाने पर पड़ोस के लोग दौड़कर आये और पीछे का दरवाजा तोड़कर उसे नीचे उतारकर कोरांव निजी अस्पताल ले गये, जहाँ पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक अविवाहित एवंअपने माँ-बाप की दो सन्तानों में इकलौता भाई था,एक बहन की शादी हो चुकी है।मृतक की माँ मिथिलेश कुमारी आशा कार्यकर्ती है।जनश्रुति के अनुसार मृतक 3 वर्ष भी पूर्व एक बार फांसी लगाकर आत्महत्या का प्रयास कर चुका था,जिसकी वजह से कई दिन अस्पताल में भर्ती रहकर जीवन की जंग जीत चुका था।

विभिन्न मांगों को लेकर जज्ज सिंह अन्ना ने किया रेल आंदोलन

अखंड भारत संदेश

जंघई। समाजसेवी जज्ज सिंह अन्ना द्वारा विभिन्न मांगों को लेकर कई वर्षों से जरौना रेलवे स्टेशन पर रेल आंदोलन चला रहे हैं। जिसमें प्लेटफॉर्म टिकट, टिकट बुकिंग घर, स्टेशन मास्टर आवास, बिजली, पानी, शौचालय आदि जिस पर रेलवे प्रशासन द्वारा सकारात्मक परिणाम सामने आने पर एकत्रित जनसमूह द्वारा अन्ना के समर्थन में जिंदाबाद के नारे लगाए गए। समाजसेवी अन्ना ने कहा कि जरौना के आस पास के रेलयात्रियों में बड़ी खुशी की लहर है। समस्त रेलयात्रियों ने समाजसेवी रेल आन्दोलनकारी जज सिंह अन्ना को बधाई दिया और रेलवे आंदोलनकारियों को बधाई दिया और तालियां बजाकर रेल मंत्रालय एवं अधिकारियों का स्वागत किया। बनारस के रेलवे

स्टेशन पर समाजसेवी जज्ज सिंह आंदोलन करते

ठेकेदार ने जरौना रेलवे स्टेशन पर विभिन्न कार्यों का ठेका लिया है।शीघ्र ही जरौना रेलवे स्टेशन पर निर्माण कार्य शुरू होगा आजादी से आज तक जंघई जंक्शन से जफराबाद जंक्शन के बीच में समस्त हाल्ट स्टेशन अपनी दुर्दशा पर आंसू बहा रहे हैं।लेकिन रेल आंदोलनकारियों की बहुप्रतीक्षित मांग पर समस्त स्टेशनों पर आधुनिकीकरण का कार्य अतिशिघ्र प्रारंभ होगा जिसमें प्लेटफार्म पर टिकट बुकिंग घर, आवास, बिजली पानी, शौचालय की सुविधा शीघ्र ही होगी और अच्छे प्लेटफार्म बनेंगे।

मोबाइल की दुकान से बदमाश मोबाइल लेकर फरार

मऊआइमा। एक बदमाश मोबाइल खरीदने के लिए दुकानदार से मोबाइल देखाने को कहा जब दुकानदार मोबाइल देखाया तो दूसरा मोबाइल देखाने को कहकर हजारों का मोबाइल लेकर बदमाश फरार हो गया। दुकानदार ने इसकी सूचना थाने में दी है। मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम सुलतानपुर खास निवासी राजीव कुमार पुत्र शंकर लाल डाकखाना के सामने राहुल मोबाइल शाप के नाम से दुकान खोले हुए है। राजीव कुमार के अनुसार एक युवक उसके पास नया मोबाइल खरीदने के लिए आया । जब वह मोबाइल देखने लगा तो दूसरा मोबाइल देखाने को कहने लगा । राजीव के अनुसार जैसे वह दूसरा मोबाइल के लिए दराज खोला इतने में तेजी के साथ 26 हजार का नया मोबाइल लेकर बदमाश फरार हो गया। राजीव ने काफी दूर तक उसका पीछा किया । परन्तु वह पैदल भागते हुए नजरों से वन विभाग में जाकर ओझल हो गया। राजीव कुमार ने इसकी सूचना मऊआइमा थाने में दी है।

खाना बनाते समय छप्पर में लगीं आग पिता-पुत्र की गृहस्थी जलकर खाक

अखंड भारत संदेश

लेडियारी। खीरी थानान्तर्गत पवाँरी ग्राम में खाना बनाते समय आग लग जान ने पिता, पुत्र का घर जलकर राख हो गया।आग से दो मवेशी एक बछिया तथा एक बछड़ा की जलने से मौत हो गई।

उक्त थानान्तर्गत पवाँरी ग्राम में दोपहर11 बजे राधेश्याम चमार की औरत खाना बना रही थी।अचानक आग चिंगारी छप्पर युक्त घर में पहुंच गई।जो बिकराल रुप धारण कर लिया और घर में रखे कपड़े, अनाज सब कुछ राधेश्याम व उसके पिता बैजनाथ पुत्र परानू का जल कर राख हो गया।घर के अन्दर बँधी बछिया, बछड़ा दो मवेशी भी जल कर मर गये।आग को बुझाने में राधेश्याम की पत्नी तथा पुत्री रोशनी भी पैर में जल गई।

आग से दो मवेशी एक बछिया व एक बछड़ा की जलने से मौत

पंवारी ग्राम में खाना बनाते छप्पर में लगी आग से गृहस्थी का सारा सामान हुआ खाक

आग लगने की सूचना पूर्व प्रधान धीरेन्द्र शुक्ल ने लेखपाल शिवानंद तिवारी तथा खीरी थाने की पुलिस को दिया।मौके पर एस आई विनोद कुमार अपने सहयोगियों व पी आर बी112 के साथ पहुंचे तथा लेखपाल के द्वारा तहसील कोराँव आगजनी की रिपोर्ट दी गई।फायर ब्रिगेड की गाड़ी आगजनी स्थल पर एक घण्टे बाद पहुंची तब तक सब जल कर राख हो गया था।

कंप्यूटर ऑपरेटर की हत्या पर शोक सभा कर दी श्रद्धांजलि

अखंड भारत संदेश

मृतक की पत्नी को आर्थिक सहायता देने को लेकर की बैठक

करछना। विकासखंड कौंधियारा में स्थित बीआरसी पीडीपर विकासखंड कौंधियारा के शिक्षकों के द्वारा स्वर्गीय मंगला प्रसाद पांडे के 16-मार्च को हत्या के विरोध में एक शोक सभा /प्रार्थना सभा एवं बैठक आयोजित की गई जिसमें विकासखंड कौंधियारा के सैकड़ों शिक्षक साथियों व शिक्षिका बहनों ने प्रतिभाग किया है जिसमें सभी ने 2 मिनट का मौन रखा तत्पश्चात स्वर्गीय मंगला प्रसाद पांडे की पत्नी को विकासखंड कौंधियारा के समस्त शिक्षकों शिक्षिकाओं बहनों अनुदेशक साथियों एवं शिक्षा मित्रों की तरफ से आर्थिक सहयोग की भी बात कही गई जिसको सभी संकुल प्रभारियों के माध्यम से संकलित कर जल्द से जल्द उनकी पत्नी जी को प्रदान किया जाएगा बैठक में मुख्य रूप से श्री उमेश चंद्र पांडे वरिष्ठ शिक्षक पूर्व बीआरसी कौंधियारा श्री चंदेल प्रदीप सिंह अध्यक्ष जूनियर शिक्षक संघ कौंधियारा श्री अनिमेष कुमार श्रीवास्तव अध्यक्ष प्राथमिक शिक्षक संघ कौंधियारा श्री हेमंत कुमार त्रिपाठी मंत्री प्राथमिक शिक्षक संघ कौंधियारा मोहम्मद फिदा हुसैन कोषाध्यक्ष कौंधियारा श्री राम मनोरथ यादव संकुल प्रभारी देवरा श्री शैलेंद्र प्रताप सिंह

शोक संवेदना वयक्त करते बीआरसी के शिक्षक

संकुल प्रभारी पीढ़ी श्री प्रभा शंकर ओझा श्री श्याम सिंह श्री बबउ विश्वकर्मा श्री राहुल सिंह श्री संजय कुमार श्री दुर्गेश मिश्रा श्री ए पी सिंह प्रधानाध्यापक श्रीमती गीता रानी श्रीमती शालिनी श्रीमती ममता कनौजिया श्रीमती रिचा मोहिनी श्री रावेंद्र भूषण शुक्ला श्री आलोक कुमार श्रीवास्तव श्री रावेंद्र सिंह जी श्री आशीष प्रताप सिंह श्री मृत्युंजय पांडे श्री रिजवान जी श्री कुंवर प्रताप सिंह श्री धर्मेंद्र सिंह श्री रमाकांत विश्वकर्मा श्री मातादीन प्रजापति श्री राज धर दुबे श्री सुरेंद्र कुमार मिश्रा श्री आद्या तिवारी श्रीमती कनक लता श्रीमती रेखा श्रीवास्तव श्री रवि कांत पांडे सहित सैकड़ों शिक्षक शिक्षिका बहने उपस्थित रही।

जेठ और जेठ के परिवारजनों ने महिला को पीटा

प्रतापपुर। क्षेत्र के एक महिला को उसके जेठ और परिवारजनों ने रास्ते के विवाद में जमकर पीट दिया।महिला ने फूलपुर कोतवाली में अपने जेठ और जेठ के परिवारजनों के खिलाफ शिकायत कर कार्यवाही की मांग की है। भोगवारा(अमिलिहा)निवासी एक महिला ने अपने जेठ और परिवाजनों के खिलाफ फूलपुर कोतवाली में एक शिकायती पत्र देते हुए कार्यवाही की माँग की है।शिकायती पत्र महिला ने बताया उसका पति गुजरात मे रहकर नौकरी करता है वह बच्चों को लेकर अकेले गाँव मे रहती है।उसके जेठ से रास्ते को लेकर विवाद चल रहा है।शनिवार की रात लगभग 10 बजे जेठ और परिवारवालो में महिला पर हमला कर दिया जिससे महिला और उसके बच्चों को काफी चोटें आयी पीड़ित महिला ने न्याय की माँग की है।

सपा विधायक विजमा यादव का नेदुला बाजार में स्वागत

अखंड भारत संदेश

प्रतापपुर। प्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र से समाजवादी पार्टी की नवनिर्वाचित विधायक विजमा यादव का नेदुला बाजार सहित विभिन्न स्थानों पर स्वागत किया गया।कार्यकताओं द्वारा गाजे बाजे एवं फूल मालाओं से जोरदार स्वागत किया गया। विधायक विजमा यादव ने उपस्थित कार्यकताओं एवं जनसमूह को सम्बोधित करते हुए कहा कि जो विश्वास प्रतापपुर कि जनता ने हमारी पार्टी और मुझ पर व्यक्त किया है इससे हमारी जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। विधानसभा का चहुंमुखी एवं सर्वांगीण विकास हेतु मै आप लोगों के विश्वास पर शत प्रतिशत खरा उतरने का प्रयास करुंगी।ये हमारी जीत नहीं हमारे पूरे प्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र की जीत है आप सभी क्षेत्रवासियों ने जो

नेदुला बाजार में नवनिर्वाचित विधायक विजमा यादव का हुआ स्वागत

विश्वास मुझ पर जताया उसी विश्वास से मै क्षेत्र के विकास के लिए हमेशा तत्पर मिलूंगी।इस अवसर पर गोलू यादव, बबलू बजती, लालचंद यादव, श्याम सूरत सरोज पूर्व जिला पंचायत सदस्य, शकील अहमद, विजय यादव, संजय यादव, सुभाषचंद्र राजेश यादव, बलराम प्रधान बजती, पारस सरपंच सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

मेजा थाने में पुलिस कर्मचारी होली मिलन समारोह मनाते

मेजा थाने में पुलिस कर्मचारियों द्वारा मनाई गई होली

अखंड भारत संदेश

मेजा रोड। मेजा थाना के कोतवाली तुषार दत्त त्यागी के नेतृत्व में सभी पुलिस कर्मचारियों द्वारा होली मनाई गई। जिसमें मेजा थाने के सभी पुलिस कर्मचारियों ने एक दूसरे को अबीर गुलाल व रंग लगाकर होली की शुभकामनाएं दी, मेजा थाना के थाना प्रभारी तुषार दत्त त्यागी ने बताया कि होली के दिन सभी पुलिस कर्मचारी मेजा में शांतिपूर्ण ढंग से होली मनाने के लिए क्षेत्र में भ्रमणसील थे। जिससे पुलिस विभाग के कर्मचारियों को होली के दिन होली मनाने का टाइम नहीं मिला क्योंकि वह त्यौहार से ज्यादा अपनी ड्यूटी को महत्व देते हैं। इसलिए आज सभी लोग मिलकर होली मना रहे हैं। जिसमें एसआई अतुल मिश्रा, एसआई इंद्रजीत यादव, एसआई संजय यादव व कांस्टेबल अरविंद चौबे के साथ महिला पुलिसकर्मी भी मौजूद रही।

मायके जा रही महिला को दबंगों ने रोककर की अश्लील हरकतें, मुकदमा दर्ज

मऊआइमा। पति के साथ कार से ययके जा रही महिला की कार रोक कर उसके साथ रंग लगाने के नाम पर अश्लील हरकतें की गई और कपडे फाड दिया गया । पति के विरोध पर उसके पति को मार पीट कर जख्मी कर दिया गया । उक्त घटना 19 मार्च की है । महिला ने बाद में तीस अज्ञातों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार फाफामऊ निवासनीय एक महिला कार से 19 मार्च को अपने पति के साथ मयके ग्राम छाता जा रही थी। महिला का आरोप है कि सुलतानपुर खास जनता इन्ट कालेज के सामने सडक पर होली खेल रहे लगभग तीस लोग उनकी कार रोक कर रंग लगाने के नाम पर उसके साथ अश्लील हरकतें की गई और कपडे फाड डाले पति के विरोध पर उसको मार पीट कर जख्मी कर दिया गया । तथा कार क्षतिग्रस्त कर दी गई। महिला उपचार के बाद थाने में तीस अज्ञातों के खिलाफ विभिन्न संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज करा दी है। पुलिस अज्ञातों की शिनाख्त के लिए महिला को लेकर मौके पर पहुंची परन्तु किसी की पहचान नहीं हो सकी। पुलिस आरोपियों की शिनाख्त के लिए लोगों को लगा रखा है।

विश्वकर्मा समाज ने धूमधाम से मनाया होली मिलन समारोह

अखंड भारत संदेश

सिरसा। प्रयागराज नैनी ग्रीन गार्डेन गेस्ट हाउस मेवालाल बगिया मिजार्पुर रोड नैनी प्रयागराज में विश्वकर्मा धर्मशाला एवं मन्दिर कल्याण ट्रस्ट संत नगर अरैल नैनी प्रयागराज के तत्वावधान में विश्वकर्मा होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया।

होली समानता एकता एवं असीम प्रसन्नता वाला प्रेम का प्रतीक पर्व हैं। इस लिए हमे सिर्फ दिखावे के बाहरी रंगों से जीवन को सराबोर नही करना चाहिए। क्योंकि होली परस्पर कटुता को प्रेम के रंगों से धो देने का पवित्र होली पर्व हैं। होली का अर्थ है कि दोस्त बनाना दुश्मन नही । जीवन के अनेक कठिनाइयों के बाजूद भी हमे भेदभाव और मानवता की भावना का त्याग नहीं करना चाहिए। विश्वकर्मा होली मिलन समारोह में मुख्य रूप से मुख्य अतिथि रामप्यारे विश्वकर्मा (अध्यक्ष) अखिल भारतीय

विश्वकर्मा समाज के लोग होली मिलन समारोह में शामिल

विश्वकर्मा महासभा टाडा अम्बेडकर नगर, विशिष्ट अतिथि देवी प्रसाद विश्वकर्मा, डॉक्टर शशिकांत शर्मा (न्यू स्टैडर्ड ऑफ स्कूल रावरेली), वेद प्रकाश शर्मा आरपीफ, रामशिरोमणि नानहक विश्वकर्मा प्रधानप्रतिनिधि, डॉक्टर विंदु विश्वकर्मा, डॉक्टर सुनील कुमार विश्वकर्मा, डॉक्टर त्रिपुणायक विश्वकर्मा सदस्य पिछड़ा वर्ग आयोग उत्तर प्रदेश, डॉक्टर आंनद कुमार विश्वकर्मा मेडिकल कालेज प्रयागराज, आर सी विश्वकर्मा (राष्ट्रीय अध्यक्ष) गिरिजा देवी विश्वकर्मा (संगठन) राष्ट्रीय न्याय मंच, शिव कुमार विश्वकर्मा बसपा प्रत्यशी गोण्डा, महेन्द विश्वकर्मा मुबई, मधुराज विश्वकर्मा, डॉक्टर ज्योति शर्मा, पूनम विश्वकर्मा,संजय विश्वकर्मा सप्लाई इस्पेक्टर, राजेश विश्वकर्मा पत्रकार, माला शर्मा, आरती शर्मा, गीता शर्मा, सुनीता विश्वकर्मा, उषा विश्वकर्मा, रामनिरंजन विश्वकर्मा जिलाध्यक्ष अखिल भारतीय विश्वकर्मा, पंडित मुकुद कुमार विश्वकर्मा, रामनरेश विश्वकर्मा, संतोष विश्वकर्मा, महेंद्र विश्वकर्मा, राजकुमार विश्वकर्मा, अमर बहादुर विश्कर्मा, मनोज कुमार विश्वकर्मा , शैल विश्वकर्मा, मुख्य रूप विनोद कुमार विश्वकर्मा (पत्रकार) मीडिया प्रभारी प्रयागराज , होली मिलन समारोह में संगीत गायक कलाकार रोमा निषाद एवं भारती सिंह और गणेश श्रीवास्तव और उनके सहयोगियों के द्वारा लोगो मे अपने मधुर गाने का जलवा बिखेर दिए। स्वागतकर्ता वेद प्रकाश शर्मा आरपीएफ ने किया और संचालन आचार्य विनोद कुमार विश्वकर्मा आये हुए लोगो को धन्यवाद दिए।

खबर संक्षेप

सभी रूट की ट्रेनों में उमड़ी भीड़, यात्री परेशान

प्रयागराज। होली पर घर आकर जमकर उड़ाया रंग-गुलाल अब वापस जाने को करनी पड़ रही जद्दोजहद। न ट्रेनों में जगह है न ही बसों में राहत मिल रही है। फ्लाइट भी फुल है। ऐसे में मुसाफिरों की मुश्किलें बढ़ती ही जा रही है। सोमवार को प्रयागराज से दिल्ली, मुंबई, पटना, जयपुर, मेरठ आदि रूट की ट्रेनों में इतनी भीड़ उमड़ी की पैर रखने की जगह भी मुश्किल से मिली। नई दिल्ली जाने वाली प्रयागराज एक्सप्रेस, मेरठ जाने वाली संगम एक्सप्रेस और जयपुर जाने वाली प्रयागराज-जयपुर एक्सप्रेस आदि ट्रेनों की तमाम श्रेणियों में नो-रूम हो गया। दिल्ली रूट की कई ट्रेनों में अगले कुछ दिन प्रतीक्षा सूची ही है। सोमवार सुबह से ही प्रयागराज जंक्शन पर यात्रियों की भीड़ नजर आने लगी। रविवार को संगम, प्रयागराज, हमसफर एक्सप्रेस, वंदे भारत, रीवा एक्सप्रेस, शिवगंगा एक्सप्रेस आदि ट्रेनें खचाखच भरी हुई गईं थीं। कई ट्रेनों में प्रतीक्षा सूची 100 से 200 तक पहुंच गई।

कलेक्ट्रेट में नामांकन के दौरान एमएलसी और एडीएम में हुई तीखी नोकझोंक

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। प्रयागराज-कौशाम्बी स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी डॉ. केपी श्रीवास्तव के नामांकन के दौरान भाजपा के एमएलसी और निर्वाचन अधिकारी/अपर जिलाधिकारी के बीच तीखी नोकझोंक हुई। बाद में डीएम के हस्तक्षेप के बाद मामला किसी तरह से शांत हो गया।भाजपा प्रत्याशी डॉ. केपी श्रीवास्तव सोमवार को नामांकन पत्र दाखिल करने के लिए कलेक्ट्रेट पहुंचे थे। उनके साथ बड़ी संख्या में भाजपा के नेता, कई विधायक, एमएलसी आदि मौजूद थे। नामांकन कक्ष में ज्यादा भीड़ देखकर निर्वाचन अधिकारी और एडीएम ने इस पर आपत्ति जाहिर की और नियमानुसार प्रस्ताव और समर्थकों के अलावा अन्य सभी को बाहर जाने के लिए कहा। इसके बाद भाजपा के एमएलसी सुरेंद्र चौधरी का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया।

एमएलसी सुरेंद्र चौधरी व एडीएम के बीच नोकझोंक को शांत कराते डीएम

डीएम ने बीच बचाव कर शांत किया मामला : निर्वाचन अधिकारी के रवैये के खिलाफ एमएलसी का गुस्सा फूट पड़ा और उनकी और एडीएम की बहस होने लगी। जिससे माहौल काफी गरम हो गया और कुछ देर के लिए नामांकन प्रक्रिया भी प्रभावित हुई। शोरगुल सुनकर बड़ी संख्या में पुलिस बल के साथ जिलाधिकारी भी मौके पर पहुंच गए। उन्होंने समझाबुझाकर किसी तरह से मामला शांत कराया।

सोरांव में मूक बधिर किशोरी के साथ दुष्कर्म, आरोपी युवक गिरफ्तार

सोरांव। थाना क्षेत्र के एक गांव में रविवार को एक युवक ने मूक-बधिर किशोरी को अपने पंपसेट पर ले जाकर दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया।आरोप है कि किशोरी मूक बधिर है। वह रविवार दोपहर करीब 4 बजे गांव के किनारे खेत में गई थी। तभी पहले से घात लगाए बैठे गांव का ही 22 वर्षीय युवक उसे अपने खेत में बने पंपसेट ले गया और दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया।दुष्कर्म की सूचना मूक बधिर पीड़िता ने परिजनों को दी। परिजनों ने युवक के परिजनों से शिकायत की तो मामला रफा-दफा करने के लिए ग्रामीणों की पंचायतें बैठी। जिसमें कुछ रुपये का लेनदेन कर मामला रफा-दफा करने की भी बात हुई थी, लेकिन पंचायत के दौरान बात न बनने पर पीड़िता के परिजनों ने देर रात को सोरांव थाने पहुंचकर आरोपी युवक के खिलाफ नामजद तहरीर दी।आरोपी युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। पुलिस ने आरोपी युवक को पकड़ने के लिए दबिश डाली, लेकिन आरोपी युवक फरार हो गया था। पुलिस उसके पिता को थाने लाई, जिसके बाद आरोपी युवक गिरफ्त में आया। प्रभारी निरीक्षक अशोक कुमार ने बताया कि पीड़िता की मां की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने सुनी फरियादियों की फरियाद

जनसुनवाई में शिकायतकर्ता की फरियाद सुनते वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय कुमार

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। जन शिकायतों का निस्तारण अतिशीघ्र करने के साथ ही क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस अधिकारी मुस्तैद रहे। किसी भी प्रकार की लापरवाही पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। यह बातें सोमवार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय कुमार ने पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई के दौरान फरियादियों की शिकायतें सुनने के बाद सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कही। उन्होंने कहा की फरियादी अपनी शिकायत निसंकोच पुलिस के पास दर्ज कराएं।जिसका प्रबल निस्तारण अतिशीघ्र पुलिस द्वारा किया जाएगा। मौके पर फरियादियों के साथ ही अन्य पुलिस के अधिकारी मौजूद रहे।

स्टेशन पर खड़े होकर ठहराव की मांग करते ग्रामीण

सोरांव में सरयू एक्सप्रेस के ठहराव की मांग

अखंड भारत संदेश

ट्रेन से 15 गांवों के लोगों को मिलेगा लाभ

प्रयागराज। प्रतापगढ़ प्रयागराज रेल मार्ग पर स्थित दयालपुर रेलवे स्टेशन पर ट्रेन के ठहराव की मांग की। तकरीबन 16 वर्ष तक बंद रहे दयालपुर स्टेशन को बीती आठ जनवरी को पुनः छह माह के लिए प्रारंभ किया गया। इस हाल्ट पर अभी एक मात्र ट्रेन संगम-अयोध्या कैंट सुबह 7.31 बजे व वापसी में रात 10.04 बजे एक मिनट के लिए रुकती है।हालांकि प्रयागराज शहर की ओर जाने वाले यात्रियों को इस ट्रेन से कोई लाभ नहीं मिल पा रहा है। जबकि प्रतिदिन 100 से अधिक लोग प्रयागराज शहर जाते हैं, लेकिन सुबह के समय में कोई भी ट्रेन यहां नहीं रुकती, जिसके कारण स्थानीय लोगों को कोई लाभ नहीं मिल पा रहा है। ग्रामीणों ने मांग की कि इस स्टेशन पर सरयू एक्सप्रेस का भी ठहराव किया जाए, जिससे सुबह 15 गांवों के उन सभी ग्रामीणों को लाभ मिल जाए जो शहर जाना चाहते हैं। इसके लिए ग्रामीणों ने सांसद व रेलवे अधिकारियों से भी गुहार लगाई। शिक्षक मो. रफीक, अमरनाथ, रवि भूषण, पुनीत सिंह, राजकुमार पटेल आदि बताते हैं कि पूर्व में सरयू एक्सप्रेस यहां रुकती थी। व्यापारी, किसान, नौकरीपेशा, छात्र, वकील समेत हर वर्ग के लोग प्रतिदिन शहर जाते हैं। लगभग आठ बजे यह ट्रेन दयालपुर हाल्ट पर आती है। यह ट्रेन पुनः रुकने लगे तो सभी आसानी से शहर जा सकेंगे।

यूपी पुलिस का लोगो लगी टीशर्ट पहनी, युवक पर मुकदमा

प्रयागराज। बहरिया का एक युवक अपने पुलिसकर्मी मित्र का टीशर्ट पहनकर एसएसपी कार्यालय पहुंच गया। पुलिस अफसर ने उसे देखा तो पूछताछ की और यूपी पुलिस लोगो का दुरुपयोग करने के आरोप में कर्नलगंज पुलिस ने युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया। कटरा चौकी इंचार्ज हरेंद्र सिंह ने बहरिया थाना क्षेत्र के रहने वाले शुभम यादव के खिलाफ आईपीसी की धारा 171 के तहत एफआईआर दर्ज कराई है। शुभम पर आरोप है कि उसने अपने किसी पुलिस वाले दोस्त की टीशर्ट पहन ली थी। उसकी टीशर्ट पर यूपी पुलिस का लोगो और यूपी पुलिस लिखा था। वह टीशर्ट पहनकर जनसुनवाई में पहुंच गया। वहां पर एसपी हाईकोर्ट सुरक्षा सुनवाई कर रहे थे। उन्होंने यूपी पुलिस लोगो लगी टीशर्ट देखकर युवक से पूछताछ की तो उसने खुद को वकील बताया। उसे कर्नलगंज पुलिस के हवाले कर दिया गया। जमानती धारा होने के कारण पुलिस ने आरोपी युवक के परिजनों को बुलाकर उसे सुपुर्द कर दिया।

फाफामऊ पुल पर भारी वाहनों का आवागमन महीने भर के लिए रहेगा प्रतिबंधित

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। चंद्रशेखर आजाद सेतु के जीर्णोद्धार के लिए नेशनल हाईवे खंड को रूट डायवर्जन की अनुमति रविवार को नहीं मिल सकी। 25 मार्च को योगी सरकार के शपथ ग्रहण की वजह से इसे टाल दिया गया है। अब 28 मार्च से फाफामऊ सेतु के ज्वाइंट एक्सपैंशन और क्षतिग्रस्त बेयरिंग को बदलने का काम शुरू होगा। इसी के साथ इस तिथि से महीने भर के लिए फाफामऊ पुल गुजरने वाले छोटे और बड़े वाहनों के यातायात को परिवर्तित कर दिया गया है।

पीडब्लयूडी के नेशनल हाइवे खंड के आग्रह पर फाफामऊ सेतु से रायबरेली-प्रयागराज मार्ग के यातायात को महीने भर के लिए अलग-अलग मार्गों पर परिवर्तित कर दिया गया है। इस अवधि में रायबरेली-प्रयागराज मार्ग पर बड़ी बसों और अन्य भारी वाहनों का आवागमन नवाबगंज बाईपास से होते हुए सहसों बाईपास-अंदाव-झूंसी शास्त्री ब्रिज से शहर की ओर होगा।इसी तरह इस मार्ग पर मध्यम और छोटे वाहन फाफामऊ बाजार मार्ग से होते हुए थरवई-गारापुर-सहसों-अंदावा-झूंसी शास्त्री ब्रिज से होकर शहर में प्रवेश करेंगे। इसी तरह तेलियरगंज चौराहा/गोविंदपुर मोड़ की तरफ से आने वाले वाहनों का डायवर्जन अप्ट्रान चौराहे से ओवरब्रिज होकर शिवकुटी होते हुए मजार चौराहे से बैंक रोड-बालसन-जीटी जवाहर चौराहे से शास्त्री ब्रिज झूंसी से अंदावा होते हुए अपने गंतव्य के लिए जाएंगे।इसके अलावा एमएनएनआईटी चौराहे पर पहुंचने वाले वाहनों का रूट डायवर्जन बीबी की मजार होते हुए बैंक रोड-बालसन चौराहा-जीटी जवाहर चौराहा से शास्त्री ब्रिज होकर झूंसी-अंदावा चौराहा से आगे बढ़ेंगे। इसी तरह सिविल लाइंस बस अड्डे से बड़ी बसें और अन्य भारी वाहन लोक सेवा आयोग चौराहा से इंडियन प्रेस बालसन चौराहा, जीटी जवाहर चौराहा-शास्त्री ब्रिज-झूंसी अंदावा चौराहा होते हुए अपने गंतव्य की ओर रवाना होंगे। अफसरों के मुताबिक इस सेतु का जीर्णोद्धार सोमवार से आरंभ होना था, लेकिन इस बीच योगी सरकार के शपथ ग्रहण में अफसरों की व्यस्तता की वजह से इसे टाल दिया गया।

फाफामऊ पुलिया के समीप हो रहा कार्य

चंद्रशेखर आजाद सेतु पर चलेंगे सिर्फ दो पहिया वाहन

मरम्मत के दौरान महीने भर चंद्रशेखर आजाद सेतु (फाफामऊ पुल) पर सिर्फ दो पहिया वाहनों का संचालन किया जाएगा। इस दौरान फाफामऊ से रसूलाबाद घाट पर बने दो पांटून पुलों से हल्के चार पहिया वाहनों का संचालन किया जाएगा।

विश्व वानिकी दिवस के अवसर पर जागरूकता हेतु गोष्ठी का आयोजन

अखंड भारत संदेश

गोष्ठी के दौरान उपस्थित लोग

प्रयागराज। विश्व वानिकी दिवस के अवसर पर समाजिक वानिकी वन प्रभाग प्रयागराज द्वारा जागरूकता हेतु गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमे मुख्य अतिथि सेनावृत प्रभागीय वन निदेशक पी एन सिंह रहे। कार्यक्रम मे मुख्य तौर पर संरक्षक एवं प्रभागीय निदेशक रमेश चंद्र , उप प्रभागीय अधिकारी संजय शर्मा उपस्थित रहे। कार्यक्रम में नेहरू युवा केंद्र प्रयागराज की जिला परियोजना अधिकारी एषा सिंह (नमामि गंगे) , भारतीय वन्य जीव संस्थान के फील्ड इंचार्ज के पी उपाध्याय मौजूद एवं वन विभाग के समस्त रेंज अधिकारी मौजूद रहे . कार्यक्रम में सेनावृत प्रभागीय वन निदेशक पी एन सिंह ने कविता के माध्यम से लोगों वन संरक्षण के लिए प्रोत्साहित किया । उन्होंने ने कहा वनों में पाए जाने वाले पेड़-पौधे ही पृथ्वी पर ऑक्सीजन की मुख्य स्त्रोत है। ऑक्सीजन की कमी मानव जीवन के लिए खतरे के बराबर है तो इस दिवस को मनाने का खास उद्देश्य लोगों को इस बात से अवगत कराना और इसके बचाव के लिए प्रयासरत होना है' संरक्षक रमेश चंद्र ने विश्व वानिकी दिवस पर चर्चा करते हुए बताया कि इस साल यानी 2022 के विश्व वन दिवस की थीम है ह्यवन और सतत उत्पादन और खपत है और वन हमें अनैतिक पर्यावरणीय, आर्थिक, सामाजिक और स्वास्थ्य लाभ प्रदान करते हैं, फिर भी वैश्विक वनों की कटाई खतरनाक दर पर जारी है. उन्होंने सभी को ना सिर्फ पौधा लगाने बल्कि उसकी देखभाल एवं रक्षा करने हेतु प्रोत्साहित किया।उप प्रभागीय अधिकारी संजय शर्मा ने वन न केवल वर्षा के पैटर्न को प्रभावित करके, शहरी क्षेत्रों को ठंडा करके और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन के एक तिहाई को अवशोषित करके हमारी जलवायु को विनियमित करने में मदद करते हैं। सभी को एक जिम्मेदार नागरिक बनते हुए समय-समय पर पर्यावरण की रक्षा करनी होगी। इसी क्रम में जिला परियोजना एषा सिंह ने बताया कि वन प्राकृतिक फिल्टर के रूप में कार्य करते हैं, स्वच्छ हवा और पानी प्रदान करते हैं, और जैविक विविधता को बढ़ावा देते हैं। केपी उपाध्याय ने नदियों और जलीय जीव संरक्षण के बारे में विस्तार से जानकारी दी और उन्हें उन्हें संरक्षित करने हेतु निवेदन किया । कार्यक्रम में गंगा पहरी चंदू निषाद अंशु ,गंगा दूत उपस्थित रहे।

20 वर्षीय युवक की ट्रेन से कटकर मौत घर पर मचा कोहराम

लेडियारी। थाना खीरी अंतर्गत ग्राम पंचायत लेडियारी के सोनू कुमार पुत्र बैजनाथ उम्र 20 वर्ष सूरत में रहकर प्राइवेट नौकरी कर रहा था बीती रात सूरत से घर के लिए आ रहा था जैसे ही ट्रेन जबलपुर पहुंची ट्रेन से नीचे गिर गए और उनकी मौके पर दर्दनाक मौत हो गई जिसकी सूचना परिजनों को प्राप्त हुई परिजन रोते बिलखते घटनास्थल पर पहुंचे वहां की इलाकाई पुलिस शव को अपने कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए परीक्षण के बाद शव को परिजनों को वहां की पुलिस सौंप दी है मृतक का शव आज दिनांक 21/ 07/2022 को शाम 7:00 बजे शव जैसे ही घर पहुंचा परिवार में कोहराम मच गया।

दौना काण्ड की पीड़ित शिवपतिया की जमीन पर आरोपियों ने किया कब्जा

अखंड भारत संदेश

खड़ी फसल को सामन्तो ने जबरन लिया काट, मना करने पर दी धमकी

कप्तान से सुरक्षा की लगाई गुहार

प्रयागराज। वर्ष 1994 में हुए दौना काण्ड से प्रदेश की राजनीति में भूचाल आ गया था। सभी राजनैतिक दलों ने इसे लेकर खूब हल्ला मचाया था। उस काण्ड में पीड़ित महिला को मिली पट्टे की जमीन पर आरोपीयो ने एक बार फिर कब्जा कर खेत में खड़ी सरसो की फसल को जबरन काट कर उठा ले गए। पीड़ित पक्ष ने जब इसका विरोध किया तो आरोपियों ने 1994 की तरह अंजाम भुगतने की धमकी देने का पीड़ित पक्ष ने सोमवार को अपर पुलिस महानिदेशक जोन प्रयागराज व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के यहाँ प्रार्थना पत्र देकर प्रार्थमिकी दर्ज कर कार्यवाही की मांग की है। गौरतलब है कि 21 जनवरी 1994 में जनपद प्रयागराज के घूरपुर थाना अंतर्गत ग्राम दौना निवासिनी अनुसूचित जाति की शिवपतिया को गांव के एक जाति विशेष के आधा दर्जन से अधिक लोगों द्वारा उसे निर्वस्त्र करके घुमाया गया था इस जघन्य अपराध की निंदा न केवल जनपद में हुई अपितु पूरे प्रदेश में शासन प्रशासन की काफी थू थू हुई थी। इस जघन्य अपराध के चलते पीड़ित परिवार को जिला प्रशासन द्वारा आराजी नम्बर 509 रकबा 0.217 हेक्ट. जमीन पट्टा किया गया था जिस पर प्रार्थीगण काबिज दाखिल होकर जोतते बोते आ रहे थे। दौना काण्ड की पीड़ित परिवार ने सोमवार को अपर पुलिस महानिदेशक जोन प्रयागराज व एसएसपी से मिलकर प्रार्थना-पत्र देकर आरोप लगाया है कि 15 मार्च को दौना काण्ड के आरोपियों ने जबरन पट्टे की जमीन पर सरसों की लहलहाती फसल को जबरन काट कर उठा ले गए मना करने पर अपमानित करते हुए फिर से काण्ड के पुनरावृत्ति की धमकी दी है। पीड़ित पक्ष अमर जीत व रामानन्द ने पुलिस प्रशासन से हस्तक्षेप कर दोषियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर कार्यवाही किये जाने का अनुरोध किया है।

घर में घुसकर पति पत्नी व रिश्तेदार पर हमला, घायल

नैनी। कोतवाली क्षेत्र के चक दाउद नगर मोहल्ले में होली की रात तीन युवकों के हमले में पति-पत्नी व उनका रिश्तेदार बहनोई घायल हो गए। इलाज के बाद पीड़ित पक्ष ने नैनी कोतवाली में आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराने को तहरीर देकर पुलिस से गुहार लगाई है। पीड़ित राम प्रताप सिंह ने तहरीर में आरोप लगाया है कि उनके मोहल्ले के ही एक परिवार के तीन लड़कों ने होली वाली रात में मोहल्ले में खुलेआम नशा आदि करने के बाद लड़कियों और महिलाओं संग अभद्र टिप्पणी कर रहे थे। इसपर उन्होंने व उनकी पत्नी सरोज सिंह ने विरोध किया। उस समय तीनों से कहासुनी भी हुई। जिसके बाद तीनों ने एक राय होकर रात में राम प्रताप सिंह के घर में धारदार हथियार लेकर हमला कर दिए और दरवाजे को तोड़ दिए। उस समय घर में होली मिलने उनके बहनोई अमरेश सिंह भी आए हुए थे। अचानक हुए हमले में तीनों घायल हो गए। शोर मचाने पर आसपास के लोग आ गए। आरोपी जान से मार देने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। घायल तीनों इलाज कराने के बाद नैनी कोतवाली पर पहुंचे और आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने के लिए तहरीर दी।

गोबर गली में पथराव और फायरिंग में दो जख्मी

प्रयागराज। होली के दिन गोबर गली में भी जमकर बवाल हुआ था। पथराव और फायरिंग में दो ही लोग जख्मी हुए। इस मामले में कोतवाली में चार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। करछना का रहने वाला भोलू केसरवानी आइसक्रीम बेचता है। वह गोबर गली में परिवार के साथ रहता है। उसने मुकदमा दर्ज कराया है कि होली के दिन शिवम, विष्णु, बच्चा यादव और गोलू सिंह उसके घर मिलने पहुंचे। सभी नशे में धुत थे। उसके दरवाजे पर बवाल करने लगे और पथराव कर दिया। पत्थर लगने से देव प्रताप सिंह का सिर फट गया। वहीं फायरिंग में बच्चा यादव के एक उंगली में चोट आ गई। कोतवाली पुलिस मुकदमा दर्ज करके जांच कर रही है ।

आग से जल रहा गौशाला

मौके पर पुलिस व ग्रामवासी

सोरांव गांव में आग से गौशाला जलकर राख

अखंड भारत संदेश

मेजा रोड। मेजा के सोरांव गांव मे आग लग जाने से गौशाला जलकर राख हो गया और उसमे से निकली चिंगारी से आग ने मकान को चपेट में ले लिया जिससे हजारों का नुकसान हो गया और गौशाला में बंधी दो भैंसें बुरी तरह जल गई।मिली जानकारी के अनुसार मेजा थाना क्षेत्र के सोरांव गांव निवासी हरिकिशन विश्वकर्मा के गौशाला में सोमवार की दोपहर अज्ञात कारणों से आग लग गई। जिससे गौशाला जलकर राख हो गया उसमें बंधी दो भैंसें बुरी तरह जल गई। वहीं आग की लपटों व उसमे से निकली चिंगारी ने मकान को भी चपेट में ले लिया। आसपास के लोगों ने किसी तरह आग पर काबू पाया। तब तक हजारों का सामान जलकर राख हो गया। सुचना पर फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंच पूरी तरह से आग पर काबू पाया। वहीं कोतवाल मेजा तुषार दत्त त्यागी, चौकी प्रभारी मेजारोड अमृत जायसवाल पुलिस टीम के साथ पंहुच गए।

एसएसपी ने चार दरोगा सहित 17 पुलिस कर्मियों को किया निलंबित

प्रयागराज। एसएसपी ने 17 पुलिस कर्मियों को एक साथ निलम्बित कर दिया। एसएसपी अजय कुमार ने बताया कि लगातार यह सूचना प्राप्त हो रही थी कि कतिपय पुलिस कर्मी 30 दिवस या उससे अधिक समय से गैर हाज़िर हो गए हैं। यही नहीं, उन्होंने पुलिस विभाग को कोई सूचना भी नहीं दी थी।अनुशासनहीनता और मनमाने रवैए के इस प्रकरण को अत्यंत गंभीरता से लिया गया है। जिससे 17 पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर उनके खिलाफ कठोरतम विभागीय कार्यवाही शुरू कर दी गई है। निलंबित 17 पुलिस कर्मियों में 03 दारोगा, 04 मुख्य आरक्षी और 10 आरक्षी शामिल हैं। एसएसपी ने आगे बताया कि अनुशासनहीनता, अपराधियों से साठ-गाँठ, जनता से अभद्रता, भ्रष्टाचार और मनमाना रवैया कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, चाहे कोई भी हो।

सिगरेट का पैसा मांगने पर दुकानदार को पीटा

प्रयागराज। सिविल लाइन थाना अंतर्गत एलगिन रोड स्थित किराएदार हिमांशु ट्रेडर्स दुकान रोहित केसरवानी चलाते हैं बदमाशों द्वारा सिगरेट पैसा ना देने पर दुकानदार वह उसके साथी लाठी-डंडों मारा पीटा वह जमकर उत्पात मचाया गया तथा त म चे से हवाई फायरिंग करते हुए फरार हो गए बदमाशों ने कार्तिकेय को बुरी तरह मारपीट कर घायल कर दिया मकान मालिक राजेश कुमार मिश्रा अधिवक्ता द्वारा आरोपी वैभव डिंपल बच्चा बॉबी आदि के खिलाफ सिविल लाइंस कोतवाली में प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराई है पुलिस आरोपियों की तलाश कर खोजबीन कर रही है।

एमएलसी चुनाव: हरिप्रताप, मधुरिमा व डा0 केएन ओझा ने भरा पर्चा

भाजपा प्रत्याशी के साथ पहुंचे मोती सिंह, शिवाकांत ओझा, सेनानी व दोनों विधायक

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। एमएलसी पद के लिये आज सोमवार को नामांकन करने वालों की भीड़ दिखाई दी। आज सोमवार को भाजपा प्रत्याशी हरिप्रताप सिंह ने चार सेटों में अपना नामांकन दाखिल किया। इसके बाद सपा प्रत्याशी विजय यादव ने फिर एक सेट में नामांकन किया। इसके बाद जनसत्ता दल की ओर से अक्षय प्रताप सिहं गोपाल की पत्नी मधुरिमा सिंह व जिला सहकारी बैंक के पूर्व अध्यक्ष डा0 केएन ओझा ने अपना-अपना नामांकन पत्र दाखिल किया।

एमएलसी पद के लिये नामांकन करती मधुरिमा व हरिप्रताप सिंह।

भाजपा कार्यालय पर आज पूर्वान्ह लगभग 11.45 बजे मंत्री मोती सिंह, पूर्व मंत्री शिवाकांत ओझा, विधायक राजेन्द्र मौर्या व जीतलाल पटेल, भाजपा जिलाध्यक्ष हरिओम मिश्रा, जिला प्रभारी नागेन्द्र सोमवंशी, वरिष्ठ नेता शिव प्रकाश मिश्र सेनानी के अलावा बड़ी संख्या में प्रधान, बीडीसी, जिला पंचायत सदस्य व सभासदगण पहुंचे थे। वहां से लगभग 12 बजे यह काफिला नामांकन स्थल के बाहर तक पहुंचा। लगभग साढे. बारह बजे भाजपा प्रत्याशी हरिप्रताप सिंह ने अपना नामांकन चार सेटों में दाखिल किया।

इसके बाद सभी नेताओं व समर्थकों के साथ बैठकर चुनाव की रणनीति बनाई। आज सबसे पहले भाजपा प्रत्याशी का नामांकन दाखिल किया। उसके बाद सपा प्रत्याशी विजय यादव ने फिर एक सेट दाखिल किया जबकि यह पहले भी नामांकन कर चुके हैं। उसके बाद जनसत्ता दल से मधुरिमा सिंह व डा0 केएन ओझा ने नामांकन किया। बता दें कि एमएलसी पद के लिये जनसत्ता दल ने अक्षय प्रताप सिह गोपाल को सबसे पहले प्रत्याशी घोषित किया था। उन्होंने अपना नामांकन भी दाखिल कर दिया है लेकिन एक मामले में उन्हें एमएलए-एमपी कोर्ट ने 22 मार्च को सजा सुनाई जा सकती है, इसके एहतियात में अक्षय प्रताप सिंह गोपाल की पत्नी मधुरिमा सिंह व डा0 केएन ओझा का नामांकन कराया गया है। वैसे अक्षय प्रताप सिंह गोपाल को अदालत ने मामले में दोषी मानते हुए सजा की सुनवाई के लिये 22 मार्च की तिथि निर्धारित की है। इसके बाद ही जनसत्ता दल का प्रत्याशी निश्चित हो पाएगा।

पीबीपीजी कालेज में पूंजी बाजार पर हुआ अतिथिव्याख्यान का आयोजन

प्राचार्य ने छात्र-छात्राओं को पूंजी बाजार की विशेषता बतलाई

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। प्रताप बहादुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय परिसर में वाणिज्य संकाय के तत्वावधान में स्नातक वाणिज्य एवं अर्थशास्त्र के विद्यार्थियों के लिये भारतीय पूंजी बाजार विषय पर दो दिवसीय अतिथिव्याख्यान का आयोजन किया गया।

पीबीपीजी कालेज में आयोजित कार्यक्रम में बोलते अतिथि।

कार्यक्रम की समन्वयक डा0 निहारिका श्रीवास्तव वाणिज्य विभाग प्रभारी एवं अर्थशास्त्र विभाग प्रवक्ता ने अभिनंदन एवं स्वागत द्वारा कार्यक्रम का संचालन किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डा0 बृजभानु सिंह ने छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित करते हुए पूंजी बाजार की विशेषता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के प्रथम दिन वक्ता विशाल पी0 हौसे, विभागाध्यक्ष एवं असि0 प्रोफे सर, अर्थशास्त्र विभाग, एमजीएसएम कला, विज्ञान तथा वाणिज्य महाविद्यालय चैपड़ा, जलगांव, महाराष्ट्र ने पूंजी बाजार पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया, जिसमें पूंजी बाजार का स्वरुप, पूंजी बाजार के स्रोत एवं पूंजी बाजार की भूमिका को स्पष्ट करते हुए भारत के आर्थिक विकास में पूंजी बाजार के त्रिआयामी योगदान के सम्बन्ध में छात्र-छात्राओं को अवगत कराया गया।

पेड़ काटने से मना करने पर मारपीट, धमकी

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। नवाबगज थाना क्षेत्र के अस्थान चैकी के लोहारन का पुरवा गाव निवासी पीड़िता लीलावती पत्नी सुंदरलाल ने नवाबगज पुलिस को दिए गए शिकायत पत्र में आरोप लगाया है कि गांव के दो लोगों ने 17 मार्च की रात मेरा हरा पेड़ जबरन काट रहे थे। मेरे मना करने पर मेरे पति सुंदर लाल का गला दबाकर जान से मारने का प्रयास किया। विरोध करने पर मुझे भी लाढ़ी डंडा से मारा पीटा और भद्दी भद्दी गाली दिया। पीड़ित परिवार दबंग से डरा व सहमा हुआ है।

सियाराम कालोनी सहित नगर में हुई व्यापक सफाई

विस्तारित क्षेत्र में नाले-नालियों का होगा निर्माण

सियाराम कालोनी में नालियों की सफाई करते सफाई कर्मचारी।

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। नगर पालिका शहर में होली के बाद आज सुबह से जगह-जगह गैंग लगाकर सफाई में जुटी थी। शहर के विस्तारित क्षेत्र सियाराम कालोनी में नालियों की विधिवत सफाई की गई। इसका निरीक्षण करने पहुंचे नगर पालिका के सफाई निरीक्षक संतोष कुमार सिंह ने बताया कि सियाराम कालोनी में कच्ची नाली होने से सफाई में थोड़ा दिक्कत है। अभी यह विस्तारित क्षेत्र है, नाले-नालियों के निर्माण होने से जल निकासी की समस्या समाप्त होगी।

उन्होंने कहा कि इसके लिये नगर पालिकाध्यक्षा प्रेमलता सिंह व अधिशाषी अधिकारी मुदित सिंह प्रयासरत हैं। इसके अलावा शहर के मुख्य मार्गों में लगी होलिका में जहां जहां होलिका की आग पूरी तरह बुझ गई थी, वहां तो सफाई करा दी गई, लेकिन अभी कुछ स्थानों पर होलिका में आग होने से उसे बाद में हटाया जाएगा। होली की छुट्टी व रविवार होने के कारण आज शहर की सफाई में ज्यादा मेहनत सफाई कर्मियों को करनी पड़ी। सफाई निरीक्षक ने कहा कि एक-दो दिन में सफाई की रोस्टरवार दिनचर्या शुरू हो जाएगी।

योगी से मिले छोटे सरकार बीजेपी के प्रचंड बहुमत पर दी बधाई

आदर्श नगर पंयायत बनाने पर जताया आभार

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। बीजेपी के प्रचंड बहुमत आने व दूसरी बार सीएम बनने जा रहे योगी से छोटे सरकार ने मुलाकात कर बधाई दी। साथ ही क्षेत्र के विकास के लिए भी सहयोग मांगा। देर शाम घर लौटने पर मुलाकात के पलों को लोगों के बीच साझा किया।

रामपुर खास विधान सभा से रहे बीजेपी प्रत्याशी नागेश प्रताप सिंह छोटे सरकार ने रविवार को मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी के लखनऊ आवास पर मुलाकात कर बीजेपी के प्रचंड बहुमत हासिल करने व दूसरी बार मुख्यमंत्री बनने की बधाई दी। भेंट के दौरान छोटे सरकार ने लालगंज टाऊन एरिया को आदर्श नगर का दर्जा देने के साथ ही विकास कार्य के लिए लगभग चार करोड़ धनराशि की स्वीकृति के लिए मुख्यमंत्री जी को आभार प्रकट किया। रामपुर खास क्षेत्र के अनावरत विकास के लिए भी सहयोग मांगा। सीएम ने भी छोटे सरकार को हर कदम सहयोग करने के लिए आश्वासन दिया। सीएम से भेंट के बाद छोटे सरकार ने बताया कि बीजेपी सरकार में सबका साथ-सबका विकास होता है। बिना भेद-भाव के विकास प्रदान करना सरकार का मुख्य उद्देश्य है।

योगी आदित्यनाथ से मुलाकात करते नागेश प्रताप सिंह छोटे सरकार।

हाथ पर लिखी नकल सामग्री पर छात्रा हुई रस्टीकेट

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। प्रो राजेंद्र सिंह (रज्जू भैय्या) विश्वविद्यालय की विषम सेमेस्टर परीक्षाएं होली के अवकाश के बाद आज पुनः जनपद के 14 परीक्षा केंद्रों पर शुरू हुईं। एमडीपीजी नोडल केंद्र पर मेहंदी से हाथ पर लिखी नकल सामग्री पकड़े जाने पर महाविद्यालय के आंतरिक सचल दल ने एमएससी की एक छात्रा को रेस्टीकेट कर दिया। महाविद्यालय के जन सूचना अधिकारी डॉ सी एन पांडे ने बताया कि एमडीपीजी नोडल केंद्र पर प्रथम पाली में 300 परीक्षार्थी पंजीकृत थे जिनमें 272 ने परीक्षा दी और 28 अनुपस्थित रहे। द्वितीय पाली की परीक्षा में 773 परीक्षार्थी पंजीकृत थे 749 परीक्षा में शामिल हुए और 24 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। प्रथम पाली की परीक्षा में कक्ष संख्या चार में एमएससी बॉटनी की छात्रा ने अपने हाथ पर मेहंदी से नकल सामग्री लिख रखी थी। कक्ष निरीक्षक ने जब हाथ खुलवाया तो अनुचित साधन सामग्री पाए जाने पर उसे रेस्टीकेट कर दिया गया।

दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार, रेल अफसरों ने किया निरीक्षण

जीआरपी और आरपीएफ अधिकारियों का लिया बयान, एडीआरएम ने रास्ते को बंद कराने का दिया निर्देश

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। स्थानीय रेलवे स्टेशन परिसर में सुलभ शौचालय में होली के दिन महिला यात्री के साथ रेप किये जाने की घटना में आरोपी शुभम उर्फ अन्ना मोदनवाल को कोतवाली पुलिस ने देर रात उसे गिरफ्तार कर लिया है। उधर घटना के बाद रेल महकमे में भूचाल आ गया है। इससे हो रही छीछालेदर से बचने के लिए रेलवे अफसरों की टीम सोमवार को स्टेशन पर धमक पड़ी। एडीआरएम बीएम यादव, वरिष्ठ सुरक्षा आयुक्त आरपीएफ अभिषेक कुमार और डीसीएम प्रतीक श्रीवास्तव की अगुआई में घटना स्थल का निरीक्षण किया गया। जो भी तथ्य सामने आये उसको देखने के बाद अधिकारी जबरन रेप की घटना को स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं। उनका दावा है कि दाल में कुछ काला है, हालांकि वे सामने कुछ भी बोलने से कतरा रहे थे।

घटना के तीन दिन बीत जाने के बाद रेलवे के अधिकारियों को होश आया। इस बारे में सूत्रों का कहना है कि स्थानीय पुलिस के जिम्मेदार लोगों ने घटना के बारे उच्चाधिकारियों को अवगत कराने की जरूरत नहीं समझी, इसलिए आना पड़ा। उनको भी ऊपर से डॉट पड़ी, तभी एडीआरएम, डीसीएम और सुरक्षा आयुक्त को ट्रेन और सड़क मार्ग से भागकर आये। इसके लिए अधिकारियों ने अधीनस्थों को फटकार भी लगाई। जीआरपी और आरपीएफ के निरीक्षको के साथ अधिकारियों ने सुलभ शौचालय का निरीक्षण किया। साइकिल स्टैंड वाले से बात की। सीसीटीवी फुटेज देखने के बाद एडीआरएम बीएम यादव ने एडीईएन निहालुद्दीन को उस रास्ते को बंद कराने का निर्देश दिया, जिस रास्ते से युवती को युवक शौचालय में ले गया था। कोतवाल ने बताया कि रेप के आरोपी शुभम मोदनवाल को गिरफ्तार कर लिया गया है। उधर युवती सकुर्लेटिंग एरिया में लगे सीसीटीवी फुटेज में दिखी है। वह रात एक बजे से तीन बजे के बीच वेटिंग हाल के आसपास दिखी है। उसे शौचालय में भी जाते देखा गया है।

रेलवे सुलभ शौचालय में विवाहिता के साथ रेप का आरोपी गिरफ्तार

जीआरपी व आरपीएफ अधिकारियों से बात करते एडीआरएम।

टाइनी बैंक संचालक से बदमाशों ने की 86 हजार की लूट

पुलिस कर रही मामले की छानबीन

अखंड भारत संदेश

परियावां/बाघराय, प्रतापगढ़। बड़ौदा यूपी ग्रामीण बैंक से धनराशि निकालकर बाइक से जाते समय भाव तिराहे के पास अज्ञात बदमाशों ने घटना को अंजाम दिया। लूट की खबर मिलते ही महकमा में हड़कम्प मच गया। घटना स्थल पर एडिशनल एसपी समेत आला अफसर पहुंचे। बाघराय थाना क्षेत्र के भाव निवासी बड़ौदा यूपी ग्रामीण बैंक के टाइनी बैंक संचालक जय प्रकाश मिश्रा सोमवार को बड़ौदा यूपी ग्रामीण बैंक बाघराय से 86 हजार रुपये निकाल कर बाइक से अपने घर भाव के लिए प्रतापगढ़-लालगोपालगंज रोड से जा रहे थे। रास्ते में भाव तिराहा के समीप प्राथमिक विद्यालय धार के पास सुनसान जगह पर पहुंचे तो उनका पीछा कर रहे अपाची सवार अज्ञात बदमाशों ने दिनदहाड़े दुस्साहस दिखाते हुए बाइक को ओवरटेक कर रुकवा लिया। बाइक के रुकते ही बैग में रखा 86 हजार नगद समेत मोबाइल व लैपटॉप कट्टा सटाकर छीन लिया। लूट में सफल होते ही बदमाश अपनी अपाची गाड़ी से फरार हो गए। बदमाशों के जाते ही टाइनी संचालक जयप्रकाश हल्ला गुहार करने लगे। जब तक मदद के लिए लोग पहुंचते तब तक बदमाश बहुत दूर निकल जा चुके थे। जानकारी पर बाघराय पुलिस घटनास्थल पर पहुंची तो पीड़ित टाइनी बैंक संचालक जयप्रकाश मिश्रा ने आप बीती बतायी प्रभारी निरीक्षक ने लूट की जानकारी उच्च अधिकारियों को दिया तो एडिशनल एसपी पश्चिमी रोहित मिश्रा भी घटनास्थल पर पहुंच कर लूट की जानकारी हासिल करते हुए बदमाशों को पकड़ने का सख्त निर्देश दिया है। पीड़ित जयप्रकाश मिश्रा ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ लूट की तहरीर बाघराय थाने में दी है। हलांकि अभी तक पुलिस का कोई सुराग नहीं लग पाया है।

डॉक्टर की लापरवाही से प्रसूता की हुई मौत

साँगीपुर के एक नर्सिंग होम में हुआ था प्रसव

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। सोमवार को डॉक्टर की लापरवाही से प्रसूता की मौत हो गई। तीन दिन पहले एक निजी अस्पताल में प्रसव हुआ था।घर आने के बाद अचानक उसकी हालत बिगड़ गई, जिसे अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही उसकी सांसे थम गई। घटना से आहत परिजनो के बीच कोहराम मच गया।

उदयु.र कोतवाली क्षेत्र के ऊछा पुर निवासी कल्लू गुप्ता की पुत्री बबली (25) को शुक्रवार की रात प्रसव पीड़ा हुई तो परिजन उसे साँगीपुर ले गए। परिजनों ने एक निजी नर्सिंग होम में भर्ती करा दिया। रात लगभग दो बजे युवती का साधारण प्रसव हुआ। युवती ने एक बच्ची को जन्म दिया। बच्ची के जन्म के बाद युवती तीसरे दिन रविवार को घर आई। सुबह होते ही प्रसूता की हालत विगडने लगी। परिजनों ने गाँव के एक डॉक्टर को बुलाकर चेकअप कराया लेकिन हालत गंभीर देख कर आगे जाने की सलाह दे दी। परिजन साँगीपुर ले जा रहे थे कि रास्ते में ही प्रसूता की सांसे थम गई।घटना से आहत परिजनों मे कोहराम मच गया।उधर परिजनों का कहना है कि डॉक्टर की लापरवाही से प्रसूता की जान चली गई। दो वर्ष पूर्व बेटी की शादी रायबरेली के जगत पुर थाना क्षेत्र के डंडईया मे अमरेश गुप्ता से हुई थी।

रंजिश में महिला को आरोपियों ने घर में घुसकर पीटा

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। पट्टी कोतवाली क्षेत्र के लखीपुर कप्सा गांव की रहने वाली लीलावती पत्नी नन्हकऊ सोमवार को कोतवाली पहुंची उसने बताया कि सोमवार की दोपहर 12 बजे उसके गांव के तीन लोग जो कि उससे रंजिश रखते हैं, उसके दरवाजे पर लाठी डंडा लेकर आ धमके और भद्दी गालियां देने लगे। पीड़ित महिला ने ऐसा करने से रोका तो आरोपियों ने महिला को जमकर मारापीटा। वह जान बचाकर घर मे भागी तो घर में घुसकर आरोपियों ने उसे मारापीटा और जान से मारने की धमकी दिया। पीड़ित महिला ने पट्टी कोतवाली में आरोपियों के खिलाफ नामजद तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

जबरन कब्जे के लिए रोका तो महिला को दौड़ाया, जान से मारने की धमकी

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। विवादित जमीन पर आरोपी द्वारा निर्माण किए जाने पर जब महिला ने विरोध किया तो आरोपी हमलावर हो गया और लाठी डंडा लेकर दौड़ा लिया। पीड़ित महिला घर में भागकर अपनी जान बचाई। और पट्टी कोतवाली पहुंचकर तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

पट्टी कोतवाली क्षेत्र के पूरे सनाथ चरैया गांव की रहने वाली बिंदु पांडे पुत्री राजमणि पांडे ने पट्टी कोतवाली में तहरीर देकर बताया कि उसके घर के समीप जमीन जिसका प्रतापगढ़ न्यायालय में मुकदमा चल रहा है और स्थगन आदेश है। उस पर गांव का एक व्यक्ति जबरन कब्जा कर रहा था उक्त महिला ने जब उसे ऐसा करने के लिए मना किया तो हमलावर हो उठा डंडा लेकर दौड़ा लिया। पीड़ित महिला किसी तरह घर में घुस कर अपनी जान बचाई और पट्टी कोतवाली में पहुंचकर आरोपी के खिलाफ नामजद तहरीर देकर कार्यवाही की मांग की है।

उधार का पैसा मांगने पर महिला को मिल रही धमकी

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। दो साल पहले एक व्यक्ति को महिला ने उधार के रूप में पैसा दिया तो पैसे मांगने पर वह जान से मारने की धमकी देता है। परेशान होकर पीड़ित महिला ने इस संबंध में पट्टी कोतवाली में तहरीर देकर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पट्टी कोतवाली क्षेत्र के डेईडीह धौरहरा गांव की रहने वाली नूरजहां पत्नी कमरुद्दीन पट्टी कोतवाली में सोमवार को पहुंचकर बताया कि अपने गांव के ही एक व्यक्ति को उसने दो साल पहले 35 हजार रुपये उधार दिया था।

आरोपी ने उधार इस शर्त पर लिया था कि वह एक गाड़ी खरीदने के लिए ले रहा है और एक माह बाद वापस कर देगा। महिला ने विश्वास करके उसे पैसा तो दे दिया लेकिन एक माह बाद नहीं बल्कि दो साल बीत गए, महिला को अभी तक एक पैसा भी नहीं मिला। बीच-बीच में जब वह पैसा मांगने जाती तो वह टालमटोल करके उसे टाल देता। अब पैसा मांगने पर पैसा तो इंकार ही कर रहा है साथ ही साथ जान से मारने की धमकी भी दे रहा है और धमकी भी देता है कि अब तुम्हारा पैसा कोई भी तुम्हें दिला नहीं सकता है। पीड़ित महिला ने इस संबंध में आरोपी के खिलाफ नामजद तहरीर देते हुए इंसाफ की गुहार लगाई है।

धारदार हथियार से गला काटकर युवक की हत्या, हत्यारोपी फरार, गांव में फैली सनसनी

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जिले के जेठवारा थाना क्षेत्र में आरा मशीन चलाने वाले की धारदार हथियार से गला काटकर युवक की हत्या कर दी गई। इससे इलाके में सनसनी फैल गई। मामला जेठवारा थाना क्षेत्र के ग्रामसभा काछा गांव का है।

जेठवारा थाना क्षेत्र के काछा गांव निवासी मनोज यादव पुत्र गंगा प्रसाद यादव आरा मशीन चलाने का काम करता था।

इस दौरान अज्ञात बदमाश ने धारदार हथियार से उसकी हत्या कर दी। हत्या की जैसे ही खबर गांव वालों को मिली तो पूरे गांव में सनसनी फैल गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल इसकी सूचना जेठवारा थाने को दी।

सूचना मिलते ही जेठवारा थाना प्रभारी मौका ए वारदात घटना स्थल पर पहुंचे। इस दौरान स्थानीय लोगों ने मृतक की शिनाख्त मनोज यादव पुत्र गंगा प्रसाद यादव निवासी काछा के रूप में की। पुलिस ने शव का पंचनामा कर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस मामले में युवक की मां ने थाने में नामजद तहरीर पुलिस को दी है। पुलिस का दावा है कि वो जल्दी हत्या के आरोपियों को गिरफ्तार कर लेगी।

हेमवती नंदन बहुगुणा पी जी कालेज ने तोड़ा रिकार्ड

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। सोमवार को हेमवती नंदन बहुगुणा पी जी कालेज लालगंज में प्राचार्य एवं उड़ाका दल की सक्रियता के चलते परीक्षा सकुशल एवं सुचिता पूर्ण सम्पन्न हुई, आज दूसरी पाली में विश्वविद्यालय उड़ाका दल भी आया और प्रत्येक कमरों में छात्रो की विधिवत तलाशी की, बताते चले विश्वविद्यालय उड़ाका दल के अथक परिश्रम पर भी एक भी रिस्टिकेशन उन्हें नही मिला, केन्द्रव्यवस्थापक --डॉ शैलेन्द्र कुमार मिश्र की सख्ती के चलते बहुत से छात्र परीक्षा छोड़ रहे हैं,उड़ाका दल के सदस्यों की सक्रियता के चलते परीक्षा शांति पूर्ण संम्पन्न हुई, आज प्रथम पाली में-349छात्रों ने परीक्षा दी,60ने परीक्षा सख्ती के चलते छोड़ दी।दूसरी पाली में-603छात्रों ने परीक्षा दी,20छात्रों ने परीक्षा छोड़ दी।उक्त सूचना जनसूचनाधिकारी डॉ फणीन्द्र नारायण मिश्र हेमवतीनंदन बहुगुणा पी जी कालेज लालगंज प्रतापगढ़ ने दी।

खबर संक्षेप

ग्रामीणों की ललकार पर कार छोड़ भागे बकरी चोर

अझुवा कौशाम्बी। सैनी कोतवाली क्षेत्र के बाकरगंज कोरियों गांव में आज रात को एक लग्जरी वाहन में से बकरियों को बकरी चोर ले कर भाग रहे थे रात लगभग 3:00 बजे बाकरगंज गांव के बैजनाथ की 2 बकरियां चोर खोलकर गाड़ी में भर रहे थे जिससे ग्रामीण जाग गए ग्रामीणों के हल्ला कर ललकारने पर चोर गाड़ी सहित भागने लगे लेकिन गाड़ी नाली में फंस गई चोर पकड़े जाने के डर से गाड़ी बकरी सहित छोड़कर फरार हो गए तब तक ग्रमीणों ने गाड़ी को तहस नहस कर दिया सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने बकरियों को ग्रामीणों को सुपुर्द कर मामले की छानबीन में जुट गई है।

युवती के प्रेमी को पीट पीटकर उतारा मौत के घाट

दो भाइयों पर प्राणघातक हमला एक की मौत दूसरा लहूलुहान, दो भाई मीरपुर गांव आकर आए दिन अवैध तमंचा से फायरिंग कर फैलाते थे दहशत

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। पिपरी थाना क्षेत्र के मीरपुर गांव में अक्रोशित ग्रामीणों ने एक युवक को लाठी - डंडों से पीटकर मौत के घाट उतार दिया है, जबकि दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया है। सूचना पाकर घटनास्थल पर पहुंची पिपरी पुलिस ने गंभीर घायल युवक को इलाज हेतु सीएचसी चायल भेजा। हालत गंभीर होने के कारण घायल युवक को प्रयागराज के एसआरएन रेफर कर दिया गया है। वहीं मृतक युवक की लाश कब्जे में लेकर लिखा - पढ़ी कर पुलिस ने पोस्टमार्टम हेतु मर्चरी हाउस भेजकर आधा दर्जन से अधिक लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। सूचना प्राप्त होते ही घटनास्थल पर एसपी कौशाम्बी हेमराज मीणा एवं क्षेत्राधिकारी चायल श्यामकांत ने घटनास्थल पर पहुंचकर मौके का मुआयना किए। घटनास्थल कौशाम्बी एवं प्रयागराज जनपद का बार्डर होने के कारण कौशाम्बी एवं प्रयागराज सहित कई थानों की पुलिस फोर्स मौजूद रही। दो समुदाय के बीच का

युवक की हत्या के बाद घटना की जांच पड़ताल करती पुलिस

मामला देखते हुए मीरपुर गांव में फिर से कोई अप्रिय घटना ना घटे इसलिए शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारी पुलिस फोर्स तैनात की गई है। जानकारी के मुताबिक पूरामुफ्ती थाना क्षेत्र के असरौली गांव निवासी दो सगे भाई जफर आलम व नूरआलम पुत्र जावेद अहमद गौकशी के मामले में विभिन्न थानों से वांछित चल रहे थे। उक्त लोगों का दिनभर घूमना और लोगों के बीच दहशत फैलाना पेशा बन गया था। इसी दौरान मीरपुर गांव की एक युवती से जफर आलम को प्रेम हो गया और उस युवती की नजर में अपने आपको हीरो साबित करने के लिए जफर आलम जब भी मीरपुर गांव में प्रवेश करता अवैध तमंचे से फायरिंग करने लगता था जिससे लोगों के बीच दहशत का माहौल बना रहता था। ग्रामीणों के मुताबिक वह जब भी मीरपुर गांव में प्रवेश करते बेवजह अवैध तमंचा से फायरिंग करते हुए गांव से बाहर निकल जाते थे जिससे ग्रामीणों के बीच काफी आक्रोश भरा हुआ था। इसके पूर्व भी कई दफा उक्त दोनों युवक मीरपुर गांव में अवैध तमंचा से फायरिंग किए लेकिन किसी ने कानूनी कार्यवाही नही की जिससे उनका मनोबल बढ़ता गया और मीरपुर गांव आकर फिर से फायरिंग करना शुरू कर दिए जिससे आक्रोशित ग्रामीण लोग टूट पड़े और लाठी - डंडों से पीटकर जफर आलम उम्र लगभग 30 वर्ष पुत्र जावेद अहमद को मौत के घाट उतार दिया जबकि नूर आलम पुत्र जावेद अहमद गंभीर घायल है जिसका इलाज प्रयागराज के एसआरएन में चल रहा है।

रिश्तेदारों ने महिला के खाते से तीन लाख चौदह हजार रुपए कराया ट्रांसफर

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। कोखराज थाना के अंतर्गत ककोड़ा ग्राम की सावित्री देवी पत्नी गिरधारी पाल के खाते से रिश्तेदारों ने तीन लाख चौदह हजार रुपए ट्रांसफर करा लिया महिला के साथ रिश्तेदारों द्वारा ठगी किए जाने के बाद महिला को ठगी का अहसास हुआ है ठगी के बाद महिला ने मामले की शिकायत स्थानीय पुलिस से की है रिश्तेदारों पर ठगी का आरोप लगाते हुए महिला सावित्री देवी ने बताया कि तीन लाख चौदह हजार रुपए निधि पांडेय ने मेरे साथ सहज जनसेवा केंद्र से झांसा देकर कई बार में निकलवा लिया है ठगी का शिकार महिला का कहना है कि सहज जन सेवा केंद्र संचालक रंजीत मौर्य की भी ठगी के मामले में सांठगांठ है बैंक खाते से रुपए निकालकर ठगी करने वाली युवती निधि पांडेय पीड़ित महिला की भांजी लगती है महिला ने कोखराज थाना में शिकायती पत्र देकर आरोपी महिला पर मुकदमा दर्ज कराए जाने और कार्यवाही की मांग की है।

अनपढ़ महिला ने खेत बेंच कर बैंक में लड़की व लड़के की शादी के लिए इकट्ठा किया था पैसा

समस्यायों को लेकर सकिपा का बुधवार को मंझनपुर में धरना प्रदर्शन

कौशाम्बी। समर्थ किसान पार्टी के तत्वावधान में आगामी 23 मार्च दिन बुधवार शहीद दिवस के अवसर पर किसानों, गरीबों की समस्यायों को लेकर डायट मैदान मंझनपुर में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया जाएगा और महामहिम राज्यपाल को संबोधित एक ज्ञापन जिला प्रशासन कौशांबी को सौंपा जाएगा। इसी के साथ शहीद दिवस के अवसर पर देश के लिए जान की कुर्बानी देने वाले देशभक्तों को श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। इस आशय की जानकारी पार्टी नेता अजय सोनी ने दी है। अजय सोनी ने पार्टी के सभी कार्यकताओं एवं जनपद के किसानों, गरीबों समेत सभी लोगों से उक्त कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है।

एसपी ने किया चरवा थाना का निरीक्षण

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। पुलिस अधीक्षक ने चरवा थाना का औचक निरीक्षण किया है निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधीनस्थों को कानून का पाठ पढ़ाते हुए घटनाओं के खुलासे में तेजी लाने अपराधियों पर कार्यवाही करने के साथ-साथ फरियादियों को तत्काल न्याय देने का निर्देश दिया है।

पुलिस अधीक्षक हेमराज मीणा ने सोमवार को थाना चरवा का औचक निरीक्षण किया साथ ही कार्यालय में रखे संबंधित अभिलेखों के रख रखाव और अपराध नियंत्रण व विवेचनाओ के शीघ्र निस्तारण हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए थाना निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने मातहतों को कानून का पाठ पढ़ाया और कहा कि पीड़ितों की समस्याओं का निस्तारण प्राथमिकता पर किया जाए उन्होंने निरीक्षण के दौरान स्पष्ट शब्दों में कहा कि पीड़ितों की

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि पीड़ितों की समस्याओं का निस्तारण प्राथमिकता पर हो, संगठित अपराध में लिप्त लोगों पर कठोर कार्यवाही करने का पुलिस अधीक्षक ने दिया निर्देश

चरवा थाने का निरीक्षण करते पुलिस अधीक्षक

समस्याओं के निस्तारण में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी अधीनस्थों को कानून का पाठ पढ़ाते हुए पुलिस अधीक्षक ने कहा कि घटनाओं के खुलासे में पुलिस कर्मी तेजी लाएं और संगठित अपराधों के धंधे में लिप्त लोगों पर कठोर कार्यवाही कर संगठित अपराध के धंधे को पूर्ण रूप से बंद कराए।

लाखों की नकदी जेवर लेकर प्रेमी के साथ भागी बालिका

कड़ा कौशांबी। कड़ा धाम कोतवाली क्षेत्र के ताज मल्लाहन गांव के मजरा भागू के पुरवा की एक बालिका 9 मार्च को लाखों का जेवर नगदी लेकर अपने प्रेमी के साथ भाग गई है मामले की सूचना बालिका के पिता ने स्थानीय थाना पुलिस को देकर बालिका को खोजने की गुहार लगाई है। जानकारी के मुताबिक गांव के सूरज बाबू पुत्र शिव मंगल निवासी भागू का पुरवा रोजी रोटी के सिलसिले में दूसरे प्रांतों में रहते हैं घर में किराने की दुकान खोल कर उनकी पत्नी और बेटी दुकान का कारोबार देखती हैं दुकान में अक्सर आने वाला एक युवक बालिका से नजदीकी बढ़ाने लगा दोनों के बीच रासलीला शुरू हो गई और दोनों ने एक होने की योजना बना ली बालिका अपने प्रेमी के साथ 9 मार्च को घर से लाखों का जेवर नगदी लेकर युवक के साथ भाग गई है जिस पर परिजनों के होश उड़ गए हैं मामले की सूचना पीड़ित परिजनों ने पुलिस को दी है।

अनियंत्रित टेंपो चालक ने बाइक सवार को मारी टक्कर

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। पश्चिम शरीरा थाना क्षेत्र में घर से बाजार जा रहे बाइक सवार एक युवक को तेज रफ्तार अनियंत्रित टेंपो चालक ने जोरदार टक्कर मार दी है हादसे में युवक को गंभीर चोटें आई हैं आनन-फानन में घायल युवक को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है चिकित्सकों ने बताया कि युवक के सिर में गंभीर चोट के साथ-साथ शरीर की कई हड्डियां टूट गई है 20 मार्च की देर रात की घटना है। घटना क्रम के मुताबिक हंस किशोर उर्फ राजू पुत्र कमल किशोर निवासी पश्चिम शरीरा अपने घर से बाइक से 20 मार्च की रात्रि 8:00 बजे लगभग बाजार की ओर जा रहे थे वह कुछ दूर आगे बढ़े की तेज रफ्तार टेंपो चालक ने बाइक सवार को टक्कर मार दिया जिससे बाइक सवार सड़क पर गिरकर तड़पने लगे आसपास के लोगों ने घटना की जानकारी

हादसे में बाइक सवार को आई गंभीर चोटें इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती

परिजनों को दी हादसे की जानकारी मिलते ही परिजन घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की सूचना पुलिस को देते हुए घायल हंस किशोर को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया है।

बालक के घायल होने के बाद लगी ग्रामीणों की भीड़

तेज रफ्तार बाइक चालक ने बालक को मारी टक्कर

कौशांबी। मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र के तेजवापुर गांव में घर के बाहर खेल रहे छोटे बालक को तेज रफ्तार बाइक चालक ने टक्कर मार दिया है जिससे बालक गंभीर घायल हो गया है घायल बालक को परिजनों ने इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है हादसा कर भाग रहे बाइक चालक को ग्रामीणों ने दूसरे वाहनों से पीछा कर मलकिया के पास से पकड़ लिया है पकड़ा गया बाइक चालक बालक के इलाज के खर्चे में आने वाली रकम को देने को तैयार है बताया जाता है कि तेजवापुर गांव निवासी नथन उम्र 7 वर्ष पुत्र विक्रम सोमवार को शाम 4:00 बजे घर के बाहर खेल रहा था इसी बीच तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से वह घायल हो गया है घायल बालक को इलाज के लिए परिजनों ने अस्पताल में भर्ती कराया है हादसे के बाद मौके पर ग्रामीणों की भीड़ लग गई है और आक्रोशित ग्रामीणों ने पीछा करके बाइक चालक को अपने कब्जे में कर लिया है ग्रामीणों की भीड़ बढ़ने के बाद बाइक चालक ने इलाज का खर्चा देने की बात कही है

कार्यकताओं के साथ विधायक ने मनाई होली

होली मिलन समारोह में विधायक का स्वागत करती क्षेत्र की जनता

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। सिराथू विधायक डॉ पल्लवी पटेल ने सिराथू के एक गेस्ट हाऊस में कार्यकताओं के साथ रंग गुलाल उड़ाकर धूमधाम से फूलों की होली मनाया। इस अवसर पर विधानसभा क्षेत्र के हजारो कार्यकर्ता होली मिलन समारोह में एक दूसरे को रंग गुलाल लगाकर रंगों का त्योहार होली मिलन समारोह धूमधाम से मनाया कार्यकताओं ने उन्हें फूल माला देकर उनका स्वागत किया। उन्होंने कार्यकताओं का आभार व्यक्त करते हुए होली मिलन समारोह को एक दूसरे के रंग गुलाल लगाकर सेलिब्रेट किया। कार्यकताओं ने भी विधायिका का धूमधाम से फूल माला पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर विधानसभा क्षेत्र के हजारों की संख्या में नागरिक मौजूद रहे हैं।

दबंग ने घर पर चढ़ गाली गलौज कर दी जान से मारने की धमकी

चायल कौशाम्बी। पिपरी थाना क्षेत्र में 19 मार्च को दबंगों ने राकेश दिवाकर के बेटे को गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी देते हुए अपमानित किया था मामले की शिकायत पीड़ित ने उसी दिन थाना पुलिस से की थी लेकिन 2 दिन बीत जाने के बाद भी जब थाना पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं की तो पीड़ित ने क्षेत्राधिकारी चायल से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है। गौरतलब है कि पिपरी थाना क्षेत्र के मखऊपुर निवासी राकेश दिवाकर पुत्र राम लखन के मुताबिक दिनाक 19 मार्च को मेरा लड़का दीपांशु होली खेलकर घर लौट रहा था तभी गांव के ही विक्रम पुत्र नोखे लाल यादव सूरज पुत्र स्वर्गीय छोटे लाल झगडू पुत्र स्वर्गीय छोटे लाल आदि लोगो ने मेरे बेटे को गाली गलौज किया वहीं मेरे लड़के द्वारा गाली का विरोध करने पर जाति सूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए गाली गलौज कर जान से मारने धमकी देते धक्का मुक्की करने लगे दबंगों ने महिलाओं एवं लड़कियों के साथ भी गाली गलौज किया जिसकी लिखित सूचना 19 मार्च को थाना पिपरी पुलिस को देते हुए न्याय की गुहार लगाई है। लेकिन 2 दिन बीत जाने के बाद थाना पुलिस मामले में रत्ती भर आगे नहीं बढ़ सकी जिस पर आज दिनांक 21 मार्च को पीड़ित ने लिखित शिकायत चायल क्षेत्राधिकारी से भी किया।

कारखास के जरिए संगठित अपराध से वसूली में मस्त हैं चौकी इंचार्ज

किसके शह से धधक रहीं है अझुवा क्षेत्र में सैकड़ों अवैध शराब भट्ठियां, प्रतिदिन सुबह सवेरे मोटरसाइकिल में भरकर सप्लाई करने और कराने वाले कौन

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। सैनी कोतवाली क्षेत्र के अझुवा चौकी क्षेत्र में संगठित अपराधों से अवैध वसूली के लिए कारखास की जिम्मेदारी लगाई गई है कारखास पूरे दिन संगठित अपराध के धंधे बाजो से वसूली कर चौकी इंचार्ज तक रकम पहुंचा रहा है कारखास बाइक से पूरे दिन अवैध शराब की सप्लाई करते देखा जाता है लेकिन फिर भी कारखास पर चौकी पुलिस मेहरबान है कनपुरिया के नाम से विख्यात यह कार खास बीते कई वर्षों से शराब के अवैध धंधे में लिप्त है लेकिन पुलिस के लंबे हाथ उसके गिरेहबान तक नहीं पहुंच सके हैं कारखास को कानून व्यवस्था का पालन करने से मुक्त कर दिया गया है आज खास के कारनामे के चलते क्षेत्र में संगठित अपराध बढ़ रहा है और संगठित अपराध के धंधेबाज अवैध धंधों में लिप्त है लेकिन कार खास पूरे दिन अवैध वसूली में मस्त दिखाई पड़ता है अझुवा क्षेत्र में सैकड़ों शराब की अवैध भट्ठी बेखौफ तरीके से संचालित होती है होली के पर्व पर अवैध शराब भट्ठी पर कार्यवाही के निर्देश के बाद भी अझुवा क्षेत्र की अवैध शराब भट्ठी पर कार्यवाही नहीं हो सकी है मुंह देखी कार्रवाई हुई है! कोई भी भारतीय त्योहार हो विशेष दिन हो

आबकारी भी है मेहरबान

कौशांबी। सैनी कोतवाली की अझुवा चौकी क्षेत्र में बीते कई वर्षों से अवैध भट्ठी संचालन और कनपुरिया के संरक्षण में अवैध धंधेबाजो पर मेहरबानी बनाए जाने के मामले में आबकारी निरीक्षक की भी भूमिका सवालों के घेरे में है यदि चौकी पुलिस कार्यवाही नहीं कर रही है तो आबकारी पुलिस की क्या जवाबदेही है आबकारी अधिकारी भी अवैध धंधे बाजो पर कार्यवाही करते नहीं दिख रहे हैं अवैध शराब की बिक्री बढ़ जाने से ठेकों की शराब की बिक्री प्रभावित होती है और सरकार को राजस्व का नुकसान उठाना पड़ रहा है इससे आबकारी अधिकारियों की मंशा पर उच्चस्तरीय जांच कराए जाने की जरूरत है।

अवैध शराब कारोबारियो के विरुद्ध दमनकारी अभियान चलाया जाता है सरकार और उच्च अधिकारियों की मंशा होती है कि कोई भी व्यक्ति अवैध कार्य न कर पाए किसी तरह की जनहानि न हो उसके लिए ही अभियान चलाया जाता है लेकिन कुछ जिम्मेदार अधिकारियों कर्मचारियों के लिए छापामार करवाई में अवैध धन उगाही का सुनहरा मौका मिल जाता है लूट खसोट कर अपनी ईमानदारी का गुणगान करवाया जाता उसी ढर्रे पर सैनी कोतवाली क्षेत्र के चर्चित पुलिस चौकी अझुवा क्षेत्र जो क्रिएटिव खबरों का जबरदस्त शौकीन है उसकी तमाम कारगुजारियां क्षेत्र में मशहूर हैं अवैध धनादोहन शगल बना हुआ है नाम न छापने की शर्त पर अवैध शराब कारोबारियों ने बताया कि साहब के छापा मारने के बहाने माहवारी बढ़ायी है हरिजन महिलाओं को सरेराह लाठियों से पीटा जाता है उन्ही पर जबरजस्ती की जाती है जो कम चढ़ावा चढ़ाते हैं महिलाओं को भी अपने आश्रय स्थल ले जाकर तरह तरह से प्रताड़ित किया जाता फिर वहीं मोलभाव कर बड़ी धनराशि वसूल कर बाइज्जत छोड़ दिया जाता है बॉर्डर चौकी क्षेत्र में हर अवैध धंधे के लिए रेट फिक्स कर दिया गया है अवैध शराब भट्टी संचालन का अलग माहवारी,वहीं अवैध भट्टी संचालन साथ मे सप्लाई का अलग रेट हरे पेड़ों की कटान में बबूल का पेड़ अलग रेट शेष अन्य हरे फलदार वृक्षों की कटान उठान पर अलग रेट,ओवर लोड वाहनों सहित टेम्पो स्टैंड में अवैध धन वसूली का रेट फिक्स कर दिया गया है अवैध वसूली के लिए चौकी इंचार्ज के खास पूरे दिन संगठित अपराध के धंधे से वसूली में मस्त रहता है।

आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तगर्त किया जाएगा आयोजन

कौशाम्बी। शासन द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तगर्त 22 एवं 23 मार्च को रंग दे बसन्ती कार्यक्रम जनपद स्तरीय आयोजन समिति के माध्यम से विभिन्न विभागों के सहयोग से कराने के निर्देश दिये गये है जिसमें शहीद स्थलों पर दीपांजलि, पुलिस बैण्ड का वादन, विद्यालयों में शहीदों की गाथा पर कहानी वाचन, निबन्ध लेखन, क्विज प्रतियोगिताओं आदि का आयोजन कला महाविद्यालयों में चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन। भूले-बिसरे शहीदों पर कहानी लेखन राष्ट्रभक्ति पर आधारित पुस्तकों की प्रदर्शनी एंव विक्रय। एनसीसी एनएसएस स्काउट गाइड, नेहरू युवा केन्द्र के सहयोग से तिरंगा रैली एवं राष्ट्रभक्तिपूर्ण कार्यक्रमों आदि का आयोजन किया जाएगा आजादी की थीम पर आधारित फिल्मों का प्रदर्शन नाट्योत्सव रंगोत्सव आजादी पर आधारित नाट्य मंचन आजादी के तरानों/गीतों पर आधारित लोक गायन-बिरहा, रागिनी आदि। आजादी नायकों की वेश-भूषा में विद्यार्थी की प्रतियोगिता। आजादी की थीम पर आधारित रंगोली प्रतियोगिता। जनपद के गुमनाम शहीदों, शहीद स्थलों, घटनाओं तथा स्वतंत्रता आन्दोलन से जुडी अन्य ऐसी कहानियों पुस्तकों का लेखन कराते हुए विमोचन भी कराया जाना है जिलाधिकारी ने समस्त खण्ड विकास अधिकारियों जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला प्रोबेशन अधिकारी एवं जिला समाज कल्याण अधिकारी को गरिमापूर्ण ढंग से कार्यक्रम कराने के निर्देश दिये है।

तोड़ो बनाओ सरकारी खजाना लूटो तक सीमित है नगर पालिका का विकास

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। जनपद मुख्यालय मंझनपुर नगर के तहसील रोड के आगे व्यापारी जनता राहगीर बीते 7 महीने से अधिक समय से परेशान हैं बस्ती के बीच पुरानी आबादी को तोड़कर अतिक्रमण हटाने का नाटक कर नगर वासियों के भवन को नगर पालिका ने जेसीबी मशीन लगाकर तोड़ दिया है सौंदर्यीकरण और चौड़ीकरण के विकास कराए जाने के आड़ में नगरपालिका का खजाना कमीशन खोरी का भेंट चढ़ चुका है एक वर्ष पहले इसी सड़क पर 80 लाख रुपए लागत से नगरपालिका ने नाला निर्माण कराया था नाला निर्माण में जमकर मानक की अनदेखी हुई थी मानक विहीन नाला बनाए जाने की शिकायत नगर वासियों ने शासन से की जिस पर शासन ने नाला निर्माण की जांच कराते हुए दोषियों को दंडित किए जाने की मांग की। पूर्व में 80 लाख रुपए लागत से बनाए गए नाला

अतिक्रमण हटाने के नाम पर सात दशक पुराने भवन को तोड़कर नगर पालिका ने कर दिया धराशाही, चौपट हुआ नगर के व्यापारियों का व्यापार सरकार की साख पर दाग लगा रहे नगर पालिका के अधिकारी

नया नाला ध्वस्त करने वालों से कब होगी रिकवरी

कौशाम्बी। मंझनपुर नगर पालिका क्षेत्र के तहसील के आगे आबादी में पूर्व में बनाए गए नाले के निर्माण में 80 लाख रुपए खर्च किए जाने के बाद किस अधिकारी के निर्देश पर नाले को तहस-नहस किया गया है यह बड़ी जांच का विषय है और नाला बनाए जाने के 10 महीने बाद नाला ध्वस्तीकरण बिना सक्षम अधिकारी के निर्देश के उसे तहस-नहस करने के मामले में अधिशासी अधिकारी नगर पालिका के कारनामों की जांच हुई तो इन पर गाज गिरना तय है।

निर्माण में भ्रष्टाचार की कलई ना खुल सके इसी उद्देश्य से नगरपालिका ने चौड़ीकरण और सौंदर्यीकरण की योजना बनाई जिससे उनके कृत्य पर पर्दा पड़ जाए 26 जुलाई 2021 को भारी पुलिस फोर्स के साथ नगर में अधिशासी अधिकारी और उनके लिपिक ने कई कर्मचारियों के साथ नगर वासियों के सात दशक पुराने घर को जेसीबी मशीन लगाकर गिरा दिया नगर के चौड़ीकरण सौंदर्यीकरण अतिक्रमण हटाओ अभियान के इस योजना में 7 महीने से अधिक समय बीत चुके हैं लेकिन विकास के नाम पर रत्ती भर नगर पालिका आगे नहीं बढ़ सका है जबकि नाली खुदाई अतिक्रमण तोड़ने के नाम पर फर्जी तरीके से बड़ा बजट नगरपालिका ने खर्च कर दिया है 7 महीने बीत जाने के बाद भी नाली निर्माण नहीं हुआ है नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी और उनके कर्मियों की अंधेर गर्दी का आलम यह है कि नालियों की खुदाई से निकले मालवा को सड़क पर फेंक दिया गया है जिससे आम जनता का आवागमन पूरी तरह से बाधित है और नगर वासियों का व्यापार चौपट हो चुका है नाली बनाने में असफल नगर पालिका ने सड़क की भी खुदाई शुरू कर दी है जिससे नगर की दुर्गति बढ़ गई है और आम जनता हाहाकार कर रही है लेकिन जनता की इस दुख भरी कहानी पाठ अधिषासी अधिकारी सत्ता सीन नेताओं उनके जनप्रतिनिधियों ने जनता के दुख दर्द पर आवाज उठाने से किनारा कर लिया है जिससे अनाथ जनता नगरपालिका मंझनपुर के भ्रष्ट प्रशासन के आतंक भरे कारनामों से बुरी तरह से परेशान हो चुकी है और जनता में आक्रोश पनपता जा रहा है नगर की जनता ने योगी सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हुए नगर पालिका में अधिशासी अधिकारी और बर्खास्त लिपिक के संरक्षण में करोड़ों के पल रहे भ्रष्टाचार के कारनामे की जांच व कार्यवाही की मांग की है।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के पात्र लाभार्थी कराये ई-केवाईसी

कौशाम्बी। उप कृषि निदेशक उदयभान सिंह गौतम ने जनपद के प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के पात्र लाभार्थी कृषकों से अनुरोध किया है कि शासन द्वारा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के भुगतान की धनराशि पीएम किसान के पोर्टल पर फीड बैंक खाते के स्थान पर न होकर आधार की फीडिंग के आधार पर होगा उन्होनें समस्त लाभार्थियों से अनुरोध किया है कि माह अप्रैल 2022 से जुलाई 2022 की आने वाली 11वीं किस्त हेतु सबसे पहले अपने नजदीकी आधार संशोधन केन्द्रो में जाकर अपने आधार को मोबाइल नंबर से जुड़वायें तथा सहज जन सेवा केन्द्र सीएससी सेन्टर में जाकर पीएम किसान योजनान्तगर्त ई-केवाईसी करायें जिन लाभार्थी कृषकों द्वारा ई-केवाईसी नहीं कराया जायेगा, उन्हें प्राप्त होने वाली 11वीं किश्त व अन्य आने वाली समस्त किश्तें भारत सरकार द्वारा रोक दिया जायेगा जिसका उत्तरदायित्व आप सबका होगा तत्काल ई-केवाईसी करायें ताकि निरन्तर पीएम किसान की किश्तें मिलती रहें। उप कृषि निदेशक ने बताया है कि ई-केवाईसी हेतु साइट पर जा कर सिलेक्ट करे इसके बाद कृषक के आधार नम्बर को भरें जो पीएम किसान के पोर्टल पर फीड है इसके बाद कैप्चा भरकर सर्च बटन को दबायें इसके पश्चात आधार पर लगे मोबाइल नंबर को भरें मोबाइल पर आने वाले ओटीपी को भरकर इसे वेरीफाई करने के बाद ई-केवाईसी सक्सेजफुली सबमिट हो जायेगी।

आधा दर्जन थानेदारों के रहमों करम पर चल रही है ढाई दर्जन अवैध डग्गामार बसें

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। संगठित अपराधों पर रोक लगाने में थाना पुलिस से लेकर पुलिस अधिकारी तक कितने लापरवाह बन गए हैं इसका जीता जागता उदाहरण कौशांबी प्रयागराज में देखा जा सकता है लेकिन पुलिस की संलिप्तता होने के बाद भी प्रत्येक थाना चौकी पुलिस इमानदारी की दुहाई दे रहा है और आला अधिकारी थाना पुलिस चौकी के जिम्मेदारों की ईमानदारी की वाहवाही लूट रहे हैं पुलिस अधिकारियों का कहना है कि उनके जिले में संगठित अपराध नहीं हो रहा है जबकि यह सरासर झूठ है। कौशांबी जिले में संगठित अपराध के तमाम कारनामों में अवैध बसों के संचालन की चर्चा की जाए तो जिले के प्रत्येक सड़कों पर अवैध बसे बेखौफ तरीके से पूरे दिन दौड़ रही है अवैध बसों के संचालन में प्रत्येक थाना और पुलिस चौकी से कार खास सिपाहियों की ड्यूटी वसूली के

कौशांबी से लेकर इलाहाबाद तक के पुलिस थाना चौकियों में अवैध बस संचालकों के सेटिंग के चलते पुलिस बनी अनजान

शासन से लेकर डीजीपी तक देते हैं संगठित अपराध पर रोक लगाए जाने का निर्देश लेकिन पुलिस अधिकारी बने मूकदर्शक

लिए लगाई गई है सब कुछ खुलेआम हो रहा है लेकिन फिर भी अधिकारी मूकदर्शक बने हैं जिससे आम जनता तरह-तरह की चचाएँ करने को मजबूर हैं। गौरतलब है कि जनपद मुख्यालय मंझनपुर से प्रयागराज के लिए 30 अवैध बसें प्रतिदिन सुबह 6:00 बजे से देर रात तक सड़कों पर दौड़ती हैं मंझनपुर कोतवाली कादीपुर सिंधिया भरवारी मूरतगंज पुलिस चौकी चरवा पुरामुफ्ती थाना महगाव बम्हरौली पुलिस चौकी धूमनगंज कैंट खुल्दाबाद थाना पानी टंकी पुलिस यातायात पुलिस कौशांबी यातायात पुलिस प्रयागराज एआरटीओ कौशांबी केआरटीओ प्रयागराज सभी की ड्यूटी अवैध बसों को रोकने के लिए शासन ने लगाई है लेकिन उसके बाद भी इतनी बड़ी पुलिस फौज को पूरे दिन सड़कों पर दौड़ने वाली 30 अवैध बसे दिखाई नहीं पड़ती हैं सूत्रों की माने तो कौशांबी से लेकर इलाहाबाद तक 30 अवैध बसों के संचालन में 15 लाख रुपए महीने की आय से सभी थाना पुलिस चौकियों में हिस्सा बटवारा होता है बस मालिकों की बातों को भरोसा करें तो एक बस के संचालन में कौशांबी से लेकर इलाहाबाद तक 50 हजार रुपए प्रत्येक महीना पुलिस तक पहुंचाया जाता है अब सवाल उठता है कि बेखौफ तरीके से बिना परमिट के 30 बसें सड़कों पर प्रतिदिन दौड़ रही हैं लेकिन पुलिस संगठित अपराध को रोकने के मामले में निरंकुश साबित हो रही है।

संपादकीय

द कश्मीर फाइल्सः सुलगते मुद्दे से अवगत कराया

कश्मीरी पंडितों पर ढाये गए जुल्म-ओ-सितम पर केंद्रित फिल्म "द कश्मीर फाइल्स" चर्चा में है। इसे दर्शकों का बेपनाह प्यार मिल रहा है। सिनेमा हॉल की सीट पर बैठे-बैठे ही लोगों की आंखों से आंसू टपक रहे हैं। यह सच है कि द कश्मीर फाइल्स ने कश्मीर के हिन्दुओं के साथ हुए भयावह अत्याचार और पलायन के बेहद सुलगते मुद्दे को मौजूदा पीढ़ियों को अवगत कराया है। यही नहीं इस फिल्म ने जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को पालने-पोसने वाले पाकिस्तान का चेहरा दुनिया के सामने बेनकाब किया है। साथ ही जम्मू-कश्मीर में भारत के टुकड़ों पर पलने वाले अलगाववादियों और चंद सत्तालोलुप राजनेताओं की पोल खोल दी है। यह सच किसी से छिपा नहीं है कि कुछ गद्दार अन्न-नमक खाते भारत का हैं पर गुणगान पाकिस्तान का करते हैं। द कश्मीर फाइल्स इसकी गहरी पड़ताल करती है। इस सबके बावजूद द कश्मीर फाइल्स पर कुछ लोग सारे देश में हाय-तौबा कर इसे प्रतिबंधित करने की मांग कर रहे हैं। ऐसे लोगों से सवाल पूछा जाना चाहिए कि एक फिल्म से आखिरकार इतना भय क्यों है? आखिरकार 32 वर्ष पहले जम्मू-कश्मीर में हिन्दुओं के पलायन का सत्य सामने आने से कुछ लोगों और कुछ राजनेताओं में इतना भय क्यों है? 170 मिनट की द कश्मीर फाइल्स ने यह सवाल खड़ा किया है कि इतना लंबा समय बीतने के बावजूद इन लोगों को आजतक न्याय क्यों नहीं मिला। बड़ा सवाल यह भी है कि लाखों हिन्दुओं के गुनहगार और खुलेआम दुनिया की जन्नत को कलंकित करने वाले सरकारी सुरक्षा और सुविधाओं के संरक्षण में क्यों हैं। इस फिल्म पर राजनीतिक बहस भी शुरू हो गई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द कश्मीर फाइल्स के रूप में सत्य के संधान के लिए इसकी पूरी टीम की प्रशंसा कर चुके हैं। चंद लोग इस पर मीन मेख निकाल रहे हैं। इस वक्त सोचने वाली बात यह है कि जम्मू-कश्मीर में हिंदुओं के नृशंस नरसंहार और रूह कंपाने वाले अत्याचार के काले अध्याय को अब तक क्यों छिपाया गया। किसके दवाब में लाखों कश्मीरी हिंदुओं के गुनहगारों को आजतक क्यों सजा नहीं दी गई। पलायन का दंश झेल रहे कश्मीरी हिंदुओं को अब उम्मीद जगी है कि उन्हें इंसाफ मिलेगा। धर्म के नाम राजनीतिक रोटियां सेंकने वालों की दुकानें बंद होंगी। इस सच से कोई मुंह नहीं मोड़ सकता कि कश्मीर से पलायन कर चुके हिंदुओं के मकान-दुकान, फैक्टरी-खेत बाग-बगीचों पर धर्म विशेष के चंद लोग बेखौफ होकर काबिज हैं। हमारा सिस्टम अब तक मूकदर्शक बना रहा। 2014 में सत्ता में आई राष्ट्रवादी सरकार ने इस दिशा में प्रयास शुरू किए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की दृढ़ इच्छाशक्ति से अनुच्छेद 370 को हटाकर संदेश दिया जा चुका है कि जम्मू-कश्मीर में अमन वापस लाया जाएगा। इस समय लोग सवाल कर रहे हैं कि आखिर जम्मू-कश्मीर के विस्थापित हिन्दुओं की कब्जाई गई संपत्ति कब मुक्त कराई जाएगी। अब वक्त आ गया है कि भारत विरोधी अलगाववादी नेताओं के दिमाग में भरे जहर को 'मारा' जाए। ऐसा करना देश और समाज हित में बेहद आवश्यक है। खुलेआम घूम रहे आतंकियों और उनके समर्थक आकाओं को जेलों में ठूंसना भी जरूरी है। यह देश में न्याय के राज को स्थापित करने के लिए बेहद जरूरी है।

'द कश्मीर फाइल्स': कश्मीरी पंडितों की दर्द आवाज है

डॉ उमेश प्रताप

पिछले काफी समय से 1990 की घटना को अंजाम देने वाला बिट्टा कराटे यानी फारूक अहमद डार ने तीन दशक पहले कश्मीर घाटी में आतंक फैलाने में अहम भूमिका निभाई सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, जेकेएलएफ का एरिया कमांडर रहते हुए उसकी सरपरस?ती में आतंकवादियों ने हिंदुओं को निशाना बनाना शुरू किया। अपने दोस?त सतीश कुमार टिक्कू की हत्या से बिट्टा ने शुरूआत की और फिर एक-एक कर-के कई कश्मीरी पंडितों को मौत के घाट उतारता चला गया। एक इंटरव्यू के दौरान बिट्टा ने कैमरे पर कबूला भी था कि उसने '20 से ज्यादा कश्मीरी हिंदुओं को मारा' है। 1990 में उसे सुरक्षा बलों ने गिरफ्तार कर लिया और फिर उसके अगले 16 साल जेल में गुजरे

बत्तीस वर्ष बाद किसी भारतीय ने अपने सच बोलने की हिम्मत को पर्दे पर दिखाने का साहस किया है। अनेक लोगों ने पहले भी यह हिम्मत जुटानी चाही होगी। किंतु वक्त की धूल ने उनके जज्बों को धूल धूसरित कर दिया होगा। किंतु बत्तीस वर्षों की जमी धूल को हटाते हुए अनुपम खेर एवं विवेक अग्निहोत्री ने जो मात्र ढाई घंटे की पटकथा में पर्दे पर दिखाने का सफल प्रयास किया है उसकी खुले मन से प्रशंसा होनी ही चाहिए। हैवानियत की पटकथा तो 1987 में ही लिख दी गई थी फिर लगातार हिंदू घरों पर विशेष रूप से पंडितों के परिवारों पर घात लगाकर हमले होते रहे। दहशत फैलाने के लिए पहले तो उनके घरों को बम लगाकर उड़ाया गया। फिर लड़कियों से और बाद में महिलाओं के साथ सामूहिक बलात्कार हुये। युवाओं को घेर-घेरकर कर पीटा जाने लगा। जब धीरे-धीरे डर का माहौल बनता गया तो पंडितों के व्यवसाय स्थलों पर दहशतगर्दों का कब्जा होने लगा और जब मस्जिदों से भी लाउडस्पीकर के माध्यम से अजान से ज्यादा अनाउसमेंट होने लगी कि कश्मीरी पंडित काफि र हैं और पुरुषों को या तो कश्मीर छोड़ना होगा, इस्लाम में परिवर्तित होना होगा या उन्हें मार दिया जाएगा। तब शुरू हुआ सबसे घिनौना कार्य और वह था वर्षों से परस्पर प्रेम से रहते आये मुस्लिम पड़ोसियों के मन में प्रोपर्टीज का लालच। वे पंडितों के आलीशान बने घरों पर मालिकाना हक जमाने का सपना देखने लगे और सदियों के मेल-जोल को भूलकर लोभी दरिंदे बन गये तभी दहशतगर्दों के मुखबिर बनकर पंडितों के आशियाने, इज्जत-आबरू को लूटते चले जाने के गुनाहगार बनते गये। 'द कश्मीर फाइल्स' के ढाई घंटे में वर्षों के जुर्म-अत्याचारों को समेटना तो संभव नहीं था किंतु विशेष रूप से 19 जनवरी 1990 की घटनाओं को प्रदर्शित करने का प्रयास किया गया है जो कि बहुत ही डरावनी थीं। उस दिन, मस्जिदों ने घोषणाएँ कीं कि कश्मीरी पंडित काफि र हैं और पुरुषों को या तो कश्मीर छोड़ना होगा या इस्लाम में परिवर्तित होना होगा या फिर उन्हें मार दिया जाएगा। जिन लोगों ने इनमें से पहले विकल्प को चुना, उन्हें कहा गया कि वे अपनी महिलाओं को पीछे हमारे लिए छोड़ जाएँ। पंडितों के घरों पर अनाउंसमेंट के पर्चे चस्पा किये

गये। फिल्म में बहुत ही बखूबी से दिखाया कि पाक फंडिग से जन्में अलगाववादियों के पीछे सरकार पूरे समर्थन से खड़ी थी। 19 जनवरी को इस अमानवीय फरमान एवं जुल्मों के कारण जब लाखों लोग कश्मीर छोड़कर जंगलों के रास्ते भाग-दौड़कर शरणार्थी शिविरों की शरण में आये तब जाकर केन्द्र ने जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल जनरल केवी कृष्णा राव को बदलकर नये राज्यपाल के रूप में जगमोहन मल्होत्रा को कश्मीर भेजा गया। जिसके विरोध में फारुख अब्दुल्ला ने इस्तीफा दे दिया। क्या मुख्य घटना वाले दिन अंतिम समय में फारुख अब्दुल्ला इस्तीफा देकर खून से सने अपने दामन को पाक बताने की कुचेष्टा कर सकते हैं या इसी दिन नया राज्यपाल जिसे विरोध के कारण 21 जनवरी को कार्यभार संभालने का अवसर मिला, इस घटना का उत्तरदायी हो सकता है। वास्तव में सरकार व अलगाववादियों का गठजोड़ उजागर करती है 1990 की यह घटना। तथ्यों को तरोड़-मरोड़ कर प्रस्तुत करने से ना किसी का दागदार दामन साफ हो सकता है और ना ही फिल्म पर प्रतिबंध स्वीकार किया जा सकता है। देश को आगे बढ़कर अपनी गलती स्वीकार करते हुए खुले मन से फिल्म टीम की प्रशंसा करनी चाहिए।

पिछले काफी समय से 1990 की घटना को अंजाम देने वाला बिट्टा कराटे यानी फारूक अहमद डार ने तीन दशक पहले कश्मीर घाटी में आतंक फैलाने में अहम भूमिका निभाई सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, जेकेएलएफ का एरिया कमांडर रहते हुए उसकी सरपरस?ती में आतंकवादियों ने हिंदुओं को निशाना बनाना शुरू किया। अपने दोस?त सतीश कुमार टिक्कू की हत्या से बिट्टा ने शुरूआत की और फिर एक-एक करके कई कश्मीरी पंडितों को मौत के घाट उतारता चला गया। एक इंटरव्यू के दौरान बिट्टा ने कैमरे पर कबूला भी था कि उसने '20 से ज्यादा कश्मीरी हिंदुओं को मारा' है। 1990 में उसे सुरक्षा बलों ने गिरफ्तार कर लिया और फिर उसके अगले 16 साल जेल में गुजरे। 2006 में उसे पर्याप्त सबूतों के अभाव में अदालत से जमानत मिली। रिहाई पर बिट्टा का जोरदार स्वागत किया। फिर उसने राजनीति का रुख किया। वह पाकिस्तान से आतंकवादियों की फंडिंग का इंतजाम करने लगा। इसी वजह से नैशनल इनवेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) ने उसपर शिकंजा कसा है। हिमालय की श्रृंखला में स्वर्ग सी सुंदर घाटी ढूंढकर ही ऋषि कश्यप ने तपस्या और अनुसंधान के उद्देश्य से इस स्थान का चयन किया था। कालांतर में इस अध्यात्मिकता की कार्यशाला में संस्कारित ऋषि-मुनियों के अनुयायियों ने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि दूर देशों से लुटेरे दुलचा मंगोल, रिंचन बौद्ध जो कश्मीर के सेनापति रामचंद्र का सहयोग लेकर राजा सहदेव को अपदस्थ कर तथा सेनापति रामचंद्र की भी हत्या कर उसकी लड़की कोटा से विवाह कर शासक बन बैठेगा और अत्याचार करेगा। वह इन दुर्गम पर्वतों के बीच शांत घाटी में इस कद्र कोहराम मचाता है कि यहां की जीवन शैली नष्ट-भ्रष्ट होती चली जाती है। यही रिंचन मुस्लिम गुरु बुलबुल शाह के हाथों इस्लाम धर्म ग्रहण कर कश्मीर का पहला मुस्लिम शासक बना और सुलतान सदर-अल-दीन के नाम से जाना गया । कश्मीर की पहली मस्जिद बोदरो मस्जिद भी उसी ने बनवाई थी। शाहमीर राजवंश के सातवें सुल्तान सिकंदर बुतशिकन तक लगातार कश्मीर में मुस्लिम जनसंख्या भी बढ़ती रही तथा अत्याचार भी दिन प्रतिदिन बढ़ते रहे। इसी खूनी परंपरा में पाकिस्तान के एजेंडे पर बिट्टा कराटे ने निहत्थे, बेचारे निरिह लोगों पर जुल्म की सारी हदें पार कर दी। 1990 में औरंगजेबियत से भी भयानक अत्याचार हुआ था कश्मीर घाटी में। फिल्म में दिखाया गया कि प्रताड़ित परिवार के बचे एक मात्र बच्चें का दिल्ली के कॉलेज में कितने शातिराना ढंग से ब्रेन वाश किया जाता है और वह सारे घटनाक्रम को फर्जी मानने लगता है किंतु जब वह उच्चाधिकारी की तत्कालीन घटनाक्रम पर बनी फाइल को देखकर घटना की तह तक जाता है तब वह कॉलेज में सार्वजनिक रूप से अर्बन नक्सलियों के षड्यंत्र का पदार्फाश करता हुआ दिखाई देता है। यह सीन वास्तव में आज के संदर्भ में दिखाया गया है कि किस प्रकार कम्युनिस्टों के ग्रुप होनहार विद्यार्थियों को आकंडों व झूठे इतिहास का मुखड़ा दिखाकर प्रभावित करते हैं। उनका ब्रेन वॉश कर देश के विरुध्द ही खड़ा करने का कुचक्र चलाते हैं। अब तक 'द कश्मीर फाइल्स' भारत में 141 करोड़ का कारोबार कर चुकी है। पहले हफ्ते में फिल्म सिर्फ 630 थिएटर में लगी थी लेकिन अब करीब 4000 स्क्रीन पर दिखाई जा रही है।

फिल्म तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ में भी डब की जा रही है। समीक्षकों के मुताबिक फिल्म 200 करोड़ का आंकड़ा बहुत जल्द छू सकती है। आश्चर्य इस बात का है कि हर बार की तरह इस बार भी जन्म से हिंदू लोग ही इसका विरोध कर रहे हैं जो ना राष्ट्र को ना धर्म को और ना कश्मीर पंडितों की दशकों की पीड़ा को भाव देते। वास्तव में इन धर्मनिरपेक्ष लोगों का कोई धर्म है ही नहीं। ना ही दया का धर्म, ना राष्ट्रधर्म, ना मानवता धर्म, ये सब पक्के धर्मनिरपेक्ष है जो यदाकदा राष्ट्र, धर्म-संस्कृति के विरुद्ध ही लामबंद होते दिखाई देते हैं।

भूजल प्रदूषण की समस्या

सत्यवान 'सौरभ'

भूजल प्रदूषित तब होता है जब मानव निर्मित उत्पाद जैसे गैसोलीन, तेल, सड़क लवण और रसायन भूजल में मिल जाते हैं और इसे मानव उपयोग के लिए असुरक्षित और अनुपयुक्त बना देते हैं। भूमि की सतह से प्रदूषित सामग्री मिट्टी के माध्यम से आगे बढ़ सकती है और भूजल में घुल सकती है। . उदाहरण के लिए, कीटनाशक और उर्वरक समय के साथ भूजल आपूर्ति में अपना रास्ता बना लेते हैं जैसा कि भारत के कई कृषि प्रधान राज्यों में देखा गया है। डीडीटी, बीएचसी, काबार्मेट, एंडोसल्फान आदि भारत में उपयोग किए जाने वाले सबसे आम कीटनाशक हैं। लेकिन, कीटनाशक और उर्वरक प्रदूषण के लिए भूजल की भेद्यता मिट्टी की बनावट, उर्वरक और कीटनाशक के उपयोग के पैटर्न, उनके क्षरण उत्पादों और मिट्टी में कुल कार्बनिक पदार्थों द्वारा नियंत्रित होती है। जल संसाधन मंत्रालय द्वारा किए गए एक हालिया अध्ययन के विश्लेषण से पता चलता है कि भूमिगत जल के प्रदूषण के मामले में हरियाणा शीर्ष पर है, पंजाब में नाइट्रेट, कैडमियम और क्रोमियम की मात्रा सबसे अधिक है। सिंचाई के उद्देश्य से भूजल के अंधाधुंध दोहन से पंजाब, हरियाणा के कुछ हिस्सों में लवणता की समस्या पैदा हो गई है। भूजल स्तर में गिरावट से यूरेनियम संदूषण बढ़ गया है। भूजल तालिका में गिरावट ऑक्सीकरण की स्थिति को प्रेरित करती है। नतीजतन, उथले भूजल में यूरेनियम संवर्धन बढ़ जाता है। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट द्वारा गुजरात, आंध्र प्रदेश और हरियाणा में आठ स्थानों से किए गए एक हालिया सर्वेक्षण में सीसा, कैडमियम, जस्ता और पारा जैसी भारी धातुओं के निशान मिले हैं। लुधियाना शहर में इसके पीने के पानी का एकमात्र स्रोत उथला जलभृत प्रदूषित है जो 1300 उद्योगों से अपशिष्ट प्राप्त करता है। पश्चिम बंगाल के दो करोड़ लोगों के लिए आर्सेनिक संदूषण दुनिया में अब तक का सबसे बड़ा सामूहिक विषाक्तता का मामला है। भूजल प्रदूषण के सार्वजनिक स्वास्थ्य परिणामों का कोई अनुमान नहीं है क्योंकि इसमें पद्धतिगत जटिलताएं और रसद संबंधी समस्याएं शामिल हैं। कीटनाशक जहरीले या कैंसरकारी होते हैं। आमतौर पर, कीटनाशक लीवर और तंत्रिका तंत्र को नुकसान पहुंचाते हैं। लीवर में ट्यूमर बनने का मुख्य कारण है। प्रदूषण या गुणवत्ता में गिरावट के कारण पानी की उपलब्धता में कमी हो सकती है। अतिदोहन के कारण होने वाली कमी की तुलना में इस कमी की भरपाई होना कहीं ज्यादा मुश्किल है। कृषि व अन्य क्षेत्रों के अकेन्द्रित प्रदूषण स्रोत एवं केन्द्रित प्रदूषण स्रोत मिलकर एक प्रमुख जल प्रबंधन चुनौती प्रस्तुत करते हैं। हालाँकि गुणवत्ता की सभी समस्याएँ मानव जन्य नहीं हैं।

इसका सबसे अच्छा उदाहरण बांग्लादेश एवं पश्चिम बंगाल में भूजल से पैदा होने वाली व्यापक आर्सेनिक विषाक्तता है। गंगा-मेघना- ब्रह्मपुत्र नदी तंत्र के जलोढ़ डेल्टाई अवसाद से प्राप्त भूजल में आर्सेनिक प्राकृतिक रूप से पाया जाता है। इस क्षेत्र का तकरीबन 75000 वर्ग कि.मी. भूभाग उच्च आर्सेनिक सान्द्रता वाले भूजल से प्रभावित माना जाता है। भूजल से संबंद्ध उभरती व्यापक समस्याओं के बावजूद यह अभी भी निश्चित नहीं है कि भूजल उत्खनन और प्रदूषण की समस्या कितनी विस्तृत है। ऐसे ब्लॉकों की संख्या से सम्बंधित सरकारी आंकड़े गुमराह करने वाले हो सकते हैं जहाँ पानी का दोहन उसके पुनर्भरण के बराबर है या उससे भी ज्यादा हो रहा है। ऐसा इसलिये कि सरकार द्वारा प्रकाशित दोहन और पुनर्भरण के आकलनों की विश्वसनीयता संदेह के घेरे में है। इसके अलावा कुछ मामलों में जलस्तर की वे गणनाएँ संदेहास्पद हैं जिन पर ये आकलन आधारित हैं। भूजल की गुणवत्ता में गिरावट को रोकने और ठीक करने के उपायों को विकसित करने की दिशा में पहला कदम जल गुणवत्ता निगरानी के माध्यम से वास्तविक स्रोत/कारण, प्रकार और प्रदूषण के स्तर को समझने के लिए विश्वसनीय और सटीक जानकारी उत्पन्न करना है। हालांकि, देश में कुछ अवलोकन स्टेशन हैं जो पानी की गुणवत्ता के लिए सभी आवश्यक मानकों को कवर करते हैं और मगर इनके प्राप्त आंकड़े पानी की गुणवत्ता की स्थिति पर निर्णायक नहीं हैं। महंगी जल प्रौद्योगिकियांः डब्ल्यूक्यूएम में महंगे और परिष्कृत उपकरण शामिल होते हैं जिन्हें संचालित करना और बनाए रखना मुश्किल होता है और डेटा एकत्र करने, विश्लेषण और प्रबंधन में पर्याप्त विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है। चूंकि भारत में जल प्रौद्योगिकी अभी भी उन्नत नहीं है, इसलिए इस बात की बहुत संभावना है कि उपलब्ध डेटा कम विश्वसनीय हो। इनकी मौजूदा कार्यप्रणाली प्रदूषण के विभिन्न स्रोतों की पहचान करने के लिए अपर्याप्त है। पानी की गुणवत्ता पर डेटा के साथ पानी की आपूर्ति पर डेटा का एकीकरण, जो विभिन्न सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय उद्देश्यों को पूरा करने के लिए पानी की उपलब्धता के आकलन के दृष्टिकोण से बहुत महत्वपूर्ण है, शायद ही कभी किया जाता है। पीने के पानी और कृषि के लिए भूजल पर निर्भर रहने वाले लाखों लोगों की आजीविका वर्तमान में खतरे में है और यह स्थिति और खराब हो जाएगी यदि सतत अभ्यास जारी रहे। उत्तर-पश्चिम भारत में जलोढ़ भारत-गंगा के मैदान विशेष रूप से अत्यधिक दूषित हैं।

विचार

पानी के प्रति जागरूकता बढ़ाने की जरूरत

हेमेन्द्र

हमारी पृथ्वी का एक तिहाई हिस्सा जल से घिरा हुआ है। इसके बावजूद भी जगह जगह पर लोग पानी की समस्या से परेशान हैं। कई जगह पानी की पहुंच इतनी ज्यादा है कि लोग उसे आंख मूंदकर बर्बाद करते हैं तो कई जगह प्यास बुझाने के लिए ही पानी नसीब नहीं है। यहीं कारण है कि दुनिया के अधिकांश लोगों को जल संकट का सामना करना पड़ता है। लोगों में पानी के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए ही 22 मार्च का दिन विश्व जल दिवस के रूप में मनाया जाता है। ताकि लोग पानी की कीमत को समझ सकें। विश्व के हर नागरिक को इसके महत्व से अवगत कराने के लिए ही संयुक्त राष्ट्र ने विश्व जल दिवस मनाने की शुरूआत की थी। विश्व जल दिवस के लिए इस वर्ष का प्रसंग 'वैल्यूइंग वाटर' है। यानी लोगों के लिए पानी का क्या मतलब है। यह कितना कीमती है और हम इस महत्वपूर्ण संसाधन की सुरक्षा कैसे कर सकते हैं, ताकि आगे आने वाली पीढ़ियों को भी साफ पानी मिल सके। पानी ही जीवन का आधार है जिससे कोई इंकार नहीं कर सकता है। जिस तरह से अब प्राकृतिक संसाधनों का दोहन हो रहा है उससे साफ है कि भविष्य में संकट और गहरा सकता है। जलवायु परिवर्तन और बढ़ती जनसंख्या तथा जल स्त्रोतों के अत्यधिक दोहन की वजह से भूजल का स्तर लगातार कम होता जा रहा है। ऐसे में जरूरी है कि हम पानी की महत्व को समझे और इसे बर्बाद होने से बचाए। लिहाजा, पूरे विश्व में साफ पानी का धनी देश ब्राजील को माना जाता है। ब्राजील में 8647 अरब क्यूबिक मीटर पानी उपलब्ध है। विश्व में पानी की उपलब्धता को लेकर भारत का आठवां स्थान है। एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत विश्व के कुल भूजल का 24 फीसदी इस्तेमाल करता है। कई महानगरों में जिस तरह से जल स्तर कम हो रहा है उससे भविष्य में संकट और गहरा हो सकता है। गौर करने वाली बात ये है कि धरती का करीब तीन चौथाई हिस्सा पानी पानी से भरा हुआ है, लेकिन इसमें से सिर्फ तीन फीसदी हिस्सा ही पीने योग्य है। वही इजरायल जैसा अल्प वर्षा वाला देश जल संधारण का सबसे बड़ा उदाहरण है। जिससे सामान्य वर्षा वाले देशों को जल संरक्षण और संवर्धन की सीख लेने की निहायत जरूरत है। गौरतलब, पृथ्वी का 71 प्रतिशत हिस्सा पानी से ढका पृथ्वी का 71 प्रतिशत भाग जल से घिरा हुआ है, 29 फीसदी भाग पर स्थल है। इस 29 प्रतिशत क्षेत्र पर ही इंसान और दूसरे प्राणी रहते हैं। कुल पानी का लगभग 97 फीसदी पानी समुद्र में पाया जाता है, लेकिन खारा होने के कारण इस पानी को पीने के लिए इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। सिर्फ तीन प्रतिशत पानी ही पीने लायक है, जो ग्लेशियर, नदी, तालाबों में पाया जाता है। इस तीन फीसदी पानी में भी 2.4 फीसदी हिस्सा ग्लेशियरों, दक्षिणी ध्रुवों पर जमा है, जबकि बचा हुआ 0.6 फीसदी पानी नदी, तालाबों, झीलों और कुओं में मौजूद है। जिसका हम उपयोग कर सकते हैं, इसलिए हमें जल को बचाना चाहिए। इसकी एक बूंद बूंद बहुत कीमती है, इसे व्यर्थ नहीं गवाना चाहिए।

वस्तुतः पानी हमारे रोजमर्रा के जीवन के लिए महत्वपूर्ण है और पृथ्वी पर हमारा अस्तित्व इसी से है। पृथ्वी पर मौजूद कुल पानी का लगभग ढाई प्रतिशत ही मीठा पानी है और बढ़ती जनसँख्या और पानी के व्यर्थ उपयोग के कारण मीठे पानी की कमी अब नजर आने लगी है। जल संकट एक ऐसी स्थिति है जहां किसी क्षेत्र के भीतर उपलब्ध पीने योग्य, अप्रदूषित पानी उस क्षेत्र की मांग से कम हो जाता है। भूजल पृथ्वी पर मीठे पानी का सबसे बड़ा स्रोत है जो हमारे जीवन को समृद्ध करता है। हालांकि, सतह के नीचे संग्रहीत होने के कारण, इसे अक्सर अनदेखा किया जाता है। जैसे-जैसे जलवायु परिवर्तन बदतर होता जाएगा, भूजल अधिक से अधिक महत्वपूर्ण हो जाएगा। हमें इस बहुमूल्य संसाधन को स्थायी रूप से प्रबंधित करने के लिए मिलकर काम करने की आवश्यकता है। सचेत भूजल मेघ से बाहर हो सकता है, लेकिन यह मेधा से बाहर नहीं होना चाहिए। भूजल को प्रदूषण से बचाना चाहिए और लोगों और खुद की जरूरतों को संतुलित करते हुए इसका स्थायी रूप से उपयोग करना चाहिए। तभी जल हमें और हमारे कल को बचाएंगा। आखिर! यह हमारी आने वाली पीढ़ी की अनमोल धरोहर है।

सब पर भारी, ईर्ष्या की बीमारी!

अशोक सोनी

ईर्ष्या, कोई शारीरिक बीमारी तो नहीं है परंतु इस की अधिकता से ग्रस्त लोग, सिर्फ मानसिक ही नहीं अपितु शारीरिक क्षीणता के भी शिकार हो जाते हैं। वैसे तो ईर्ष्या सदेव से, मनुष्य के स्वभाव का हिस्सा रही है, आज भी है और हमेशा रहेगी। ईर्ष्या की भावना, हम सभी में है पर इसकी आप में मात्रा कितनी है, यही निश्चित करेगा कि आप नैतिक्ता के पैमाने पर कहां ठहरते है। दरअसल आपका हुनर, योग्यता, उपलब्धियाँ, लोकप्रियता, काबिलियत, क्षमता, विश्वसनीयता, और विलक्षणता ही आपसे किसी की जलन का प्रमुख कारण है, और इन सब गुणों का पता सबसे पहले आपके करीबियों को ही लगता है, इसीलिए हमसे ईर्ष्या करने वाले व्यक्ति प्राय हमारे नजदीकी ही होते हैं। अधिकांश लोगों की सोच होती है कि मेरा ये दोस्त, सज्जन, मित्र हर क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन तो करे, पर मुझसे आगे भी न निकल पाये। जिन लोगों में ईर्ष्या की अधिकता होती है, वे लोग शुरू में तो आपकी तरक्की देखकर सिर्फ जलते हैं पर जब आपकी उन्नति दिन-प्रतिदिन बढ़ती ही जाती है तो ये आपके खिलाफ, दुष्प्रचार,चुगलियां और साजिशें तक करनें लग जाते हैं और फिर एक दिन ऐसा आता है कि आप इन महानुभावों से हरेक क्षेत्र में बहुत आगे निकल जाते हैं, तब ये आप से जलते नहीं हैं बल्कि लोगों में ये प्रचार करते हैं कि आपकी सफलता में उनका भी अहम योगदान है। एक सच्चा किस्सा सुनाता हूं, मेरा एक जानकार, गांव के एक आम घर का होनहार लड़का रमेश, अभी हाल ही में विद्युत विभाग में अभियंता नियुक्त हुआ। उस के गांव का ही तथाकथित चौधरी, जिस ने किसी समय उस के गरीब परिवार का लाभपात्री कार्ड राजनैतिक द्वेष के चलते अपनी पहुंच से कटवा दिया था, उसके कार्यालय में किसी कार्य हेतु आया पर एस डी ओ की कुर्सी पर था रमेश, पहले तो ठिठक गया पर ईर्ष्यालु प्रवृति के व्यक्तियों में बेशर्मी के गुण की भी तो अधिकता ही होती है, रमेश के परिवार से बेमतलब की नजदीकी के झूठे किस्से सुनाने लगा। रमेश ने शिष्टाचार के तहत चाय भी पिलायी, पास बैठे जे ई सोनी को कहकर रमेश को सुनाता, चौधरी बोला, "सोनी साहब, अब हमारे गांव की शान, हमारा अपना बच्चा रमेश अधिकारी बन गया है, अब रोक के दिखाना मेरी बिजली माफी वाली अर्जी"। चाटुकारिता भरपूर हंसी में अपनी ईर्ष्या छुपाने की नाकाम कोशिश के बाद चौधरी जाते हुए रमेश को बोला, "रमेश, बेटा नंबर सेव कर लेना, नहीं तो कई बार व्यस्तता में आदमी, फोन नहीं उठा पाता"। चौधरी की धूर्तता के नंगे प्रदर्शन से रमेश निरूतर हो मुस्कुराने के सिवा और कर भी क्या सकता था। आज के आधुनिक दौर में ईर्ष्या के पैमाने भी बदल गये हैं, आपकी बड़ी सफलताओं से नहीं, बल्कि अब तो छोटी-छोटी बातों पर ईर्ष्या का दानव शरेआम प्रकट हो जाता है। अगर आप अपने क्षेत्र की चर्चित हस्ती बन गए हैं, और सोशल मीडिया पर आपकी अथवा आपसे संबंधित कोई पोस्ट, कोई विचार अथवा तस्वीर आदि पर ज्यादा प्रतिक्रियाएं आ जायें तो भी ईर्ष्या का ये रोग आपके कई साथियों में कब्ज बन कर प्रकट होता है, इसका मतलब ये नहीं कि उन्हें आप के विचार पसंद नहीं हैं, दरअसल वे आपके बढ़ते कद को देखकर खुद को बोना महसूस करते हैं। इसी कारण सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर ये आपकी लोकप्रियता कम करने के प्रयास जारी रखते हुए, आपसे संबंधित सामग्री पर कभी भी कोई प्रतिक्रिया नहीं देते। अगर आप से कोई भी ईर्ष्या नहीं करता तो यह बहुत ही गहरी चिंता का विषय है। आपको जीवन में बहुत कुछ करने की आवश्यकता है। जिस इंसान से आप जलते हैं।

ईर्ष्या करते हैं, निस्संदेह वो आप से श्रेष्ठ है, पर क्या आपके ईर्ष्या करने अथवा उसके विरूद्ध मनगढ़ंत भ्रामक प्रचार करने मात्र से, क्या आप उसकी प्रतिभा का कत्ल कर सकते हैं।

ये मोह-मोह के धागे

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

जिंदगी बड़ी या छोटी नहीं होती। जिंदगी केवल जिंदगी होती है। उसी तरह दुनिया भर की संतानें अपने माता-पिता को लाख सड़क किनारे छोड़ आएँ, लेकिन वे कभी संतान को दिल से नहीं निकालते। बच्चों के सुनहरे भविष्य के लिए माता-पिता के भीतर चिंता रूपी महासागर में अथाह ज्वार-भाटा का उपद्रव बसता है। बादलों के पीछे बड़ी मुश्किल से एक सूरज छिपा रहता है। किंतु माता-पिता संतान के लिए दुख के बादलों को झेलते हुए असंख्य सुख के सूरजों को निकालने का प्रयास करते हैं। एक जिंदगी खड़ा करने के लिए जिंदगीभर तिल-तिलकर मरते रहते हैं। एक आकार बनाने के लिए खुद निराकार हो जाते हैं। आँखों का तारा, उनका दुलारा, प्राणों से प्यारा, जिंदगी के राजा को विजयी बनाने के लिए जीवन के महायुद्ध में सिपाही सा हँसते हुए प्राणों की बली चढ़ा देते हैं। संतान की इच्छाओं को पूरा करने के लिए खुद की इच्छाओं को तिलांजली देने में तनिक भी हिचकिचाते नहीं हैं। धागों से कमजोर, खून से भी पतला जहाँ संतान व माता-पिता के संबंध बनते जा रहे हैं, वैसे में संतान की भलाई के लिए शूल भरे जीवन के मार्ग पर हँसते-हँसते चलने वाले माता-पिता धरती को उसके अक्ष पर घूमने पर मजबूर कर रहे हैं। धरती मानो बढ़ रहे वृद्धाश्रमों, विच्छिन्न होते संबंधों, बूढ़ी पड़ चुकी काया को देख अपनी परिक्रमा के दायित्व से हटना चाहती है। उसके पास अब इतनी धरने की क्षमता नहीं कि वह धरती कहला सके। भूख जात-धर्म, भाषा, प्रांत नहीं देखती। भूख तो भूख होती है। फिर चाहे वह किसी भी संतान की हो। माता-पिता इस भूख से लड़ जाने के लिए रोटी को गीता और दाल को अपना ईमान बना लेते हैं। इतिहास साक्षी है जो माता-पिता अपनी संतान के रोटी-दाल के लिए कभी किसी मजहब की खिल्ली नहीं उड़ायी। किसी प्रांत का परिहास नहीं किया। किसी भाषा को कमतर नहीं आंका।

दिल्ली कैपिटल्स है कमजोर और शायद ही प्लेआफ में जगह बना पाए, पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने दिया बयान

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग में पिछले कुछ साल में दिल्ली कैपिटल्स का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा था और ये टीम 2020 में उप-विजेता रही थी। 2021 में टीम ने प्लेआफ में जगह बनाई थी, लेकिन फाइनल में जगह बनाने से ये टीम चूक गई थी। अब सीजन 2022 में दिल्ली की टीम के काफी खिलाड़ी बदल चुके हैं और चार रिटेन किए गए खिलाड़ियों के अलावा पूरी की पूरी टीम लगभग नई नजर आ रही है। अब सीजन में दिल्ली की टीम के प्रदर्शन के बारे में पूर्व भारतीय क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने अपनी राय रखी और उनके मुताबिक रिषभ पंत की कप्तान वाली दिल्ली की टीम के लिए आइपीएल का 15वां सीजन खराब साबित हो सकता है।

आकाश चोपड़ा ने साफ तौर पर कहा कि अगर रिषभ पंत की कप्तानी वाली दिल्ली की टीम इस सीजन में प्लेआफ तक नहीं पहुंच पाती है तो उन्हें आश्चर्य नहीं होगा। अपने यूट्यूब चैनल पर आकाश चोपड़ा ने बताया कि वो पंत की कप्तानी वाली दिल्ली की टीम को लेकर इतने चिंतित क्यों हैं। दिल्ली कैपिटल्स को अपना पहला मैच आइपीएल 2022 में मुंबई इंडियंस के खिलाफ 27 मार्च को खेलना है। आकाश चोपड़ा ने कहा कि मैं दिल्ली को लेकर थोड़ा चिंतित हूं और वो अपने पहले तीन लीग मैचों में से दो आसानी से हार सकते हैं। हालांकि ऐसी भी संभावना है कि वो पहले तीन में से तीन मैच भी हार सकते हैं, लेकिन आप ऐसा नहीं कह सकते। हो सकता है कोई एक खिलाड़ी दिल्ली को जीत दिला दे, लेकिन एक टीम के तौर पर यह आपको ज्यादा आत्मविश्वास नहीं देता है।

दिल्ली कैपिटल्स के फैन्स के लिए खुशखबरी, मुंबई पहुंचा ये तूफानी गेंदबाज

नई दिल्ली। आईपीएल के शुरू होने में अब एक सप्ताह से भी कम समय बचा है। ऐसे में सभी टीमें अपनी बेस्ट इलेवन को फाइनल करने में लगे हुए हैं। दिल्ली कैपिटल्स की टीम अपने प्लेइंग-11 को फाइनल करने में जुटी हुई है। हालांकि, टीम के कई खिलाड़ी अभी तक स्क्वॉड से नहीं जुड़े हैं। इसमें डेविड वार्नर और मिचेल मार्श जैसे अहम खिलाड़ी शामिल हैं। हालांकि, आईपीएल शुरू होने से पहले दिल्ली के लिए एक राहत भरी खबर जरूर सामने आई है। दक्षिण अफ्रीका के चोटिल तेज गेंदबाज एनरिक नॉर्ट्जे लीग के लिए मुंबई पहुंच गए हैं। हालांकि, उनके खेलने पर अभी भी संशय है। वह पूरी तरह फिट हो पाएं या नहीं यह कहना फिलहाल मुश्किल है, लेकिन वह स्क्वॉड से जुड़ गए हैं।

एनरिक के मुंबई आने से दिल्ली कैपिटल्स ने चैन की सांस जरूर ली होगी। नॉर्ट्जे पिछले कुछ सालों में दिल्ली के मुख्य हथियार बने हैं। पिछले दो आईपीएल में वह दिल्ली के दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज भी थे। यही वजह थी कि दिल्ली ने उन्हें इस साल मेगा ऑक्शन से पहले रिटेन किया। अब दिल्ली टीम की नजरें वार्नर और मिशेल मार्श पर टिकी हैं, जो पाकिस्तान के दौरे पर हैं। ये दोनों खिलाड़ी पाकिस्तान के खिलाफ सीमित ओवर का क्रिकेट खेलने के बाद ही आईपीएल में टीम से जुड़ेंगे। वार्नर तो टीम से जुड़ने से पहले 30 मार्च को शेन वॉर्न की अंतिम यात्रा में भी शामिल होंगे। इसके लिए वह ऑस्ट्रेलिया वापस जाएंगे। आईपीएल 2022 में दिल्ली कैपिटल्स अपने अभियान की शुरुआत 27 मार्च को मुंबई इंडियंस के खिलाफ करेगी।

इन दिग्गज क्रिकेटरों ने वॉर्न को दी अंतिम विदाई, एलिजाबेथ हर्ले नहीं हुईं शामिल

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज स्पिनर शेन वॉर्न को रविवार को उनके परिवार के सदस्यों समेत कुछ नजदीकी लोगों ने श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान एलन बॉर्डर, मार्क टेलर, माइकल क्लार्क और वॉर्न के कुछ करीबी दोस्त शामिल हुए। वॉर्न को सेंट किल्डा फुटबॉल क्लब में एक आमंत्रण-मात्र अंतिम संस्कार में याद किया गया। सेंट किल्डा एक ऑस्ट्रेलियन रूल्स टीम है, जिसका वॉर्न ने जीवनभर समर्थन किया। अब 30 मार्च को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) के मैदान पर उनके पार्थिव शरीर को सार्वजनिक रूप से अंतिम दर्शन के लिए लाया जाएगा।सेंट किल्डा में श्रद्धांजलि देने वालों में वॉर्न के तीन बच्चे ब्रुक, जैक्सन और समर के साथ-साथ साथी क्रिकेटर्स, स्थानीय मीडिया हस्तियां और उनका करीबी पोकर ग्रुप शामिल थे। वहीं, वॉर्न की पूर्व मंगेतर एलिजाबेथ हर्ले इस अंतिम यात्रा में शामिल नहीं हो पाई। यह देखने वाली बात होगी कि क्या वह 30 मार्च को मेलबर्न में अंतिम यात्रा में शामिल हो पाती हैं या नहीं।

आइपीएल के आखिरी ओवर में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकार्ड है एम एस धौनी के नाम

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग में सबसे ज्यादा छक्के लगाने के मामले में पहले नंबर पर बेशक क्रिस गेल हैं, लेकिन छक्कों के मामले में कई शानदार रिकार्ड्स एम एस धौनी के नाम पर भी दर्ज है। इसमें से एक रिकार्ड है आइपीएल मैचों में सबसे आखिरी ओवर यानी 20वें ओवर में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकार्ड। आइपीएल में अब तक जितने भी मैच खेले गए उनमें अगर 20वें ओवर में सबसे ज्यादा छक्के लगाने की बात करें तो इसमें पहले स्थान पर सीएसके टीम के कप्तान एम एस धौनी का नाम आता है।

आइपीएल मैचों के आखिरी ओवर में एम एस धौनी ने लगाए हैं सबसे ज्यादा छक्के

आइपीएल के पिछले 14 सीजन में मैचों के आखिरी ओवर यानी 20वें ओवर में सबसे ज्यादा छक्के एम एस धौनी ने लगाए हैं। उन्होंने आइपीएल मैचों के आखिरी ओवर यानी 20वें ओवर में अब तक कुल 50 छक्के जड़े हैं और पहले नंबर पर मौजूद हैं।

वहीं एम एस धौनी के बाद ऐसा कमाल करने के मामले में किरोन पोलार्ड का स्थान दूसरा है जिन्होंने 30 छक्के लगाए हैं। मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर 23 छक्कों के साथ मौजूद हैं तो वहीं हार्दिक पांड्या ने भी 23 छक्के लगाए हैं और वो भी रोहित के साथ संयुक्त रूप से तीसरे नंबर पर हैं।

सीएसके टीम के कप्तान महेंद्र सिंह धौनी की बात करें तो उन्होंने अब तक इस लीग में 220 मैचों में 39.55 की औसत से 4746 रन बनाए हैं। इन मैचों में धौनी ने 23 अर्धशतक लगाए हैं और उनका बेस्ट स्कोर अब तक नाबाद 84 रन रहा है। इन मैचों में धौनी ने 325 चौके व 219 छक्के लगाए हैं।

मोहित शर्मा:भारत के लिए दो विश्व कप खेला, 2014 में पर्पल कैप जीता

नई दिल्ली।इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का 15वां सीजन अगले हफ्ते से शुरू हो रहा है। दो नई फ्रेंचाइजी के साथ इस बार लीग में कुल 10 टीमें शामिल हो रही हैं। इसके लिए नए सिरे से और बड़े स्तर पर नीलामी भी हुई थी। यहां युवाओं को अधिक खरीदार मिले तो वहीं कई अनुभवी खिलाड़ियों के लिए कोई बोली नहीं लगी। इसमें भारत की तरफ से दो विश्व कप खेल चुके मोहित शर्मा भी ऐसे ही एक खिलाड़ी रहे, जिनमें किसी भी फ्रेंचाइजी ने दिलचस्पी नहीं दिखाई। मोहित हालांकि नीलामी में नहीं चुने जाने के बावजूद लीग का हिस्सा बन गए हैं।

चेन्नई सुपर किंग्स को बड़ी राहत : चोटिल ऋतुराज गायकवाड फिट

नई दिल्ली। चेन्नई सुपर किंग्स के फैंस के लिए अच्छी खबर सामने आ रही है। स्टार ओपनर ऋतुराज गायकवाड फिट हो चुके हैं और टीम के लिए टूर्नामेंट का पहला मैच खेलेंगे। ऋतुराज वेस्टइंडीज और श्रीलंका के खिलाफ घरेलू सीरीज के लिए भारतीय टीम का हिस्सा थे, लेकिन पहले कोरोना और उसके बाद कलाई की चोट के चलते वह एक भी मैच नहीं खेल सके।

वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज से पहले वह कोरोना पॉजिटिव पाए गए थे, उसके बाद श्रीलंका टी-20 सीरीज से पहले गायकवाड की दाएं हाथ की कलाई में चोट लग गई थी। इसके बाद से वह बेंगलुरु स्थित नेशनल क्रिकेट अकादमी में रिहैब कर रहे थे। उनके IPL के शुरुआती मैच खेलने पर सस्पेंस था, लेकिन अब वह फिट हो गए हैं।

CSK ऑफिशियल ने दी जानकारी

चेन्नई के CEO काशी विश्वनाथ ने एक स्पोर्ट्स वेबसाइट को दिए इंटरव्यू में इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा- ऋतुराज अब पूरी तरह से फिट हैं और टीम के साथ जुड़कर ट्रेनिंग शुरू कर चुके हैं। वह पहले मैच से ही चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे। ऋतुराज का फिट होने चेन्नई के लिए राहत की खबर है।

पिछले साल उन्होंने टीम को चौथा IPL खिताब जीतने में अहम रोल अदा किया था। युवा ओपनर ने 16 पारियों में 45.36 की औसत से रुल 635 रन बनाए थे। इस दौरान उनके बल्ले से 5 अर्धशतक और 1 शतक देखने को मिला था।

चाहर अभी भी अनफिट

तेज गेंदबाज दीपक चाहर अभी भी फिट नहीं हुए हैं। चाहर वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू टी-20 सीरीज के दौरान चोटिल हो गए थे। तीसरे टी-20 में उनके क्वाड्राइसेप मसल्स में चोट लग गई थी, जिसके बाद से वह NCA में रिहैब पीरियड से गुजर रहे हैं। चाहर ने अभी तक NCA में फिटनेस टेस्ट पास नहीं किया है।

बायो-बबल में मुंबई इंडियंस चैंपियन : 13 हजार स्क्वायर फीट में बनाया MI एरिना, रोहित की पुष्पा स्टाइल में एंट्री

मुंबई। IPL 2022 से पहले BCCI ने सभी फ्रेंचाइजियों को बायो-बबल नियमों का सख्ती से पालन कराने के लिए दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। अब प्रोटोकॉल को बनाए रखने के लिए मुंबई इंडियंस ने बेहतरीन कदम उठाया है। फ्रेंचाइजी ने मुंबई के जियो वर्ल्ड गार्डन में 13 हजार स्क्वार मीटर में फैला हुआ MI एरिना तैयार किया है। इसमें तमाम सुख-सुविधाएं मौजूद हैं। इतना ही नहीं इसमें टीम के सदस्य व उनके परिवार के अलावा किसी को भी एंट्री नहीं मिलेगी।

रोहित का पुष्पा स्टइल

मुंबई इंडियंस ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर 'MI एरिना' का एक वीडियो भी शेयर किया, जिसमें टीम के कप्तान रोहित शर्मा 'पुष्पा स्टाइस' में चलते नजर आए। साथ ही उन्हें अन्य खिलाड़ियों के साथ किड्स सेक्शन में फायरिंग करते भी देखा गया। जसप्रीत बुमराह भी हाथों में गन लिए नजर आए। टीम के बाकी प्लेयर्स को भी MI एरिना में फायरिंग करते और पोलो खेलते देखा जा सकता है।

खिलाड़ियों को एक-दूसरे से जोड़ने का बेहतर तरीका

मुंबई इंडियंस के एक अधिकारी ने अपने बयान में कहा- MI एरिना को सीजन के दौरान खिलाड़ियों को आपस में एक-दूसरे से बेहतर तरीके से जोड़ने और जानने के लिए बनाया गया है। पिछले 2 सालों में लोगों ने कई चुनौतियों का सामना किया है, लेकिन हम एक परिवार हैं और यह MI की ये जिम्मेदारी है कि वह सभी को सुरक्षित और खुश रखें।

दूसरे वनडे में दक्षिण अफ्रीका ने बांग्लादेश को सात विकेट से हराया, सीरीज 1-1 से बराबर

जोहानिसबर्ग। तीन मैचों की वनडे सीरीज 1-1 से बराबर हो गई है। दोनों टीमों के बीच निर्णायक मुकाबला 23 मार्च को सेंचुरियन में खेला जाएगा। इसके बाद दो टेस्ट मैचों की सीरीज की शुरुआत होगी।दक्षिण अफ्रीका ने जोहानिसबर्ग में खेले गए तीन मैचों की वनडे सीरीज के दूसरे मुकाबले में बांग्लादेश को सात विकेट से हरा दिया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए बांग्लादेशी टीम ने 50 ओवर में नौ विकेट गंवाकर 194 रन बनाए। जवाब में दक्षिण अफ्रीका ने 37.2 ओवर में तीन विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

इसी के साथ तीन मैचों की वनडे सीरीज 1-1 से बराबर हो गई है। दोनों टीमों के बीच निर्णायक मुकाबला 23 मार्च को सेंचुरियन में खेला जाएगा। इसके बाद दो टेस्ट मैचों की सीरीज की शुरुआत होगी।पहले बल्लेबाजी करते हुए बांग्लादेश की शुरुआत खराब रही। 34 रन तक बांग्लादेश की आधी टीम पवेलियन लौट चुकी थी। कप्तान तमीम

इकबाल एक रन, लिटन दास 15 रन, शाकिब अल हसन शून्य, मुशफिकुर रहीम 11 रन और यासिर अली दो रन बनाकर आउट हुए।

इसके बाद महमुदुल्लाह और अफिफ हुसैन ने बांग्लादेश की पारी संभाली। दोनों ने छठे विकेट के लिए 60 रन की साझेदारी निभाई। महमुदुल्लाह 25 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, अफिफ ने अर्धशतक लगाया। अफिफ ने मेंहदी हसन के साथ मिलकर सातवें विकेट के लिए 86 रन की साझेदारी निभाई।अफिफ 107 गेंदों पर 72 रन बनाकर आउट हुए। अपनी पारी में उन्होंने नौ चौके लगाए। मेंहदी हसन 38 रन बनाकर आउट हुए। शोरिफुल इस्लाम दो रन बनाकर आउट हुए। आखिर में तास्किन अहमद नौ रन और मुस्तफिजुर रहमान दो रन बनाकर नाबाद रहे। दक्षिण अफ्रीका की ओर से कगिसो रबाडा ने पांच विकेट झटके। उन्होंने वनडे में दूसरी बार पारी में पांच विकेट लिए। वहीं, लुंगी एनगिडी, वायने पार्नेल, तबरेज शम्सी और रसी वान डर डुसेन को एक-एक विकेट मिला।195 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीकी टीम की शुरुआत बेहतरीन रही। यानेमन मलान और क्विंटन डिकॉक के बीच 86 रन की ओपनिंग साझेदारी हुई। मलान 26 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद डिकॉक ने कुछ बेहतरीन शॉट लगाए और 41 गेंदों पर नौ चौके और दो छक्के की मदद से 62 रन बनाकर आउट हुए।

यह उनके वनडे करियर का 28वां अर्धशतक रहा। इसके बाद काइल वैरेने और कप्तान तेम्बा बावुमा ने तीसरे विकेट के लिए 82 रन की साझेदारी निभाई। वैरेने ने वनडे करियर का चौथा अर्धशतक लगाया। बावुमा 52 गेंदों पर 37 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद वैरेने ने डुसेन के साथ मिलकर दक्षिण अफ्रीका को मैच जिता दिया। वैरेने 77 गेंदों पर चार चौके और दो छक्के की मदद से 58 रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं, डुसेन आठ रन बनाकर नाबाद रहे। बांग्लादेश की ओर से मेंहदी हसन, शाकिब और अफिफ ने एक-एक विकेट लिया।

इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के बीच दूसरा टेस्ट भी ड्रॉ, 24 मार्च से होगा निर्णायक मैच

बारबाडोज । वेस्टइंडीज और इंग्लैंड के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा मैच भी ड्रॉ रहा। यह मैच जीतने के लिए इंग्लैंड को पांच विकेट की जरूरत थी, लेकिन कैरिबियाई कप्तान क्रैग ब्रैथवेट और विकेटकीपर जोशुआ ड सिल्वा ने मिलकर मैच बचा लिया। वहीं कैरिबियाई टीम को जीत के लिए दूसरी पारी में 282 रन चाहिए थे, लेकिन समय की कमी के कारण वेस्टइंडीज के पास मैच जीतने का मौका नहीं था। ऐसे में विंडीज के बल्लेबाजों ने मैच बचाने के लिए रक्षात्मक रवैया अपनाया और लगातार दूसरा मैच ड्रॉ कराया।

दूसरा मैच ड्रॉ होने के बाद दोनों टीमें सीरीज में बनी हुई हैं और अब तीसरा मैच निर्णायक बन चुका है। यह टेस्ट जीतने वाली टीम ही सीरीज भी अपने नाम करेगी। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की अंकतालिका में इंग्लैंड की टीम सबसे नीचे है, जबकि वेस्टइंडीज की टीम

उससे ठीक ऊपर बनी हुई है। ये दोनों ही टीमें फाइनल की रेस से लगभग बाहर हो चुकी हैं।

पहली पारी में इंग्लैंड का कमाल

इस मैच में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया था। कप्तान रूट के 153 और बेन स्टोक्स के 120 रनों की बदौलत टीम ने नौ विकेट के नुकसान पर 507 रन बनाकर पहली पारी घोषित की। वेस्टइंडीज के लिए प्रेमॉल ने तीन और रोच दो विकेट लिए। बाकी सभी गेंदबाजों को एक-एक विकेट मिला।

वेस्टइंडीज का करारा जवाब

इंग्लैंड के 507 रन के जवाब में विंडीज की टीम ने भी शानदार खेल दिखाया। कप्तान ब्रेथवेट ने 160 रन बनाए। वहीं ब्लैकवुड ने 102 रन की पारी खेली। वेस्टइंडीज की पहली पारी 411 रन के स्कोर पर खत्म हुई। इंग्लैंड के लिए जैक लीच ने तीन। स्टोक्स और महमूद ने दो-दो विकेट लिए। बाकी गेंदबाजों को एक-एक विकेट मिला। कैरिबियाई टीम की पहली पारी खत्म होने तक ही मैच का नतीजा साफ दिखने लगा था।

दूसरी पारी में इंग्लैंड ने 185 रन बनाए

दूसरी पारी में इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने तेजी से रन बनाए। लॉरेंस ने 41 और क्राउली ने 40 रन की पारी खेली। वहीं बेयरस्टो ने 25 गेंद में 29 रन बनाए। छह विकेट के नुकसान पर इंग्लैंड ने 185 रन बनाकर अपनी दूसरी पारी घोषित की और वेस्टइंडीज के सामने 282 रन का लक्ष्य रखा। इस समय मैच में ज्यादा समय नहीं बचा था और वेस्टइंडीज ने मैच बचाने के लिए रक्षात्मक ढंग से खेलना शुरू किया। इंग्लैंड की दूसरी पारी में वेस्टइंडीज के लिए प्रेमॉल और सेल्स ने दो-दो विकेट लिए। बाकी गेंदबाजों को एक-एक विकेट मिला।

ब्रैथवेट और डा सिल्वा ने बचाया मैच- 282 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी नहीं थी। 14 रन के स्कोर पर टीम का पहला विकेट गिरा और 39 रन तक तीन बल्लेबाज पवेलियन लौट चुके थे। इस समय लगा कि पूरी टीम आउट हो सकती है और इंग्लैंड यह मैच जीत सकता है। हालांकि, कप्तान ब्रैथवेट एक छोर पर खड़े रहे और जोशुआ ड सिल्वा ने उनका बेहतरीन साथ दिया। अंत में यह मैच ड्रॉ पर खत्म हुआ। इंग्लैंड के लिए लीच ने तीन और महमूद ने दो विकेट लिए।

फाइनल में पहुंचने वाले लक्ष्य की तारीफ में बोले पीएम मोदी, कहा- आपके ऊपर गर्व है

नई दिल्ली। ऑल इंग्लैंड ओपेन के फाइनल में पहुंचकर हारने वाले भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन लगातार तारीफ बटोर रहे हैं। अब भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उनकी तारीफ की है। पीएम मोदी ने कहा कि लक्ष्य सेन ने गजब का धैर्य और दृढ़ता दिखाई है। उन्होंने अपने विरोधियों को कड़ी चुनौती दी। भविष्य के लिए उन्हें शुभकामनाएं। मुझे यकीन है कि वो लगातार सफलता की नई ऊंचाइयां हासिल करेंगे। उनके अलावा विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भी लक्ष्य सेन की तारीफ में कहा है कि आपने करोड़ों दिलों को जीता है। आपने भारत को गौरवान्वित किया है। ऑल इंग्लैंड ओपेन के फाइनल में लक्ष्य को विक्टर एक्सेलसेन के खिलाफ 10-21, 15-21 के अंतर से हार का सामना करना पड़ा था। 20 साल के लक्ष्य बैडमिंटन में भारत के उभरते हुए खिलाड़ी हैं और भविष्य में उनसे कई पदक की उम्मीदें लगाई जा रही हैं।

ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन

लक्ष्य सेन ने ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन किया। जहां श्रीकांत और सिंधू जैसे दिग्गज खिलाड़ी दूसरे दौर में ही हारकर बाहर हो गए थे। वहां लक्ष्य फाइनल में जगह बनाने में कामयाब हुए, लेकिन खिताबी मुकाबले में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी और ओलंपिक विजेता विक्टर ने फाइनल में लक्ष्य को हराकर उनके खिताब जीतने का इंतजार और बढ़ा दिया। लक्ष्य ने उम्मीदों से बढ़कर प्रदर्शन किया था और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर उनकी तारीफ में लिखा 'आप पर गर्व है लक्ष्य सेन! आपने शानदार धैर्य और दृढ़ता दिखाई। आपने बेहतरीन मुकाबला किया। आपके भविष्य के लिए शुभकामनाएं। मुझे विश्वास है कि आप सफलता की नई ऊंचाइयां छूते रहेंगे।

नडाल का विजय रथ रुका, 20 मैच बाद 2022 में पहली हार, फाइनल में फ्रिट्ज ने दी मात

कैलिफोर्निया। दुनिया के चौथे नंबर के टेनिस खिलाड़ी और 21 ग्रैंडस्लैम जीत चुके राफेल नडाल का विजयी अभियान रुक चुका है। इंडियन वेल्स के फाइनल में उन्हें हार का सामना करना पड़ा।

लगातार 20 मैच जीतने के बाद 2022 में नडाल पहली बार कोई मैच हारे हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलियन ओपेन में शानदार शुरुआत की थी। इसके बाद से लगातार मैच जीत रहे थे। हालांकि, अब उन्हें हार का सामना करना पड़ा है। टेलर फ्रिट्ज ने उन्हें 3-6, 6-7 के अंतर से मात दी। इसके साथ ही उन्होंने यह टूर्नामेंट अपने नाम कर लिया।

इंडियन वेल्स के फाइनल मैच में नडाल की शुरुआत बेहद खराब थी और पहले ही सेट में वो 0-4 के अंतर से पिछड़ गए थे। 35 साल के नडाल को इसके बाद इलाज की जरूरत पड़ी और इसके बाद उन्होंने वापसी की। इसके बावजूद वो पहला सेट नहीं बचा सके और

अंत में उन्हें 6-3 के अंतर से हार का सामना करना पड़ा।

दूसरे सेट में कड़ा संघर्ष

दूसरे सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला हुआ और एक समय पर स्कोर पांच-पांच था। इसके बाद कैलिफोर्निया के खिलाड़ी ने शानदार खेल दिखाया और टाई ब्रेकर अपने नाम कर लिया। इसके साथ ही उन्होंने दूसरा सेट जीता और मैच भी जीत गए। इस मैच में नडाल ने 34 गलतियां की, जबकि फ्रिट्ज ने सिर्फ 22 गलतियां की।

फ्रिट्ज का 10 साल पुराना सपना पूरा

साल 2001 के बाद पहली बार किसी अमेरिकी खिलाड़ी ने इंडियन वेल्स का खिताब जीता है। फ्रिट्ज से पहले आंद्रे अगासी ने यह कारनामा किया था। साल 2012 में भी फ्रिट्ज इस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचे थे, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। अब 10 साल बाद उन्होंने अपना सपना पूरा किया है।

भारत-इस्राइल संबंधों के 30 सालः प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट अप्रैल की शुरुआत में करेंगे भारत का दौरा

यरुशलम। भारत-इस्राइल राजनयिक संबंधों की स्थापना के 30 साल पूरे हो चुके हैं। दोनों देशों के संबंधों की स्थापना के 30वीं वर्षगांठ के मौके पर इस्राइल के प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आमंत्रण पर अप्रैल महीने की शुरुआत में भारत के दौरे पर आएंगे। इस्राइल के प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार नफ्ताली बेनेट दो अप्रैल, 2022 को भारत की अपनी पहली आधिकारिक यात्रा करेंगे। दोनों नेताओं के बीच पहली मुलाकात पिछले साल अक्तूबर में ग्लासगो में संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (कॉप26) के मौके पर हुई थी।उस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने प्रधानमंत्री बेनेट को भारत की आधिकारिक यात्रा करने के लिए आमंत्रित किया था। यह यात्रा दोनों देशों और नेताओं के बीच महत्वपूर्ण संबंधों की पुष्टि करेगी। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यात्रा का उद्देश्य दोनों देशों के बीच रणनीतिक गठबंधन को आगे बढ़ाना और मजबूत करना और द्विपक्षीय संबंधों का विस्तार करना है। इसके अलावा दोनों नेता नवाचार, अर्थव्यवस्था, अनुसंधान और विकास, कृषि समेत अन्य विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा करेंगे। अपनी यात्रा के दौरान, प्रधानमंत्री बेनेट भारतीय प्रधानमंत्री मोदी और अन्य वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों के साथ मिलेंगे। साथ ही देश में यहूदी समुदाय के लोगों से भी मिलेंगे।

रोहिंग्या का दमनः अमेरिका ने माना म्यांमार की सैन्य सरकार ने किया था नरसंहार, 10 लाख लोगों को निकाला गया

वॉशिंगटन। पांच साल पहले म्यांमार में सैन्य सरकार द्वारा शुरू किए गए रोहिंग्या मुस्लिमों के दमन को अमेरिका ने नरसंहार करार देने का फैसला किया है। इस दौरान करीब 10 लाख रोहिंग्या को देश से खदेड़ दिया गया। इसके लिए बड़े पैमाने पर हत्याओं, सूली पर लटकाने, दुष्कर्म, परिवारों को जिंदा जलाने व डुबोने जैसे जघन्य तरीके अपनाए गए।

अमेरिकी विदेश मंत्री एंटोनी ब्लिंकन सोमवार को म्यांमार की हिंसा को अधिकृत रूप से नरसंहार करार देंगे। इस मौके पर युद्ध अपराध के लिए कानूनी दस्तावेज को जारी किया जाएगा। अमेरिकी जांचकर्ताओं ने इसे 2018 में तैयार किया है। वाशिंगटन स्थित अमेरिकी होलोकास्ट मेमोरियल म्यूजियम में इस दस्तावेज को रखा जाएगा। इनमें कहा गया है कि म्यांमार की सैन्य सरकार रोहिंग्याओं का नरसंहार किया।

इसके साथ ही म्यांमार की सैन्य सरकार के खिलाफ अतिरिक्त आर्थिक पाबंदियां लगाई जाएंगी और मदद में कटौती कर दंडात्मक कार्रवाई भी की जा सकती है। म्यांमार की सैन्य सरकार, जिसे तातमॉडा भी कहा जाता है कि फरवरी 2021 में नोबेल पुरस्कार विजेता आंग सान सू की के नेतृत्व में म्यांमार की लोकतांत्रिक सरकार को उखाड़ फेंका था। बाइडन प्रशासन ने सेना द्वारा सत्ता पर कब्जा करने को पहली बार विद्रोह या तख्तापलट माना है।

राष्ट्र के नाम जेलेंस्की का संदेश, कहा- रूसी सेना के युद्ध अपराधों की गवाही है मैरियूपोल पर कब्जा

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने मैरियूपोल पर रूस के कब्जे को युद्ध अपराधों का स्पष्ट प्रमाण बताते हुए कहा, एक शांत और शानदार शहर पर कब्जा कर उसे रौंदने और आतंक फैलाने के लिए रूसी सेना को सदियों तक माफ नहीं किया किया जाएगा। राष्ट्र के नाम संदेश में जेलेंस्की ने कहा, रूसी सेना के कब्जे की वजह से लोग जहां-तहां फंसे हैं। रूसी सेना बच्चे और बुजुर्गों को भी निशाना बना रही है। धीरे-धीरे पूरे का नामो-निशान मिटता जा रहा है। मैरियूपोल के पुलिस अधिकारी माइकल वर्शनिन ने रूसी हमलों की वजह से मलबे से भरी एक सड़क पर खड़े होकर पश्चिमी देशों के नेताओं से मदद की अपील करते कहा, शहर नष्ट हो चुका है, जो खंडहर बचे हैं, रूसी सेना इन्हें भी पूरी तरह मिटा देगी। जेलेंस्की ने इस्राइल की संसद को वीडियो लिंक से संबोधित करते हुए इस्राइल से आयरन डोम मिसाइल रक्षा प्रणाली की मांग की। उन्होंने कहा, सब को पता है कि आपकी मिसाइल रक्षा प्रणाली सबसे अच्छी है और आपको निश्चित रूप से हमारे लोगों की मदद करनी चाहिए। यूक्रेनियों की जान बचाइए, यूक्रेनी यहूदियों की जान बचाइए। जेलेंस्की खुद यहूदी विरासत से आते हैं। जेलेंस्की के सलाहकार ओलक्सियी एरेस्टोविच ने बताया कि मैरियूपोल में रूस से मुकाबले के लिए अतिरिक्त सैनिक नहीं हैं।

यूक्रेनी प्रशासन का दावा- मैरियूपोल से महिलाओं-बच्चों समेत हजारों लोगों को बंधक बनाकर हमलावर फौजी ले गए साथ

कीव। मैरियूपोल के स्थानीय प्रशासन ने दावा किया है कि रूसी फौजी अपने साथ हजारों महिलाओं, बच्चों और पुरुषों को बंधक बनाकर जबरन रूस ले गए हैं। दूसरी तरफ रूसी सेना ने बड़ी संख्या में लोगों को युद्धक्षेत्र से बचाकर रूस में शरण देने का दावा किया है।

मैरियूपोल नगर परिषद ने टेलीग्राम चैनल पर बताया कि लिवोबेरेजनीव इलाके के एक स्पोर्ट्स सेंटर में शरण लिये लोगों को पिछले एक सप्ताह के दौरान अवैध रूप से रूस निर्वासित किया गया है। ये लोग वहां बमबारी से बचने के लिए छिपे हुए थे। दूसरी तरफ, रूसी समाचार एजेंसियों ने रक्षा मंत्रालय के हवाले बताया कि कई बसों के काफिलों में सैकड़ों शरणार्थियों को मैरियूपोल से रूस लाया गया है।

तास ने खबर दी कि 13 बसों को शनिवार को आते देखा गया। इन बसों में 350 से ज्यादा लोग सवार थे। इनमें से 50 लोगों को ट्रेन से यारोस्लाव्ल भेजा गया तो बाकी को तागानोर्ग स्थित शिविर में रखा गया है। पिछले माह रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा था कि यूक्रेन से लोगों को निकालने के लिए 200 बसों को तैयार रखा गया है। रिया नोवोस्ती ने बताया, लुहांस्क और दोनेस्क इलाकों से 3 लाख से ज्यादा लोगों को रूस लाया गया है।

अपनी गाड़ियों से सुरक्षित निकले 40000 लोग

यूक्रेनी अधिकारियों ने बताया कि रूस के घेरे के बीच पिछले सप्ताह में मैरियूपोल से करीब 40

हजार लोग अपने वाहनों से सुरक्षित बाहर जाने में कामयाब रहे हैं। यह संख्या शहर की आबादी का 10 प्रतिशत है।

स्टील प्लांट पर कब्जे की लड़ाई

यूक्रेन के गृहमंत्री के सलाहकार, वादिम डेनिसेंको ने कहा कि फिलहाल यूक्रेनी और रूसी सेना के बीच अजोवस्टल स्टील प्लांट को लेकर लड़ाई जारी है, जिसकी वजह से यूरोप का सबसे बड़ा स्टील प्लांट नष्ट हो रहा है। रूसी सैनिक संयंत्र पर तैनात सुरक्षा बलों पर हमले कर रहे हैं।

पुतिन परमाणु युद्ध की तैयारी में परिवार को साइबेरिया में छिपाया

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अपने सभी सहयोगियों को परमाणु युद्ध के लिए तैयार रहने का इशारा कर दिया है। परमाणु युद्ध की आशंका के बीच पुतिन ने अपने परिवार को साइबेरिया के किसी बंकर में छिपा दिया है।

यह दावा है मास्को स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल रिलेशन के पूर्व प्रोफेसर वैलेरी सोलोवेई का। सोलोवेई के मुताबिक पुतिन की बेटियां मारिया और कैटेरिना बच्चों के साथ साइबेरिया के अल्ताई रिपब्लिक इलाके में पहाड़ों के बीच भूमिगत शहर के किसी बंकर में मौजूद हैं। इन बंकरों को इस तरह से बनाया गया है कि अगर रूस पर परमाणु हमला भी हो जाए, तो इन बंकरों में मौजूद लोग सुरक्षित बच पाएंगे।

प्रो. सोलोवेई कहते हैं, पुतिन का परिवार पहाड़ों के नीचे बने भूमिगत शहर में अत्याधुनिक सुख-सुविधाओं वाले आलीशान बंकर में छिपा है। रूस के लोगों के लिए यह सतर्क होने का संकेत है। रक्षा जानकार इस बात से सहमत हैं कि पुतिन परिवार को लेकर कोई जोखिम नहीं लेना चाहेंगे और न कोई ऐसी स्थिति आने देंगे, जहां वे परिवार की वजह से कमजोर पड़ें। सोलोवेई का इशारा कबाएवा और उनके जुड़वा बच्चों की तरफ था। पहले उन्होंने दावा किया था कि पुतिन को भूलने की बीमारी है।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान के लिए 25 मार्च होगा खास, करना होगा अविश्वास प्रस्ताव का सामना

इस्लामाबाद। पाकिस्तान सरकार को 25 मार्च को विपक्ष के लाए अविश्वास प्रस्ताव का सामना करना पड़ेगा। प्रधानमंत्री इमरान खान के राजनीतिक सफर का ये एक बड़ा दिन साबित हो सकता है। विपक्ष के जसि तरह से तेवर है उसको देखते हुए वो अपनी जीत को लेकर काफी कुछ आश्वस्त भी दिखाई दे रहे हैं। बता दें कि विपक्ष केवल पीएम के खिलाफ ही ये अविश्वास प्रस्ताव लेकर नहीं आया है, बल्कि नेशनल असेंबली के स्पीकर असद कैसर के खिलाफ भी ऐसा ही प्रस्ताव है। इन दोनों के ही भविष्य पर फैसला एक साथ होने वाला है। विपक्ष ने आठ मार्च को सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने के लिए इजाजत मांगी थी। इसके बाद नेशनल असेंबली के स्पीकर ने संविधान के अनुच्छेद 54 (3) और अनुच्छेद 254 के तहत ऐसा

करने की इजाजत दी है। विपक्ष की मांग पर एनए सत्र बुलाने की 14 दिन की संवैधानिक समय सीमा 21 मार्च को समाप्त हो जाएगी। द नेशन के मुताबिक, पाकिस्तान के संविधान के अनुच्छेद 54 (3) के अनुसार, इस तरह के प्रस्ताव के लिए नेशनल असेंबली के एक-चौथाई सदस्यों की हामी जरूरी है। यदि स्पीकर को ऐसा लगता है तो वो नेशनल असेंबली को बुला सकता है। पाकिस्तान की मीडिया के मुताबिक, देश के संविधान में दर्ज अनुच्छेद 254 ये भी कहता है कि यदि तय समय के अंदर इसको नहीं बुलाया जाता है तो भी ये केवल इस वजह से आगे नहीं बुलाया जा सकता है कि इसका वक्त निकल चुका है। विपक्ष लगातार इस मामले में नेशनल असेंबली के स्पीकर द्वारा की जा रही देरी पर नाराजगी जता रहा है। विपक्ष का कहना है कि नेशनल असेंबली के स्पीकर पक्षपात कर रहे हैं। जियो न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के नेता शाहिद खकान अब्बासी ने कहा कि अविश्वास प्रस्ताव लाने का अधिकार लोकतांत्रिक और संवैधानिक अधिकार है। उन्होंने असद कैसर की ये कहते हुए आलोचना की है कि उनका रवैया शुरुआत से ही पक्षपात का रहा है।

न्यूजीलैंड में 'कश्मीर फाइल्स' पर प्रतिबंधः सेंसर बोर्ड पर भड़के पूर्व उपराष्ट्रपति ने कहा- इस्लाम के नाम पर आतंकवादियों का बचाव नहीं होना चाहिए

वेलिंग्टन। भारत में रिलीज होने के बाद से ही चर्चाओं में रही बॉलीवुड फिल्म 'द कश्मीर फाइल्स' अब न्यूजीलैंड में भी सुर्खियां बटोर रही है। दरअसल, इस फिल्म की न्यूजीलैंड में स्क्रीनिंग पर रोक लगा दी गई है। पहले फिल्म को A सर्टिफिकेट के साथ रिलीज की मंजूरी मिल गई थी, लेकिन मुस्लिम समुदाय की मांग पर हुई समीक्षा के बाद सेंसर बोर्ड ने फिल्म पर रोक लगाने का फैसला किया। सेंसर बोर्ड के इस फैसले से न्यूजीलैंड के पूर्व उप राष्ट्रपति भड़क गए हैं। उन्होंने कहा- इस्लाम के नाम पर आतंकवादियों का बचाव नहीं होना चाहिए।

पूर्व उप राष्ट्रपति ने की आलोचना

न्यूजीलैंड के पूर्व उप राष्ट्रपति विंस्टन पीटर्स ने इसे न्यूजीलैंड समेत दुनिया भर के लोगों की स्वतंत्रता पर हमला बताया है। अपने फेसबुक पोस्ट में पीटर्स ने लिखा- इस फिल्म को सेंसर करना न्यूजीलैंड में 15 मार्च के अत्याचारों की जानकारी को छिपाने की तरह है।

यूक्रेन जंग : लाखों डॉलर और यूरो लेकर भाग रही थी पूर्व सांसद की पत्नी, हंगरी सीमा पर पकड़ी गई

बुडापेस्ट । रूस की भारी गोलाबारी के बीच यूक्रेन के एक पूर्व सांसद की पत्नी लाखों डॉलर व यूरो के साथ हंगरी सीमा पर पकड़ गई है। उसके पास से 2.80 करोड़ डॉलर (213 करोड़ रुपये) और 13 लाख यूरो करीब (11 करोड़ रुपये) मिले हैं। सूटकेसों में यह राशि भरकर वह हंगरी में घुसने की कोशिश कर रही थी, इसी दौरान उसे बॉर्डर गार्ड ने रोक लिया। यह राशि घोषित करने के बाद ही उसे छोड़ा गया।

नेक्स्टा मीडिया ने बताया कि वह यूक्रेन के पूर्व सांसद कोतवीत्स्की की पत्नी है। उसने युद्धग्रस्त यूक्रेन छोड़ने से पहले अपने पास मौजूद राशि को सूटकेसों में भर कर अपने वाहन में लाद दिया था। वह जकारपट्टिया प्रांत के रास्ते से हंगरी में प्रवेश करने की कोशिश कर रही थी, तभी उसे सीमा रक्षकों ने पकड़ लिया। हंगरी के कानूनों के मुताबिक उसे यह राशि बतौर आय घोषित करने के बाद ही देश में घुसने दिया गया। रूस व यूक्रेन के बीच आज जंग 26 वें दिन में प्रवेश कर गई। लगातार बमबारी से यूक्रेन जर्जर हो गया है। जानमाल का भारी पैमाने पर नुकसान हुआ है। लाखों लोग देश छोड़कर जा चुके हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने रूस के राष्ट्रपति पुतिन से सीधी बात की पेशकश की है और दोनों देशों के बीच कई दौर की चर्चा हो चुकी है, लेकिन जंग रोकने की दिशा में अब तक कोई प्रगति नहीं हुई है। रूस ने 24 फरवरी को यूक्रेन पर धावा बोला था।

ब्रिटेन में भारतीय मूल की छात्रा की हत्याः लंदन यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाली 19 साल की लड़की की लाश फ्लैट में मिली, ट्यूनीशियाई बॉयफ्रेंड अरेस्ट

लंदन। लंदन में भारतीय मूल की एक ब्रिटिश युवती की हत्या कर दी गई। इस मामले में ट्यूनीशिया के एक नागरिक को गिरफ्तार किया गया है। ब्रिटेन की पुलिस ने बताया कि सबिता थानवानी (19) की डेड बॉडी शनिवार को लंदन के क्लर्केंवेल इलाके के आर्बर हाउस में स्टूडेंट्स के लिए बनाए गए फ्लैट में मिली। उसकी गर्दन पर गंभीर चोटों के निशान थे।

जांच में पता चला की सबिता 22 साल के महीर मारूफ के साथ रिलेशनशिप में थी। इसके बाद पुलिस ने महीर को पकड़ने के लिए अपील जारी की। पुलिस ने शक के आधार पर मारूफ को

क्लर्केंवेल के उसी इलाके से गिरफ्तार किया, जहां से सबिता की डेड बॉडी मिली थी। बताया जा रहा है कि गिरफ्तारी के दौरान उसने पुलिस पर भी हमला किया।

लंदन विश्वविद्यालय की थी छात्रा

सबिता लंदन विश्वविद्यालय से साइकोलॉजी की पढ़ाई कर रही थी। वह फर्स्ट ईयर की छात्रा थी। उसे शुक्रवार को कथित तौर पर मारूफ के साथ देखा गया था। फिलहाल हत्या के कारण का पता नहीं चल पाया है। मेट्रोपोलिटन पुलिस की स्पेशल क्राइम यूनिट की डिटेक्टिव चीफ इंस्पेक्टर लिंडा ब्रैडली ने बताया कि सबिता के परिवार को इस घटना की जानकारी दे दी गई है। उन्होंने कहा- मारूफ और सबिता रिलेशनशिप में थे। मारूफ एक ट्यूनीशियाई नागरिक है, इसलिए उसका कोई पता हमारे पास नहीं है। मामले की जांच जारी है।

चीन में बड़ा विमान हादसा: पहाड़ के ऊपर उड़ रहे विमान में लगी आग

बीजिंग। चायना ईस्टर्न एयरलाइंस का एक विमान गुआंग्शी के पहाड़ी क्षेत्र में हादसे का शिकार हो गया। कुनमिंग से गुआंगझू जा रहे इस विमान में 133 यात्री सवार थे। विमान में सवार लोगों के साथ अनहोनी की आशंका है।

दुर्घटनाग्रस्त जेट बोइंग 737 था। हताहतों की संख्या के बारे में अभी पता नहीं चला है। विमान में आग लगने के बाद पहाड़ी इलाके में भी आग लग गई। उड़ान संख्या एमयू 5735 में सवार यात्रियों के बचाव व राहत कार्य के लिए

गुआंगडोंग प्रांत के गुआंगझू पोर्ट पर दोपहर 3.07 पर ने वाला था। सरकारी चार एजेंसी ने बताया कि व बचाव टीमें घटनास्थल के लिए रवाना हो गई हैं। हादसे दोपहर करीब 1.15 बजे उड़ान भरी थी। यह दक्षिण चीन के को लेकर चायना ईस्टर्न एयरलाइंस से अभी संपर्क नहीं हो पाया है। दुर्घटनाग्रस्त बोइंग 162 सीटर है। इसमें 12 सीटें बिजनेस क्लास की और 150 सीटें इकानॉमी क्लास की हैं।

शेयर 10 फीसदी गिर गए

यह विमान चायना ईस्टर्न एयरलाइंस की युन्नान प्रांत की सहायक कंपनी का था। यह जून 2015 में एयरलाइंस को सौंपा गया था। इस तरह इसने अब तक मात्र 6.5 साल ही उड़ान भरी थी। हादसे की खबर फैलते ही अमेरिकी शेयर बाजार खुलने के पूर्व कारोबार में सूचीबद्ध चायना ईस्टर्न एयरलाइंस के शेयर 10 फीसदी गिर गए।

चीन का हवाई सुरक्षा रिकॉर्ड विश्व में श्रेष्ठ

चीन में सुरक्षित हवाई सेवाओं के चलते 19 फरवरी 2022 को देश के नागरिक विमानन व परिवहन विमानों का सतत सुरक्षित उड़ान समय बढ़ाकर 10 करोड़ घंटे किया गया था। चीन के नागरिक विमानों की सुरक्षा का रिकॉर्ड विश्वभर में श्रेष्ठ है।

अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन करेंगे पोलैंड का दौरा, रूस-यूक्रेन युद्ध को रोकने के लिए बन सकती है रणनीति

वाशिंगटन। रूस-यूक्रेन में चल रहे युद्ध का 26वां दिन है। रूस दिन भर दिन यूक्रेन पर अपनी बमबारी तेज करता रहा है। वहीं इसी के चलते अमेरिकी राष्ट्रपति रूस द्वारा यूक्रेन पर किए जा रहे हमले पर साथी देशों के कार्यों का जायजा लेने पोलैंड जाएंगे। जानकारी के अनुसार बाइडन नाटो और यूरोपीय देशों के साथ बात करके पुतिन को रोकने की रणनीति तैयार करेंगे।

मानवाधिकार संकट पर भी होगी चर्चा

बता दें कि बाइडन इस दौरान पोलैंड के राष्ट्रपति के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी कर सकते हैं। व्हाइट हाउस के अनुसार बाइडन पोलैंड की यात्रा करेंगे और इस बात पर चर्चा करेंगे की यूक्रेन को सहयोग देने वाले देश वहां के मानवाधिकार संकट पर मदद के लिए क्या कदम उठा रहे हैं। बैठक

में रक्षात्मक कार्रवाई के लिए उठाए जाने वाले कदमों पर भी चर्चा हो सकती है।

जेलेंस्की ने कहा छिड़ सकता है तीसरा विश्व युद्ध

यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने इस बीच कहा है कि वे पुतिन के साथ वार्ता और समझौते के लिए तैयार हैं। साथ ही उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर रूस के साथ बातचीत विफल होती है तो तीसरा विश्व युद्ध हो सकता है। यूक्रेनी राष्ट्रपति के अनुसार दोनों नेताओं को वार्ता के लिए हर मौके का उपयोग करना होगा तभी ये युद्ध शांत होगा नहीं तो तीसरा विश्व युद्ध हो सकता है।

अमेरिकी राष्ट्रपति रूस द्वारा यूक्रेन पर किए जा रहे हमले पर साथी देशों के कार्यों का जायजा लेने पोलैंड जाएंगे। जानकारी के अनुसार बाइडन नाटो और यूरोपीय देशों के साथ बात करके पुतिन को रोकने की रणनीति तैयार करेंगे।

अखंड भारत संदेश

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक

211019 से प्रकाशित स्वामी श्री योगी सत्यम एवम् योग सत्संग समिति द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज 1/6C माधव कुंज कटरा प्रयागराज से मुद्रित एवम् क्रियायोग आश्रम अनुसंधान संस्थान झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।

Title UPHIN 29506

चीन में उड़ते विमान में लगी आग, 132 लोगों में किसी के बचने की उम्मीद नहीं

बीजिंग। चीन के दक्षिण पश्चिमी हिस्से में गुआंग्शी की पहाड़ियों के बीच 132 लोगों को लेकर जा रहा विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस बोइंग 737 विमान में उड़ान के दौरान जिस समय आग लगी, वह 30 हजार फुट की ऊंचाई पर था। बचाव कार्य में लगे लोगों ने बताया कि दुर्घटना इतनी भयावह थी कि विमान में सवार किसी भी यात्री के बचने की उम्मीद नहीं है। चाइना ईस्टर्न एयरलाइंस का एक विमान दक्षिण चीन में कुनमिंग से ग्वांगझू जा रहा था। बोइंग ने दक्षिण पश्चिम युन्नान प्रांत के कुनमिंग चांगशुई एयरपोर्ट से दोपहर करीब 1.15 बजे उड़ान भरी थी। यह दक्षिण चीन के गुआंगडोंग प्रांत के ग्वांगझू एयरपोर्ट पर दोपहर 3.07 पर उतरने वाला था। दुर्घटनाग्रस्त बोइंग की यात्री क्षमता 162 लोगों की है। इसमें 12 सीटें बिजनेस क्लास की और 150 सीटें इकानॉमी क्लास की हैं। विमान में 123 यात्री और चालक दल के नौ सदस्य यात्रा कर रहे थे। पहाड़ों के बीच उड़ान के दौरान विमान में अचानक आग लग गयी। जिस समय यह दुर्घटना हुई, विमान 30 हजार फुट की ऊंचाई पर 523 मील प्रति घंटे की रफ्तार से उड़ान भर रहा था।

विमान की उड़ान पर नजर रखने वाली वेबसाइट के अनुसार उड़ान के दौरान डेढ़ मिनट के अंदर इस भीषण दुर्घटना ने मूर्त रूप ले लिया। विमान के दुर्घटनाग्रस्त होते ही पहाड़ों के बीच आग का बड़ा गुबार देखा गया। यह विमान चाइना ईस्टर्न एयरलाइंस की युन्नान प्रांत की सहायक कंपनी का था। यह जून 2015 में एयरलाइंस को सौंपा गया था। इस तरह इसने अब तक मात्र साढ़े छह साल ही उड़ान भरी थी। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने बताया कि राहत व बचाव टीमें घटनास्थल पर सक्रिय हैं।